मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	43.5	33.0
जमशेदपुर	38.2	24.2
डालटनगंज	43.0	30.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

रांची, बुधवार 19 जून 2024 ● ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 13 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 71

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पेज 09

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,600
चांदी (किलो)	94,000

ब्रीफ खबरें

30 जून से फिर मोदी के मन की बात शुरू

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि रेडियो कार्यक्रम मन की बात का प्रसारण 30 जून से फिर से शुरू होगा. उन्होंने लोगों से इसके लिए अपने विचार और सुझाव साझा करने का आग्रह किया है. उन्होंने एक्स पर कहा, यह बताते हुए खुशी हो रही है कि चुनाव के कारण कुछ महीनों के अंतराल के बाद मन की बात वापस आ गया है! मैं आप सभी से इसके लिए अपने विचार और सुझाव साझा करने का आह्वान करता हूं.

अमेरिका में मिल सकती है अप्रवासियों को राहत

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन चुनावी वर्ष में एक व्यापक कदम उठा रहे हैं, जिससे अब तक बिना किसी वैध स्थिति के देश में रह रहे लाखों अप्रवासियों को राहत मिल सकती है और उनको अमेरिकी नागरिकता मिलने का रास्ता साफ हो सकता है. इससे हजारों भारतीय अप्रवासियों को भी लाभ मिलेगा.

रेलवे को सरकार ने नष्ट कर दिया: कांग्रेस

नयी दिल्ली। मोदी सरकार पर रेलवे को नष्ट करने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने कंचनजंगा ट्रेन दुर्घटना के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के इस्तीफे की मांग की और कहा कि उन्हें पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जब भी रेल हादसा होता है, रेल मंत्री ऐसा व्यवहार करते हैं, जैसे सब कुछ ठीक है.

इंग्लिश मीडियम स्कूल आत्मघात के समान

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के निदेशक डीपी सकलानी ने अभिभावकों के अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के प्रति आकर्षण पर अफसोस जताते हुए कहा है कि यह अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने से कम नहीं है, क्योंकि सरकारी स्कूल अब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं. सकलानी ने कहा कि अंग्रेजी में विषय-वस्तु को रटने की प्रथा ने बच्चों में ज्ञान की हानि की है और उन्हें उनकी जड़ों और संस्कृति से दूर कर दिया है.

शेयर बाजार में गड़बड़ी की जांच हो: टीएमसी

मुंबई। टीएमसी के सांसद कल्याण बनर्जी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को मुंबई में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के अधिकारियों से मुलाकात की और इस माह की शुरुआत में आए चुनावी एग्जिट पोल के बाद शेयर बाजार में कथित गड़बड़ी की जांच की मांग की. सांसदों ने कहा कि यह बहुत बड़ा घोटाला है.

8वीं में पढ़ रहे जमशेदपुर के 17 हजार 214 छात्रों को दी जानी हैं साइकिलें

खुले में जंग खा रहा उन्नति का पहिया

विभागीय लापरवाही

- प्रखंड कार्यालय परिसर में गोदाम नहीं होने के कारण खुले आसमान के नीचे रखवाए गए साइकिल के पार्ट्स
- प्रखंड कल्याण पदाधिकारी का आरोप-आपूर्तिकर्ता एजेंसी ने नहीं किया तिरपाल या कोई अन्य उपाय
- प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों ने भी अबतक नहीं भेजी स्कूलवार लाभुक छात्र-छात्राओं की सूची

सुनील पांडेय। जमशेदपुर

झारखंड सरकार के कल्याण विभाग की साइकिल वितरण योजना (उन्नति का पहिया) सड़कों पर दौड़ने से पहले ही दम तोड़ती नजर आ रही है. छात्र एवं छात्राओं के बीच वितरण के लिए प्रखंडों में भेजी गई साइकिलों के पार्ट्स खुले आसमान के नीचे रखे गए हैं. इससे उनके जंग लग कर खराब होने की संभावना बढ़ गई है. जब से साइकिल के पार्ट्स खुले आसमान में रखे गए हैं, उसके बाद से दो-चार बार बारिश भी हो चुकी है.

ऐसे में कड़ी धूप एवं बारिश से लोहे के पार्ट्स में जंग लगना लाजिमी है. पूर्वी सिंहभूम जिले में आठवीं कक्षा में अध्ययनरत 17 हजार 214 छात्रों के बीच साइकिल का वितरण किया जाना है. इसके लिए प्रखंड मुख्यालयों को कलस्टर एवं डिलीवरी प्वाइंट बनाया गया है. इस संबंध में विभाग ने एक एसओपी भी जारी की है. जिसमें प्रखंड विकास पदाधिकारी को मुख्यालय में बड़े स्थान की व्यवस्था करने, साइकिल असेंबल करने वाले कारीगरों के आवासन जैसी सुविधा, सुरक्षा, एक सहायक एवं डाटा इंट्री ऑपरेटर की व्यवस्था करने का निर्देश है. मुख्यालय में ही कारीगरों को साइकिल असेंबल करनी होगी तथा उसे स्कूलवार छात्रों को प्रदान किया जाएगा.

जमशेदपुर प्रखंड को मिली हैं 2 हजार 230 साइकिलें

योजना के लिए एजेंसी का चयन राज्य मुख्यालय स्तर पर किया गया है. कार्यकारी एजेंसी को जिले के सभी प्रखंडों में साइकिल के पार्ट्स पहुंचाने एवं उसे वहीं उन्हें असेंबल करने की जिम्मेदारी दी गई है. इसके बाद एजेंसी ने सभी जिलों में ट्रकों में भर भर कर पार्ट्स एवं असेंबल करने वाले एक्सपर्ट्स भेज दिए हैं, लेकिन विभागीय स्तर से लेट-लतीफी के कारण साइकिलें असेंबल नहीं हो रही हैं. जमशेदपुर प्रखंड को कुल 2 हजार 230 साइकिलें मिली हैं. इनमें से 1 हजार 081 छात्राओं एवं 1 हजार 149 छात्रों के बीच इसका वितरण किया जाना है.

बीईईओ ने नहीं भेजी अब तक सूची

खुले आसमान के नीचे उन्नति का पहिया रखे जाने के संबंध में जमशेदपुर प्रखंड कल्याण पदाधिकारी मनेश चंद्र गोराई ने कहा कि इतनी संख्या में आए सामान (पार्ट्स) को रखने के लिए यहां गोदाम नहीं है. इस वजह से मजबूरी में खुले आसमान के नीचे रखा गया है. पार्ट्स की डिलीवरी करने वाली एजेंसी को धूप एवं वर्षा से बचाव के लिए तिरपाल अथवा अन्य उपाय करने चाहिए थे. लेकिन उसने इससे पल्ला झाड़ लिया. उन्होंने कहा कि प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारियों (बीईईओ) से स्कूलवार सूची मांगी गई है, लेकिन उनकी ओर से अभी तक सूची उपलब्ध नहीं करायी गई है.

साइकिल वितरण की तिथि तय नहीं : बीडीओ

जमशेदपुर प्रखंड मुख्यालय में खुले आसमान के नीचे उन्नति का पहिया (साइकिल के पार्ट्स) रखे जाने के संबंध में पूछे जाने पर प्रखंड विकास

पदाधिकारी सुधा वर्मा ने कहा कि परिसर में दूसरी कोई जगह नहीं होने के कारण पार्ट्स को खुले में रखना पड़ा. जल्द ही इसका वितरण कर दिया जाएगा. हालांकि वितरण की तिथि पूछे जाने पर कहा कि अभी तिथि निर्धारित नहीं की गई है. उन्होंने कहा कि उन्हें जिलास्तर से उक्त सामग्री मुहैया कराई गई है.

बिहार में उद्घाटन से पहले गिरा एक और पुल

बिहार के अररिया जिले में निर्माणाधीन पुल मंगलवार को उद्घाटन से पहले ही ढह गया है. इसकी लागत 12 करोड़ रुपए बताई जा रही है. पुल का निर्माण तो हो गया था, लेकिन एप्रोच पथ नहीं बनने के कारण पुल पर आवागमन शुरू नहीं हुआ था. इसके पहले भी बिहार में कई पुल तैयार होने के बाद गिर चुके हैं. - खबर पेज 11 पर देखें

सीएम ने की पर्यटन, कला-संस्कृति, खेल-कूद एवं युवा कार्य विभाग की समीक्षा

छिन्नमस्तिके को विश्वस्तरीय धार्मिक पर्यटन बनाने के लिए डीपीआर बनाएं

विशेष संवाददाता। रांची

बोले सीएम

- पहाड़ी मंदिर, लुगुबुरू तथा मरांगबुरू का संपूर्ण विकास कार्य जल्द शुरू करें
- झारखंड में जो भी पर्यटक घूमने आएं, अपने साथ अच्छा अनुभव लेकर जाएं

सीएम चंपाई सोरेन ने रजरप्पा का छिन्नमस्तिके मंदिर को विश्वस्तरीय धार्मिक स्थल बनाने के लिए लिए जल्द से जल्द कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया है. उन्होंने कहा कि रामगढ़ जिले में रजरप्पा को धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सके, इसके लिए और क्या नया किया जा सकता है, पूरी कार्य योजना बनाएं. सीएम ने मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में पर्यटन, कला-संस्कृति, खेल-कूद एवं युवा कार्य विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की. बैठक में सीएम के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, सचिव मनोज कुमार, अरवा राजकमल, खेल निदेशक सुशांत गौरव, पर्यटन निदेशक अंजलि यादव आदि मौजूद थे.

सीएम ने निर्देश दिया कि आदिवासी धर्मावलंबियों के आस्था का धर्मस्थल लुगुबुरु तथा मरांगबुरु को एक बेहतर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए. पर्यटन विभाग इस पर डीपीआर तैयार कर आगे की कार्रवाई प्रारंभ करें.

पहाड़ी मंदिर में शीघ्र रोप-वे कार्य शुरू करें: मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि पहाड़ी मंदिर परिसर का संपूर्ण विकास जरूरी है. इसके लिए रोप-वे बनाने का प्रस्ताव बना था. वेरीफिकेशन हुआ था. ये रिपोर्ट मंगाकर आगे की कार्रवाई प्रारंभ करें. पहाड़ी मंदिर के लिए जो भी रोड मैप बना है, उस पर कार्य शुरू किया जाए.

हुंडरू गेस्ट हाउस निर्माण कार्य में तेजी लाएं: मुख्यमंत्री ने कहा कि हुंडरू फॉल के रिनोवेशन तथा गेस्ट हाउस निर्माण में तेजी लाएं. विभाग द्वारा चिन्हित वैसे सभी स्थल जिन्हें विकसित होना है. उनके कार्य में शिथिलता न हो बल्कि तेजी कार्य ससमय सम्पन्न करें. पर्यटन व धार्मिक स्थलों को विकसित करने में जरूरत पड़े, तो दूसरे राज्यों के टूरिज्म प्लेस की स्टडी करें. हम चाहते हैं कि झारखंड के सभी पर्यटन स्थल विकसित हों, तभी राज्य का सांस्कृतिक गौरव बढ़ेगा और अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी. - शेष पेज 7 पर

प्रोजेक्ट भवन में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन.

हर हाल में खेलगांव का हो मेंटेनेंस

मुख्यमंत्री ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि रांची स्थित खेलगांव का मेंटेनेंस हर हाल में सुनिश्चित की जाए. मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस उद्देश्य से खेलगांव का निर्माण किया गया था. उस उद्देश्य को पूरा करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है. विभिन्न खेल प्रतियोगिता का आयोजन खेलगांव में आयोजित होती रहे, यह सुनिश्चित किया जाए.

नरसिंह इस्पात से बढ़ा गांवों में हाथियों का उत्पात

दिलीप कुमार। चांडिल

चौका-कांड्रा सड़क पर खूंटी में नरसिंह इस्पात कंपनी की मनमानी का शिकार झारखंड के राजकीय पशु हाथी भी हो रहे हैं. जल-जंगल-जमीन को नुकसान पहुंचाने के साथ कंपनी अपने स्थापना काल से ही स्वतंत्र विचरने वाले हाथियों के लिए भी खतरनाक साबित हो रही है. कंपनी की स्थापना के बाद पास के गांवों में जंगली हाथियों का उत्पात बढ़ा है. बताया गया कि कंपनी ने हाथियों के आवागमन करने वाले रास्ते (एलिफेंट कॉरिडोर) को प्रभावित किया है.

इस बात को वन विभाग भी मान रहा कि कंपनी के स्थापना काल से ही गांवों में हाथियों का उत्पात शुरू हुआ. एलिफेंट कॉरिडोर में कंपनी बनने के बाद जंगली हाथियों का झुंड नया रास्ता ढूंढ़ रहा है. चांडिल के वन क्षेत्र अफसर ने बताया कि कई स्थानों पर हाथियों के रास्ते को घेर कर निर्माण कार्य हुए हैं. ऐसे में हाथियों का भटकाव हुआ और हाथी रास्ते से भटक गांवों की ओर आने लगे. जिन इलाकों में पहले हाथियों की उपस्थिति कभी दर्ज नहीं हुई थी, वहां भी पहुंच रहे हैं. जंगली हाथी रास्ता भटक कर एनएच 33 पर स्थित चौका थाना में भी घुस चुके हैं.

जानवर प्रभावित, जंगल भी हो रहे नष्ट : कंपनी से होने वाले प्रदूषण के कारण पास का जंगल भी नष्ट होता जा रहा है. विषैला धुंआ और जानलेवा गैस छोड़े जाने के कारण पास के जंगल में जानवर नहीं रह गए हैं. स्थानीय ग्रामीण बताते हैं कि पहले जंगल में जंगली जानवर रहा करते थे, लेकिन कंपनी बनने के बाद सारे जानवर भाग गए. वहीं जंगल का विकास भी अवरुद्ध हो गया. पेड़-पौधों पर कंपनी का दुष्प्रभाव साफ देखा जा सकता है. दरअसल झारखंड अलग राज्य बनने के बाद औद्योगिक विकास के नाम पर जहां-तहां उद्योग लगने लगे. उस समय पैसे और पहुंच के बल पर उद्योगपतियों ने अपनी पसंद के स्थानों पर उद्योग लगाए. उस समय न प्रदूषण के मानकों का ध्यान रखा गया न अन्य मानकों का. स्थानीय लोगों ने इसके खिलाफ कई बार आवाज बुलंद की, लेकिन ऊंचे ओहदे पर बैठे हुक्मरानों को जनता की आवाज सुनाई ही नहीं दी. सरकार भी जनता की ओर नहीं देख रही है. वहीं जिस जनप्रतिनिधि को जनता ही चुन कर भेजती है, वे भी पद पर पहुंचते ही उद्योगपतियों की ही बात करने लगते हैं. वोट देने वाली जनता उन्हें गलत लगने लगती है. ग्रामीण ग्रीन ट्रिब्यूनल एक्ट के तहत प्रतिवर्ष जनसुनवाई का आयोजन करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन विभाग इसका आयोजन नहीं कर रहा है.

एलिफेंट कॉरिडोर प्रभावित होने से भटकने लगे हैं गजराज

- जल-जंगल-जमीन के साथ राजकीय पशु के लिए भी खतरनाक साबित हो रही कंपनी

स्थानीय ग्रामीणों को नहीं मिल रहा काम

आसपास के गांवों में रहने वाले ग्रामीणों का कहना है कि कंपनी से स्थानीय लोगों को किसी प्रकार का लाभ नहीं मिल रहा. स्थानीय जमीनदाताओं ने जिस उद्देश्य से कंपनी के लिए जमीन दी, वह अधूरा ही रह गया है. सरकार और स्थानीय लोगों को ही नुकसान पहुंचा कर कंपनी मालिक मालामाल हो रहे हैं. ग्रामीणों का कहना है कि स्थानीय लोगों को ठेकेदार के अंदर सिर्फ मजदूरी का काम मिलता है, कंपनी के सारे बड़े काम बाहर से मंगाए गए लोगों से करवाए जाते हैं. कंपनी में काम करने वाले करीब छह सौ कामगारों में आधे से अधिक कामगार ठेकेदारी प्रथा में हैं. मात्र कंपनी के लिए जमीन देने वाले ही स्थाई रूप से काम करते हैं. ऐसा इसलिए कि कंपनी की मनमानी हमेशा चलती रहे.

यूनिसेफ की रिपोर्ट | फूड सिक्योरिटी के मामले में भारत दुनिया का आठवां सबसे खराब देश

दुनिया का हर चौथा बच्चा भूखा

एजेंसी। नयी दिल्ली

फूड सिक्योरिटी मामले में भारत दुनिया का 8वां सबसे खराब देश है. साउथ एशिया में अफगानिस्तान के बाद सबसे बदतर स्थिति भारत की ही है. यूनिसेफ 2024 बाल पोषण रिपोर्ट, चाइल्ड फूड पॉवर्टी: बचपन के शुरुआती दिनों में पोषण का अभाव रिपोर्ट से पता चला है कि भारत उन 20 देशों में से एक है, जहां 2018-2022 तक 65% बच्चों को जरूरी पोषक आहार नहीं मिल रहा है. दुनिया में हर चौथा बच्चा भूखा है.

गंभीर बाल खाद्य गरीबी में 40% के अलावा भारत के 36% बच्चे मध्यम गरीबी की चपेट में हैं. इस हिसाब से दोनों का आंकड़ा 76% तक पहुंच जाता है, ये बताता है कि भारत अफगानिस्तान के बाद दूसरा सबसे खराब देश है. जहां गंभीर बाल गरीबी 49% और मध्यम बाल गरीबी 37% है. दक्षिण एशिया में बाकी देशों की स्थिति भारत से बेहतर है.

हर चौथे बच्चे को नहीं मिल रहा भरपेट खाना : दुनिया में 5 साल से कम उम्र के 18.1 करोड़ बच्चे गंभीर खाद्य गरीबी की चपेट में हैं. दुनिया में 27% बच्चे ऐसे हैं, जिन्हें पोषक आहार नहीं मिल रहा. इसका मतलब हर चौथा बच्चा भूख या कुपोषण का शिकार है, जिसका असर उसकी ग्रोथ पर पड़ रहा है. यूनिसेफ का कहना है कि बच्चों को हर दिन कम से कम 5 फूड्स खाने में देना चाहिए. इनमें मां का दूध, अनाज, जड़ें, कंद, केले, दालें, दूध, मांस, अंडे, विटामिन ए से भरपूर फल और सब्जियां और अन्य फल-सब्जियां शामिल हैं.

किस देश में चाइल्ड पॉवर्टी सबसे ज्यादा

यूनिसेफ के आंकड़ों के अनुसार, भारत में चाइल्ड पॉवर्टी 40 प्रतिशत है, जो हाई लेवल पर है. उससे पहले सोमालिया (63%), गिनी (54%), गिनी-बिसाऊ (53%), अफगानिस्तान (49%), सिएरा लियोन (47%), इथियोपिया (46%) और लाइबेरिया (43%) है. इन आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में भी बड़ी संख्या में बच्चों को खाना तक उपलब्ध नहीं हो पा रहा है. पाकिस्तान की बात करें तो वहां का आंकड़ा 38% है, जबकि चीन 10% पर है.

खाद्य गरीबी में 44 करोड़ बच्चे

यूनिसेफ की रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 100 निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रहने वाले 5 साल से कम उम्र वाले करीब 44 करोड़ बच्चे खाद्य गरीबी से जूझ रहे हैं, यानी उन्हें रोजना 5 तरह के पोषण आहार वाले फूड्स नहीं मिल रहे हैं. इनमें से 18.1 करोड़ बच्चे गंभीर खाद्य गरीबी में हैं, जो रोजाना दो खाद्य समूहों वाला खाना ही ले पा रहे हैं.

नीट विवाद एनटीए पर फिर भड़का सुप्रीम कोर्ट, कहा- 0.001% भी गड़बड़ी हुई है, तो एक्शन लें

सोचिए! कोई फ्रॉड डॉक्टर बना, तो होगा और नुकसान

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

नीट-यूजी परीक्षा पर छिड़े विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को फिर से तीखी टिप्पणी की. कोर्ट ने एनटीए को फटकार लगाते हुए कहा कि यदि नीट परीक्षा में 0.001 फीसदी भी चूक हुई है है, तो यह चिंता की बात है और उसकी जांच होनी चाहिए. परीक्षा कराने वाली एजेंसी के तौर पर आपको साफ-सुथरा रहना चाहिए. यदि गलती है, तो बताएं, हम ऐक्शन लेंगे. इससे आपके कामकाज में सुधार तो होगा.

इसके साथ ही कोर्ट ने कथित पेपर लीक और कदाचार की याचिकाओं पर एनटीए और केंद्र को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है. कोर्ट ने यह भी कहा कि देश की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक की तैयारी के लिए मेडिकल छात्रों की मेहनत को भुलाया नहीं जा सकता है. बच्चों ने परीक्षा की तैयारी की है, उनकी मेहनत को नहीं भूल सकते. जस्टिस विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति एस वीएन भट्टी की पीठ ने एनटीए से कहा कि हमें आपसे समय पर कार्रवाई की उम्मीद है. जरा कल्पना कीजिए कि सिस्टम के साथ धोखाधड़ी करनेवाला एक व्यक्ति अगर डॉक्टर बन जाता है, तो वह समाज के लिए और भी अधिक हानिकारक होगा. पीठ ने कहा, हम 8 जुलाई को इस पर सुनवाई करेंगे.

एडवोकेट दिनेश-जोटवानी ने कोर्ट में कहा, हमने एनवी सर के संस्थान की ओर से अदालत में अपना पक्ष रखा है. उनके साथ इस याचिका में 20 हजार से भी ज्यादा बच्चे हैं.

कोर्ट रूम लाइव...

जस्टिस नाथ (वकील से) : आप सभी मामलों पर 8 जुलाई को बहस करें.

याचिकाकर्ता के वकील : मैं केवल यह अपील कर रहा हूं कि जांच कहां तक पहुंची उसका स्टेटस बताया जाए.

जस्टिस नाथ : सभी पार्टीज को मामले से जोड़ा जाए, इसे 8 जुलाई को लिस्ट करें. एनटीए और सरकार भी दो हफ्ते में जवाब देगी.

जस्टिस भट्टी : अगर किसी से भी लापरवाही हुई है, तो उससे पूरी तरह निपटा जाना चाहिए. स्पष्ट रूप से हम प्रतिक्रिया करते हैं, लेकिन छुट्टियों में यह थोड़ा स्लो प्रोसेस होता है.

याचिकाकर्ता : उन्हें जांच को रिकॉर्ड पर रखना चाहिए.

जस्टिस भट्टी : अगली सुनवाई में आप सारे खुलासे कर सकते हैं.

भाजपा शासित राज्य पेपर लीक के एपिसेंटर बन चुके हैं : राहुल

नयी दिल्ली। नीट परीक्षा में धांधली पर कांग्रेस लगातार केंद्र सरकार पर हमला बोल रही है. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी मोदी सरकार पर निशाना साधा है. कहा, पीएम इस पर मौन साधे हुए हैं और भाजपा

शासित राज्य पेपर लीक के एपिसेंटर बन चुके हैं. राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, नीट परीक्षा में 24 लाख से अधिक छात्रों के भविष्य के साथ हुए खिलवाड़ पर भी मोदी मौन धारण किए हैं. बिहार, गुजरात और हरियाणा में हुई गिरफ्तारियों से साफ है कि परीक्षा में संगठित भ्रष्टाचार हुआ है और ये भाजपा शासित राज्य पेपर लीक का एपिसेंटर बन चुके हैं. हमारे न्याय पत्र में पेपर लीक के विरुद्ध सख्त कानून बना कर युवाओं का भविष्य सुरक्षित करने की हमने गारंटी दी थी.हम जिम्मेदारी निभाते हुए युवाओं की आवाज सड़क से संसद तक मजबूती से उठा कर और सरकार पर दबाव डाल कर ऐसी कठोर नीतियों के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं.

वैष्णो देवी के लिए अब जम्मू से ही हेलीकॉप्टर सेवा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर की त्रिकुटा पहाड़ियों के बीच स्थित श्री माता वैष्णो देवी के भक्तों के लिए खुशखबरी है. जम्मू से वैष्णो देवी की पवित्र गुफा मंदिर तक बहुप्रतीक्षित हेलीकॉप्टर सेवा 25 या 26 जून से शुरू होने की संभावना है.

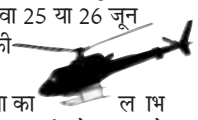

इस सुविधा का लाभ उठाने के तीर्थयात्रियों के लिए दो पैकेज हैं. एक उसी दिन वापसी पैकेज है, जिसकी लागत प्रति तीर्थयात्री 35,000 रुपए होगी तथा दूसरा अगले दिन वापसी पैकेज, जिसकी लागत प्रति तीर्थयात्री 60,000 रुपए होगी. इस सेवा के लिए भक्तों को दर्शन, भवन में मुफ्त भोजन, भैरों घाटी मंदिर तक रोपवे टिकट और पंचमेवा प्रसाद का एक डिब्बा भी मिलेगा.

जगन्नाथपुर रथ मेला सात जुलाई से

रांची। डीसी राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में मंगलवार को जगन्नाथपुर रथ मेले के आयोजन को लेकर समाहरणालय में बैठक हुयी. इस साल सात से 17 जुलाई तक ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ मेले का आयोजन होना है. बैठक में जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति रांची के प्रभारी अध्यक्ष रणेंद्र कुमार, सचिव मिथलेश कुमार, उपाध्यक्ष अशोक नारसरिया, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार, प्रथम सेवक ठाकुर सुधांशु नाथ शाहदेव, सदस्य सुहास तेतरे, उपाधीक्षक हटिया प्रमोद कुमार मिश्रा, आवासीय दंडाधिकारी हटिया स्मृति कुमारी और संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे. जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति रांची के प्रतिनिधियों के साथ मेले के बेहतर आयोजन के प्रस्ताव पर डीसी ने कई निर्देश जारी किये. मेले से संबंधित निविदा की सूचना जारी करने को कहा गया. मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के तहत सीसीटीवी लगाने, मंदिर के आसपास लाइट की व्यवस्था, रथ एवं मंदिर में दो-दो पुलिस बल की तैनाती की जाएगी.

बड़ा ऐलान: विधानसभा चुनाव में किसी भी पार्टी से कोई तालमेल नहीं करेगी जेबीकेएसएस, अकेले दम पर ठोंकेगी ताल

झारखंड में 55 सीटों पर लड़ेंगे विधानसभा चुनाव: जयराम महतो

विशेष संवाददाता। रांची

विधानसभा चुनाव से पहले झारखंड भाषा खतियानी संघर्ष समिति के मुख्य संयोजक जयराम महतो ने बड़ा ऐलान किया है. जयराम ने घोषणा की है कि झारखंड में अकेले दम पर 55 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ेंगे. किसी भी पार्टी से कोई तालमेल नहीं करेंगे. वे मंगलवार को रांची में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में बोल रहे थे. मौके पर रांची लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी देवेंद्र नाथ महतो भी मौजूद थे.

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारी की जानकारी देते जयराम महतो व देवेंद्र नाथ महतो.

पार्टी के निबंधन के लिए करेंगे आवेदन : जयराम महतो ने कहा कि लोकसभा चुनाव में हमने कुल आठ सीटों पर प्रत्याशी उतारा था. इन आठ लोकसभा क्षेत्र में आने वाले 46 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेंगे. इसके अलावा जमशेदपुर, खूंटी और गोड्डा लोकसभा क्षेत्र अंतगर्त आने वाले विधानसभा सीटों पर भी चुनाव लड़ने की घोषणा की. उन्होंने कहा कि पार्टी के निंबधन के लिए आवेदन किया जाएगा. 15 से 25 दिन के अंदर पार्टी के रजिस्ट्रेशन के साथ सिंबल भी अलॉट कर दिया जायेगा.

कोई एक विशेष दल चुनौती नहीं, मुद्दे अहम : एक सवाल के जवाब में जयराम महतो ने कहा कि कोई कोई एक विशेष दल हमारी पार्टी के लिए चुनौती नहीं है, क्योंकि मैंने वहां-वहां से वोट लाया, जहां से आजसू के अलावा बाकी पार्टियां भी थीं. बताया कि कांग्रेस की पारंपरिक सीट बेरमो से उनको 13,53,000 वोट मिले. झारखंड मुक्ति मोर्चा की सीट टुंडी से 60,000 और डुमरी से 90,000 वोट मिले. उन्होंने कहा कि किसी एक दल से हमारी लड़ाई नहीं है. हमारी लड़ाई विचारधारा की है. हम लोगों के लिए पार्टी नहीं, मुद्दे मायने रखते हैं. उन्होंने कहा कि आनेवाले दिनों में झारखंड की राजनीति में हमलोग बेहतर स्थिति में होंगे.

छात्रों की निराशा राज्य का सबसे ज्वलंत मुद्दा : जयराम महतो ने कहा कि विधानसभा का चुनाव राज्य के मुद्दों पर लड़ेंगे. वर्तमान में झारखंड का सबसे ज्वलंत मुद्दा छात्रों की निराशा व हताशा है. विस चुनाव में यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा होगा. उन्होंने कहा कि अगर हम सरकार में आते हैं, तो सबसे पहले परीक्षाओं में पारदर्शिता लाएंगे. निष्पक्ष परीक्षा ली जाएगी. अगर उसमें कोई गड़बड़ी सामने आती है, तो इसके जिम्मेदार चाहे कोई भी उच्च अधिकारी हों, उन्हें कड़ी सजा दिलाने के लिए आंदोलन भी करेंगे.

जयराम महतो को बेल देने से कोर्ट का इनकार

रांची। जेबीकेएसएस के अध्यक्ष और गिरिडीह लोकसभा सीट के पूर्व प्रत्याशी जयराम महतो को रांची सिविल कोर्ट ने अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया है. इससे पहले 10 जून को सरकार और बचाव पक्ष की ओर से सुनवाई पूरी होने के बाद अपर न्यायायुक्त 15 की कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. बुधवार को कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया. गौरतलब है कि जयराम महतो के खिलाफ रांची पुलिस ने नगड़ी थाना में वर्ष 2022 में दर्ज कांड संख्या 48 में वारंट लिया था. वारंट प्राप्त करने के बाद रांची पुलिस ने गिरिडीह में जयराम महतो को गिरफ्तार करने के लिए दबिश भी दी थी. लेकिन वह पुलिस की गिरफ्त में नहीं आये थे.

चार महीने में भाजपा को जीत की दहलीज पर ले जाना कड़ी चुनौती

शिवराज-हिमंता की राह कठिन

कौशल आनंद। रांची

- लोस चुनाव के परिणाम के बाद सांगठनिक एकता तार-तार
- खूंटी से लेकर संथाल तक भाजपा में मचा है घामासान
- क्या लक्ष्मीकांत बाजपेयी को साईड लाइन करने है तैयारी
- बाबूलाल के लिए आदिवासी साख पुन: पाना होगी अग्निपरीक्षा

झारखंड में होनेवाले विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा आलाकमान में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिश्व सरमा को जिम्मेदारी सौंपा गया है. नेतृत्व ने स्पष्ट संकेत दे दिया है कि झारखंड में पार्टी के वर्तमान सांगठनिक ढांचे और नेतृत्वकर्ता से विधानसभा की नैया पार नहीं हो पाएगी. आने वाले दिनों में वर्तमान प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी की छुट्टी हो जाए, तो कोई अचरज वाली बात नहीं होगी.

भाजपा आलाकमान ने यह भी संकेत दे दिया है कि आगामी दिनों कई अन्य बड़े निर्णय हो सकते हैं. मगर, शिवराज और हिमंत के लिए केवल चार महीने में पार्टी को जीत की दहलीज पर ले जाना और राज्य में डबल इंजन की सरकार बनाना, इतना आसान नहीं होगा. पार्टी अभी तुरंत ही लोकसभा चुनाव में राज्य की पांचों आदिवासी आरक्षित सीट हार गयी है. वहीं, विधानसभा की बात करें, तो झारखंड में कुल 28 सीट आदिवासी आरक्षित हैं. गत विधानसभा चुनाव में पार्टी को 26 सीटों पर हार का मुंह देखना पड़ा था. अब इन दोनों चुनाव प्रभारियों के लिए न केवल आदिवासियों का विश्वास जीतना, बल्कि अधिक से अधिक से आदिवासी सीटें अपनी झोली में डालना बड़ी चुनौती होगी. इसके साथ ही गैर आदिवासी वोटरों को अपने पक्ष में साधना टेढ़ी खीर से कम नहीं होगी.

मढ़े जा रहे हैं आरोप, प्रदेश नेतृत्व चुप

झामुमो छोड़ कर भाजपा में गयीं सीता सोरेन ने दुमका लोकसभा सीट से अपनी हार के लिए पार्टी के बड़े नेताओं (बाबूलाल मरांडी, लुईस मरांडी, रंधीर सिंह) पर अरोप मढ़ कर सनसनी फैला दी है. वहीं गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे और दलित विधायक नारायण दास के समर्थकों के बीच मारपीट, गाली-गलौज ने पार्टी व संगठन की पोल खोल कर रखी दी है. प्रदेश नेतृत्व तमाम मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है. इन सब से पार पाना और फिर से पार्टी व संगठन को एक धागे में पिरोना दोनों नवमनोनीत चुनाव प्रभारियों के लिए आसान नहीं होगा. वहीं, प्रदश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के लिए आदिवासी साख पुन: पाना अग्निपरीक्षा होगी.

बिल्कुल अलग हैं झारखंड की राजनीतिक परिस्थितियां

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व सरमा की कार्यक्षमता पर पार्टी आलाकमान को कोई शक नहीं है. इसलिए, केंद्रीय नेतृत्व ने इन्हें झारखंड की कमान सौंपी है. मगर, झारखंड की राजनीतिक परिस्थितियां और मुद्दे मध्य प्रदेश और असम से बिल्कुल भिन्न हैं.

लोस चुनाव में नौ सीटें जीत कर भी पार्टी में खामोशी : लोकसभा चुनाव में राज्य की 14 सीटों में भाजपा के खाते में नौ सीटें आईं. इसके बाद भी पार्टी से लेकर संगठन में खामोशी है. वहीं खूंटी से लेकर संथाल तक घमासान मचा है. संगठन में आपसी सिरफुटव्वल का दौर जारी है. खूंटी के पूर्व सांसद और पूर्व लोकसभा उपाध्यक्ष कड़िया मुंडा ने खूंटी समेत अन्य आदिवासी सीटों पर पार्टी को मिली हार के लिए एक कड़ा पत्र भाजपा नेतृत्व को लिखा है. उन्होंने आलाकमान से आत्ममंथन करने का आग्रह किया है.

इन मुद्दों पर आदिवासी समाज को विश्वास में लेना आसान नहीं होगा

- झारखंड में जल, जंगल और जमीन एक अहम मुद्दा है. इस पर आदिवासी समाज की सोच भाजपा के दृष्टिकोण से बिल्कुल भिन्न है.
- **सरना धर्म कोड की मांग झारखंड के आदिवासियों के लिए जीवन-मरण का प्रश्न है. इस पर भाजपा और केंद्र अब तक खामोश रही है.**
- झारखंड के आदिवासी यूसीसी कानून का विरोध कर रहे हैं. इसे आदिवासी परंपरा और संस्कृति को खत्म करने की साजिश बता रहे हैं.
- **जनगणना फॉर्म से अन्य का कॉलम हटा देने से झारखंड के आदिवासी नाराज हैं. इसे आदिवासी समाज बड़ी साजिश बता रहे हैं.**
- वनाधिकार कानून और वन संरक्षण अधिनियम से ग्राम सभा के पावर को विलोपित करने से झारखंड के आदिवासियों में आक्रोश है.
- **देश के एकमात्र आदिवासी सीएम रहे हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद आदिवासी समाज इसे भाजपा की साजिश मान रहा है.**
- कुरमी समाज खुद को एसटी सूची में शामिल नहीं करने का जिम्मेवार भाजपा की नीतियों और पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा को मानता है.

शेखर कुशवाहा की रिमांड बढ़ी तीन दिनों तक पूछताछ करेगी ईडी

संवाददाता। रांची

जमीन घोटाला

- दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने दी रिमांड
- रिमांड पूरी होने के बाद शेखर की कोर्ट में हुई थी पेशी

जमीन कारोबारी शेखर कुशवाहा से ईडी की पूछताछ जारी रहेगी. अदालत ने रिमांड की अवधि बढ़ा दी है. मंगलवार को तीन दिनों की रिमांड पूरी होने के बाद शेखर कुशवाहा को रांची पीएमएलए की विशेष आदालत में पेश किया गया. पेशी के दौरान एजेंसी के अधिवक्ता ने आग्रह किया कि शेखर कुशवाहा को फिर से रिमांड पर लेकर पूछताछ की अनुमति दी जाए. इसका बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने विरोध किया.

दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद कोर्ट ने तीन दिनों की रिमांड दे दी. बता दें कि ईडी ने कथित जमीन घोटाले से संबंधित मामले में कुशवाहा को गिरफ्तार किया था. ईडी का दावा है कि अब तक की गयी पूछताछ में उसने कई अहम खुलासे हुए हैं. उसने जानकारी दी है कि आदिवासी जमीन को जनरल नेचर का बना कर जमीन बेचने के गोरखधंधा में वह शामिल हैं. किन-किन इलाकों में जमीन का नेचर चेंज कर उसे ऊंची कीमत पर बेचा गया है, यह भी बताया है.

ईडी की हिरासत में जमीन कारोबारी शेखर कुशवाहा.

साहिबगंज में गंगा फेरी का टेंडर मामला

चुनौती याचिका पर सुनवाई आज

रांची। साहिबगंज जिला प्रशासन द्वारा गंगा नदी पर फेरी के लिए निकाले गए टेंडर को चुनौती देने वाली याचिका पर अब बुधवार को हाईकोर्ट में सुनवाई होगी. हाईकोर्ट के न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद और अरुण कुमार राय की पीठ में मंगलवार को इस मामले पर आंशिक सुनवाई हुई. दरअसल, साहिबगंज अवैध खनन मामले में प्रवर्तन निदेशालय के गवाह अंकुश राजहंस यादव ने झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दाखिल किया है. याचिका में कहा गया है कि साहिबगंज जिला प्रशासन खनन माफिया के सिंडिकेट को लाभ देने के लिए जबरन नियमों को बदल रही है. नियमों में जो बदलाव किए गए हैं, उससे किसी खास व्यक्ति को लाभ पहुंचाने की तैयारी है.

ब्रीफ खबरें

सीबीएसई 10वीं व 12वीं की सप्लीमेंट्री परीक्षा 15 से

रांची। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 10वीं और 12वीं की सप्लीमेंट्री परीक्षा 2024 के लिए परीक्षा तिथियों का ऐलान कर दिया है. यह उन छात्रों के लिए खुशखबरी है, जिन्हें पिछली परीक्षा में सफलता नहीं मिली थी और वे एक और मौके का इंतजार कर रहे है. 10वीं की परीक्षाएं 15 जुलाई से शुरू 22 जुलाई तक विभिन्न विषयों के लिए आयोजित की जाएंगी. वहीं, 12वीं की परीक्षा सिर्फ एक दिन के लिए, 15 जुलाई को निर्धारित की गई है.

एक करोड़ का डोडा बरामद, तस्कर फरार

रांची। पुलिस ने नामकुम से डोडा लदा ट्रक बरामद किया है. तस्कर इसे खूंटी से राजस्थान ले जा रहे थे. ट्रक में बरामद डोडा की कीमत एक करोड़ बतायी जा रही है. जानकारी के अनुसार, एसएसपी चंदन सिन्हा को गुप्त सूचना मिली थी कि खूंटी से रांची के रास्ते डोडा की एक बड़ी खेप निकलने वाली है. जिसके बाद खूंटी से सटे सभी थानों को अलर्ट किया गया. सुबह चार बजे नामकुम से सटे रिंग रोड पर एक ट्रक दिखायी दी. ट्रक सवार तस्कर पुलिस को देख लिया. जिसके बाद ट्रक को वहीं छोड़ अंधेरे का फायदा उठा कर तस्कर जंगल की तरफ भाग गये.

कृषि सखियों को पीएम किसान की 17वीं किस्त

रांची। पीएम किसान योजना की 17वीं किस्त के तहत देश के 9 करोड़ 26 लाख किसानों को 20 हजार करोड़ रुपए का वितरण एवं कृषि सखियों का प्रमाणीकरण किया गया. इस अवसर पर रांची के कृषि विज्ञान केंद्र में कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया. पीएम किसान की 17वीं किस्त ऑनलाइन हस्तांतरित की गयी. सभी ने पीएम मोदी के संबोधन को लाइव देखा. कांके विधायक समरी लाल ने कृषि सखियों को सर्टिफिकेट देते हुए कहा कि किसानों के कल्याण को लेकर केंद्र सरकार तत्पर है.

महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन में अनियमितता का मामला

संयुक्त सचिव अरुण कुमार करेंगे जांच

खास बातें

- चार सदस्यीय कमेटी गठित 15 दिनों में सौंपेगी रिपोर्ट
- आयोजन से जुड़ी फाइल व भुगतानों की करेगी समीक्षा

संवाददाता। रांची

महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन में अनियमितता की जांच पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के संयुक्त सचिव अरुण कुमार करेंगे. उनकी अध्यक्षता में चार सदस्यीय कमेटी गठित की गयी है, जो आयोजन से जुड़ी फाइल और किये गये भुगतानों की समीक्षा करेगी. कमेटी को 15 दिनों के अंदर अपनी रिपोर्ट जमा करनी है. चार सदस्यीय कमिटी में संयुक्त सचिव अरुण कुमार के अलावा विभाग के उपसचिव विमलानंद मिश्रा, अवर सचिव राजेश कुमार व प्रशाखा पदाधिकारी तसनीम जेया शामिल हैं.

खेल मंत्री ने दिया था जांच का आदेश : बता दें कि झारखंड की राजधानी रांची में बीते साल 27 अक्टूबर से पांच नवंबर तक महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हुआ था. इस आयोजन में विभिन्न मदों में अनियमितता बरते जाने का मामला सामने आया था. ई-रिक्शा में डीजल भराने व डीजल पर जीएसटी वसूलने, टेंडर में पक्षपात, डिनर के एवज में ज्यादा भुगतान किये जाने समेत कई अनियमताओं को लेकर खबरें प्रकाशित की गयी थीं. इसके बाद सूबे के खेल मंत्री हफीजुल अंसारी ने जांच का आदेश दिया. फिर विभागीय सचिव मनोज कुमार ने 14 जून को चार सदस्यीय जांच कमेटी गठित की.

बांग्लादेश मूल की तीन युवतियों को रांची सिविल कोर्ट ने दी सशर्त जमानत

रांची। सिविल कोर्ट ने अवैध रूप से भारत में घुस कर जिश्मफरोशी करने के आरोप में गिरफ्तार तीन बांग्लादेशी युवतियों को जमानत दे दी है. कोर्ट ने 10-10 हजार के दो निजी मुचलके भरने के साथ-साथ ट्रायल में सहयोग करने और केस चलने के दौरान मोबाइल नंबर नहीं बदलने का निर्देश दिया है. आरोपी युवतियों की ओर से अधिवक्ता वीरेंद्र प्रताप ने बहस की. बता दें कि रांची पुलिस ने विगत पांच जून को बांग्लादेशी मूल की तीन युवतियों को बरियातू थाना क्षेत्र के बाली रिसोर्ट हिल व्यू रोड से गिरफ्तार किया था. पकड़ी गयी युवतियों का नाम और पता पूछने पर फर्जी तरीके से भारत में बनाये गये आधार कार्ड दिखाये, जिनमें इनका नाम पायल दास, अनिका दत्ता और खुशी लिखा था. जांच में पता चला कि इन सभी का नाम क्रमशः निम्पी बरुआ, समरीन अख्तर और निपा अख्तर है. इनके पास से कुल चार मोबाइल और फर्जी आधार कार्ड बरामद किये गये थे.

शादी का झांसा देकर युवती से शारीरिक संबंध बनाने का मामला

दोषी को 12 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई

संवाददाता। रांची

कोर्ट फैसला

- आरोपी विनय को 26 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया
- जुर्माना की राशि नहीं देने पर एक साल की अतिरिक्त सजा

सिविल कोर्ट के अपर न्याययुक्त एमके वर्मा की कोर्ट ने शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने के दोषी विनय कुमार पासवान को 12 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. साथ ही 26 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है. जुर्माना नहीं भरने पर एक साल की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी. पीड़िता के बयान पर चुटिया थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी. इस माममे में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था.

इस केस की सूचक पीड़िता और आरोपी दोनों के बीच चार साल से प्रेम संबंध था. पीड़िता ने आरोप लगाया था कि विनय उसे बहला-फुसला कर चुटिया के एक होटल में ले गया और वहां उससे शारीरिक संबंध बनाया था. इसके बाद शादी का झांसा देकर लगातार उसके साथ संबंध बना रहा था. जब पीड़िता ने शादी के लिए दबाव बनाया, तो

आरोपी मुकर गया. मामले में अभियोजन पक्ष ने पीड़िता के पिता समेत पांच अन्य लोगों को गवाह बनाया था. ट्रायल के दौरान पीड़िता के पिता की मृत्यु हो गयी थी, जिसके बाद चार गवाह के बयान दर्ज कराये गये. गवाहों के बयान के आधार पर आरोपी को दोषी करार देते हुए अदालत ने सजा सुनायी.

दिवाकर गंझू दस्ते के दो उग्रवादी गिरफ्तार

रांची। टीपीसी एरिया कमांडर दिवाकर गंझू दस्ते के दो उग्रवादियों बादल गंझू और प्रिंस जायसवाल को को पुलिस ने गिरफ्तार किया गया है. एसएसपी चंदन सिन्हा ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि टीपीसी एरिया कमांडर दिवाकर गंझू उर्फ प्रताप के दस्ता का सक्रिय सदस्य बादल गंझू सहित दो उग्रवादी बुढ़मू थाना क्षेत्र के उमेडंडा गांव में मंदिर के पास आये हुए हैं और लेवी के लिए कुछ लोगों को मंदिर के पास बुला रहे हैं. पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए दो उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया. बादल गंझू के पास से एक देसी पिस्तौल और दो गोली बरामद हुआ है. उसके खिलाफ बड़कागांव, केरेडारी और पतरातू थाना में रंगदारी वसूलने, अवैध हथियार रखने और पुलिस बल पर हमला करने सहित कई मामले दर्ज हैं.

झारखंड पुलिस के पास 15 साल पुराने 1196 छोटे चारपहिया वाहन, अफसरों के लिए नई गाड़ियां

खटारा वाहनों के भरोसे चल रहा लॉ एंड ऑर्डर

खास बातें

- मरम्मत करके उपयोग में लाये जा रहे पुराने वाहन
- 180 दोपहिया वाहन व 1734 चारपहिया वाहन खराब

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड पुलिस के जिस पुलिसकर्मियों के ऊपर विधि व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी है, वो 15 साल पुरानी गाड़ियों से पेट्रोलिंग कर रहे हैं. वहीं पुलिस अफसरों के लिए नई गाड़ियों की खरीदारी की जा रही है. वर्तमान में झारखंड पुलिस द्वारा उपयोग किए जाने वाले 1196 छोटे चार पहिया वाहन 15 साल से ज्यादा पुराने हो चुके हैं. जब तक नये वाहन नहीं आ जाते है, तबतक इन्हीं पुराने वाहनों की मरम्मत करके उपयोग में लाया जा रहा है. झारखंड पुलिस में वर्तमान में 1397 दोपहिया वाहन हैं, जिनमें 180 खराब पड़े हुए है. वहीं 1734 चारपहिया वाहन हैं, जिनमें 418 खराब पड़े हुए हैं.

अफसरों के 76 चारपहिया वाहनों की होगी खरीदारी : एसपी से लेकर डीजीपी रैंक तक के वरिष्ठ पुलिस अफसरों के लिए 76 चार पहिया वाहनों की खरीदारी का एक अलग प्रस्ताव पिछले वित्तीय वर्ष में गृह विभाग को भेजा गया था, जो कि विचाराधीन है. इससे पहले पुलिस अफसरों के लिए वर्ष 2022 में इंडिगो व जेस्ट के स्थान पर 12 सियाज कार, समादेष्टा के लिए जिप्सी के स्थान पर 19 स्कार्पियो की खरीदारी की गई थी.

थानों के लिए 1255 छोटे चारपहिया वाहनों की होगी खरीदारी : सभी पुलिस थानों के लिए कुल 1255 छोटे चारपहिया वाहन और 1697 दोपहिया वाहनों की खरीद का प्रस्ताव पिछले दिनों भेजा गया था. हालांकि यह भी अब तक विचाराधीन ही है. इस साल अप्रैल महीने में 16 एसआरई जिलों में से 11 जिलों को हटा दिए जाने के कारण, छोटे चारपहिया वाहनों की अचानक कमी हो गई है. इनका उपयोग पहले एसआरई योजना के तहत किराये पर किया जाता था. इस वजह से इस वित्तीय वर्ष के लिए 754 छोटे चारपहिया वाहनों को किराये पर लेने का प्रस्ताव गृह विभाग को भेजा गया है.

क्रांति गाडिदेशी दुमका आईजी व अजीत पीटर डुंगडुंग देवघर एसपी

संवाददाता। रांची

राज्य सरकार ने चार आइपीएस अफसरों का तबादला किया है. केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस लौटे क्रांति कुमार गाडिदेशी को दुमका का जोनल आईजी बनाया गया है. वहीं दुमका आईजी ए विजया लक्ष्मी को आइजी ट्रेनिंग बनाया गया है. इसके अलावा देवघर एसपी राकेश रंजन का तबादला जैप, रांची 1 के कमांडेंट पद पर किया गया है. आइपीएस अजीत पीटर डुंगडुंग को फिर से देवघर का एसपी बनाया गया.

इससे पहले वे जैप 1, रांची में कमांडेंड के पद पर थे. उन्हें जैप-5, देवघर के कमांडेंट का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है. इससे संबंधित अधिसूचना मंगलवार की दोपहर जारी कर दी गयी है. बता दें कि लगातार न्यूज नेटवर्क ने 17 जून को ही 'आइपीएस अफसरों की ट्रांसफर-पोस्टिंग की तैयारी, इसी सप्ताह

- लगातार न्यूज नेटवर्क की खबर पर मुहर, चार आइपीएस अफसरों का तबादला, आदेश जारी

कौन कहां गये

- क्रांति कुमार गाडिदेशी- जोनल आईजी, दुमका
- ए विजया लक्ष्मी- आईजी, ट्रेनिंग, झारखंड
- राकेश रंजन- कमांडेंट, जैप 1, रांची
- अजीत पीटर डुंगडुंग- एसपी, देवघर

बदले जायेंगे कई जिलों के एसपी, डीआईजी व आईजी' शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी. खबर प्रकाशित होने के अगले ही दिन चार आइपीएस अफसरों का तबादला कर दिया है.

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

रांची, बुधवार 19 जून 2024 ● ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 13 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 71

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

गढ़वा से कल्पना सोरेन ने किया विधानसभा चुनाव की तैयारी का शंखनाद, झामुमो कार्यकर्ताओं में भरा उत्साह, कहा

विधानसभा चुनाव सिर्फ लड़ना नहीं है, अद्वितीय सफलता हासिल करनी है

संवाददाता। गढ़वा

झारखंड में चार महीने बाद होनेवाले विधानसभा चुनाव को लेकर झामुमो ने भी तैयारी शुरू कर दी है. गांडेय विधानसभा से पार्टी की नवनिर्वाचित विधायक और पूर्व सीएम हेमंत सोरेने की पत्नी कल्पना सोरेन ने मंगलवार को गढ़वा से चुनाव तैयारी का शंखनाद कर दिया. यहां बिरसा मुंडा हेलीपैड पर उनका भव्य स्वागत किया गया. मंत्री मिथिलेश ठाकुर, डीसी शेखर जमुआर, एसपी दीपक पांडेय सहित झामुमो के नेताओं व कार्यकर्ताओं पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया.

वहीं, महिला कार्यकर्ताओं ने तिलक लगा कर एवं पत्तों से बनी झारखंड के पारंपरिक टोपी पहना कर कल्पना सोरेन का स्वागत किया. यहां से वे गढ़वा विधायक सह झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता एवं मद्य निषेध विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के गढ़वा स्थित आवास पहुंचीं. यहां उन्होंने कार्यकर्ताओं से संवाद किया. दरअसल, कल्पना सोरेन हुसैनाबाद में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने जा रही थीं. गढ़वा में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के बाद कल्पना सोरेन व मंत्री मिथिलेश ठाकुर दोनों हुसैनाबाद के लिए रवाना हो गए.

मौके पर मुख्य रूप से झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिला अध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रेखा चौबे, पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव, नितेश सिंह, दीपमाला, जिला परिषद अध्यक्ष शांति देवी, भवनाथपुर जिला परिषद सदस्य रंजनी शर्मा, दिलीप गुप्ता, चंदा देवी, फरीद खान, आदि कार्यकर्ता मौजूद थे.

झामुमो कार्यकर्ताओं को संबोधित करतीं कल्पना सोरेन व मौजूद मंत्री मिथिलेश ठाकुर व अन्य.

हम सभी को बातें कम और काम ज्यादा करना है

कल्पना सोरेन ने झामुमो कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बाबा शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन की अनुपस्थिति में आपकी मेहनत ने ही इस लोकसभा चुनाव में बेहतर सफलता दिलाई है. एक पड़ाव को तो हमने पार कर लिया है. अब हम सबों के सामने दूसरा पड़ाव विधानसभा का चुनाव है. इसमें भी जोश और जज्बे के साथ हम सभी को केवल लड़ना ही नहीं है, बल्कि अद्वितीय सफलता हासिल करनी है. कल्पना ने आगे कहा कि चुनाव में जुटने के साथ-साथ अभी राज्य की जनता को काफी लाभ पहुंचाना है. हमें बातें कम और काम ज्यादा करना है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन बेहतर काम कर रहे हैं. जनहित की कई नई योजनाएं शुरू की जा रही हैं. अभी राज्य के लिए बहुत कुछ करना बाकी है.

बोलीं कल्पना

- अभी झारखंड के लिए बहुत कुछ करना बाकी है
- राज्य की जनता को काफी लाभ पहुंचाना ही लक्ष्य
- मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन बेहतर काम कर रहे हैं

विधानसभा चुनाव झारखंड के लिए बहुत बड़ा पड़ाव

कल्पना सोरेन ने कहा कि राजनीति में सबकी अपनी अपनी नीति और रणनीति होती है. चुनाव के बाद सभी अपनी-अपनी तरह से समीक्षा करते हैं, बैठकें होती हैं. इसमें कई तरह की बातें होती हैं. लेकिन मुझे उस पर ध्यान देने के बजाए खुद पर गौर करना है कि आने वाले समय में हमारे सामने क्या चुनौती है? उन्होंने कहा कि महागठबंधन के सभी नेताओं को लोकसभा चुनाव के बाद बखूबी समझ में आ गया है कि हमें कितनी मेहनत करने की जरूरत है. क्योंकि, विधानसभा का चुनाव झारखंड के लिए बहुत बड़ा पड़ाव है. उसे कैसे ज्यादा से ज्यादा सीट के साथ पार करना है, इसे सुनिश्चित करना जरूरी है.

ब्रीफ खबरें

कैबिनेट की बैठक आज कई प्रस्ताव होंगे स्वीकृत

रांची। आचार संहिता समाप्त होने के बाद राज्य सरकार की पहली कैबिनेट की बैठक बुधवार को दिन के चार बजे से होगी. इस बैठक में चार दर्जन से अधिक एजेंडा पर चर्चा हो सकती है. बताया गया कि 15 मार्च के बाद सीधे 19 जून को बैठक होने जा रही है. मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन विकास की कई योजनाओं की मंजूरी देंगे. जानकारी के अनुसार सड़क व पुल निर्माण से संबंधित कई प्रस्ताव हैं. वहीं दिल्ली में पुलिस के दारोगा या इंस्पेक्टर सुप्रीम कोर्ट जाते हैं, तो उनके लिए वित्त विभाग से मंजूरी लेनी पड़ती थी. अब इसमें बदलाव किया जा रहा है.

माइंस में वाहन जलाने का आरोपी गिरफ्तार

चतरा। एसपी विकास पांडेय के निर्देश पर गिद्धौर पुलिस ने इचाक स्थित पत्थर माइंस में लेवी वसूलने के लिए वाहन जलाने और मारपीट करने के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है. गिद्धौर थाना क्षेत्र के इचाक गांव निवासी दिलीप कुमार सिंह पर थाना कांड संख्या 38/24 में वाहन जलाने का आरोप है. थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया के दिलीप सिंह के ऊपर राजश्री कंस्ट्रक्शन पत्थर माइंस में लगे ड्रिल मशीन में आग लगाने तथा लेवी मांगने का मामला दर्ज था.

पोसैता स्टेशन के पास महिला का शव मिला

चक्रधरपुर। हावड़ा-मुंबई मुख्य रेल मार्ग के पोसैता रेलवे स्टेशन के समीप कारो रेल पुल से मंगलवार को पुलिस ने एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया. बताया जाता है कि कारो रेल पुल के पास से गुजर रहे कुछ लोगों ने अज्ञात महिला का शव देखने के बाद मनोहरपुर पुलिस को इसकी दी. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल भेज दिया. साथ ही पुलिस अज्ञात महिला की जांच पड़ताल में जुट गई.

दो साल सूखा के बाद सरकार अलर्ट: मुख्य सचिव कर रहे मॉनटरिंग

11 सिंचाई परियोजनाओं पर फोकस

कौशल आनंद। रांची

दो साल का सूखा पड़ने के बाद झारखंड सरकार पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है. आगामी वर्षों में सुखाड़ से निबटने के लिए सरकार तैयारी में जुट गयी है. जल संसाधन विभाग ने ऐसे 10 जिलों को चिह्नित करके 11 सिंचाई योजनाओं पर तेजी से काम शुरू कर दिया है. सरकार का सख्त निर्देश है कि इन योजनाओं को जल्द से जल्द पूरा किया जाए, ताकि सूखे के हालात में खेतों तक पानी पहुंचाया जा सके. इसकी मॉनिटरिंग मुख्य सचिव स्तर से की जा रही है. मुख्यमंत्री खुद इन सिंचाई परियोजनाओं पर पैनी नजर रखे हुए हैं.

इन जिलों पर विशेष फोकस : सिचाईं परियोजना पर काम को लेकर उत्तरी छोटानागपुर, संथाल परगना, कोल्हान और पलामू प्रमंडल के 10 जिलों पर विशेष फोकस किया गया है. इनमें हजारीबाग, देवघर, साहिबगंज, गोड्डा, जामताड़ा, दुमका, पलामू, लातेहार, गढ़वा व सरायकेला-खरसावां जिला शामिल हैं.

2.47 लाख हेक्टेयर भूमि सिंचित करने का लक्ष्य : विभाग 11 ऐसी सिंचाई परियोजना पर काम कर रहा है, जिसके पूरे होने से इन जिलों के 2,47,166 हेक्टेयर (2.47 लाख हेक्टेयर) तक कृषि योग्य भूमि सिंचित हो पाएगा. सभी परियोजनाओं पर काम अभी चालू है.

आगामी वर्षों में सुखाड़ से निबटने की तैयारी में जुट सरकारी

- **पुनासी जलाशय परियोजना :** संथाल परगना प्रमंडल में देवघर प्रखंड के पुनासी गांव में पुनासी जलाशय परियोजना पर काम चल रहा है. परियोजना पर अभी तक 746.86 करोड़ रुपए खर्च किये जा चुके हैं.
- **गुमानी बैराज परियोजना:** साहिबगंज जिले के बरहेट प्रखंड अंतर्गत पेटखासा गांव में गुमानी बैराज परियोजना पर अभी तक 188.98 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं. योजना का शीर्ष कार्य पूरा हो चुका है. केवल एफलक्स बांध निर्माण करने की आवश्यकता है, जिसके लिए भू-अर्जन की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है.
- **बटेश्वर स्थान गंगा पंप नहर योजना:** यह एक अंतरराज्यीय परियोजना है, जिसका शीर्ष कार्य बिहार में है. झारखंड में मुख्य नहर का लगभग 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है.
- **बुढ़ई जलाशय परियोजना:** देवघर जिले में बुढ़ई जलाशय परियोजना पर काम चल रहा है.
- **मिसलिया रानीश्वर मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना:** दुमका में मिसलिया रानीश्वर मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना पर निर्माण होना है.
- **सिकटिया मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना:** देवघर और जामताड़ा जिला के सारठ, करों, विद्यासागर एवं जामताड़ा प्रखंड में यह

परियोजना प्रस्तावित है.

- **अमानत बराज परियोजना:** पलामू जिले के पांकी प्रखंड में निर्माणाधीन इस परियोजना में अभी तक 325.40 करोड़ रुपए की राशि खर्च की जा चुकी है. इस परियोजना के पूरा होने से 26,990 हेक्टेयर भूमि पर सिंचित होगी.
- **शहीद नीलांबर-पीतांबर उत्तरी कोयल जलाशय परियोजना:** मंडल गांव में निर्माणाधीन इस परियोजना के शेष कार्य को केंद्र सरकार के जल संसाधन मंत्रालय से पूरा करने के लिए इकरारनामा हो चुका है. परियोजना की लागत अब 3199.83 करोड़ रुपये हो चुकी है. इसके पूरा होने से पलामू और गढ़वा में 22,104 हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो पाएगी.
- **सोन-कनहर पाइपलाइन परियोजना:** सुखाड़ग्रस्त गढ़वा जिला में यह परियोजना स्वीकृत है. योजना में अभी तक 861.63 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं. इस परियोजना के पूरा होने से जिले के 15 प्रखंडों में 22,000 हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित हो पाएगी.
- **कोनार सिंचाई परियोजना:** हजारीबाग जिला के विष्णुगढ़ प्रखंड के बनासो गांव के समीप कोनार सिंचाई परियोजना पर काम चल रहा है. योजना में अभी तक 511.49 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं. इस परियोजना के पूरी होने पर हजारीबाग सहित गिरिडीह, बोकारो के विष्णुगढ़, बगोदर, डुमरी, नावाडीह प्रखंडों के कुल 62,955 हेक्टेयर सिंचाई क्षमता में वृद्धि होगी.
- **भीमखांड माइक्रो लिफ्ट सिंचाई परियोजना:** सरायकेला-खरसावां जिले के राजनगर प्रखंड के दक्षिणी भू-भाग में सिंचाई क्षमता देने के लिए इस परियोजना का निर्माण कराया जाना है. परियोजना के लिए 76.65 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है.

बारिश से बचने के लिए छिपी नाबालिग लड़की से दुष्कर्म

संवाददाता। चैनपुर

चैनपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आयी है. यहां 17 वर्षीय नाबालिग किशोर ने 12 वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म की घिनौनी वारदात को अंजाम दिया है. जानकारी के अनुसार नाबालिग बच्ची बीती दोपहर करीब तीन बजे अपने घर से कुछ दूरी पर आम चुनने गई हुई थी. इस दौरान जोरदार बारिश होने लगी, तो किशोरी बारिश से बचने के लिए भागते हुए पास के घर के पास छिप गयी.

इस दौरान घर पर गृहस्वामी का 17 वर्षीय पुत्र अकेला था. उसने मौके का फायदा उठाते हुए बच्ची को बहला-फुसला कर घर के अंदर घुसा लिया. इसके बाद उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया. आरोपी ने पीड़िता को धमकी देते हुए कहा कि घटना के बारे में किसी को जानकारी मत देना. वहीं, बच्ची रोते-बिलखते अपने घर पहुंची और परिजन को घटना की जानकारी दी. इसके बाद यह बात पूरे गांव में फैल गयी. इस संबंध में गांव में पंचायत बुलाई गयी, मगर ग्रामीणों ने कोई भी फैसला नहीं लिया.

इसके बाद परिजन न्याय की गुहार लगाने चैनपुर थाना पहुंचे. पीड़िता की मां ने थाने में लिखित आवेदन देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. इधर, गांव भर में खबर फैलने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था. हालांकि, चैनपुर पुलिस ने दबिश उसे हिरासत में ले लिया था. फिलहाल, पुलिस आरोपी के पकड़े जाने की पुष्टि नहीं कर रही है.

जघन्य अपराध

- बच्ची को बहला-फुसला कर घर में घुसा कर किया दुष्कर्म
- रोते-बिलखते घर पहुंची पीड़िता, परिजन को दी जानकारी
- आरोपी भी नाबालिग पुलिस ने हिरासत में लिया, पुष्टि नहीं

पत्नी की हत्या कर खुद भी दे दी जान

संवाददाता। बोकारो

हरला थाना क्षेत्र के सेक्टर आठ में बीती सोमवार देर रात सीआईएसएफ के जवान ने पहले पत्नी की हत्या की, फिर खुद भी आत्महत्या कर ली. जानकारी के मुताबिक सीआईएसएफ जवान संजीत उर्फ संदीप ने अपनी पत्नी का गला दबा कर मार डाला. इसके बाद खुद भी फांसी लगा कर जान दे दी. संजीत वर्तमान में पश्चिम बंगाल के हल्दिया जिले में पदस्थापित था.

खास बातें

- सीआईएसएफ जवान ने पत्नी का गला दबा कर मारा
- वारदात के बाद फांसी लगा कर जवान ने की खुदकुशी

वारदात से पहले बेटे को कमरे में बंद किया : घटना को अंजाम देने से पूर्व सीआईएसएफ जवान ने अपने बेटे को एक कमरे में बंद कर दिया. इसके बाद पत्नी की हत्या की और शव को बाथरूम में छिपा दिया. फिर संजीत ने सेक्टर 11 डी में जाकर आत्महत्या कर ली. जानकारी पर हरला थाना की पुलिस जांच में जुट गयी है.

पति-पत्नी के बीच हुआ था विवाद : घटना के संबंध में बताया जाता है कि विनीता देवी और संजीत की शादी साल 2008 में हुई थी. सोमवार की रात को पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ. इसके बाद संजीत गुस्से में आकर अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी.

खरगे ने 24 को बुलाई बैठक, राहुल भी होंगे शामिल

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 24 जून को दिल्ली में एक बैठक बुलाई है. बैठक में खरगे अलावा पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित अन्य वरीय नेता उपस्थित रहेंगे.

झारखंड पर राहुल की विशेष नजर : प्रदेश प्रवक्ता सोनल शांति ने बताया कि झारखंड में चार माह बाद विधानसभा का चुनाव है. झारखंड में होने वाले चुनाव पर राहुल गांधी की विशेष नजर है. लोकसभा चुनाव में झारखंड में मिली सफलता के बाद उन्हें विश्वास है कि झारखंड में फिर से इंडिया गठबंधन की सरकार भारी बहुमत से बनेगी.

2019 के घोषणा पत्र की समीक्षा और समीकरणों पर होगी चर्चा : शांति ने बताया कि बैठक में विधानसभा चुनाव के संदर्भ में प्रत्येक सीट के बारे में चर्चा होगी कि किस प्रकार और किन जनहित के मुद्दों पर आगामी चुनाव में जनता के बीच जाया जाए. वर्तमान महागठबंधन सरकार की उपलब्धियां को जनता के बीच कैसे पहुंचाया जाये. बैठक में 2019 के चुनावी परिदृश्य और वर्तमान हालात पर चर्चा कर आगामी चुनाव के लिए रणनीति तैयार की जायेगी. साथ ही घोषणा पत्र, सहित सारे समीकरणों, गठबंधन दलों के साथ संवाद और समन्वय की रणनीति पर चर्चा होगी.

लोस चुनाव परिणाम से भाजपा नेता हताश : उन्होंने बताया कि झारखंड में सरकार बनाने के लिए विपक्ष आतुर और परेशान है. लोकसभा चुनाव परिणाम से भाजपा के नेता हताश हैं. झारखंड के चुनाव को प्रभावित करने के लिए केंद्र के मंत्री और एक भाजपा मुख्यमंत्री को चुनाव की कमान सौंपी गयी है.

मिशन झारखंड विस

बताया कि झारखंड में चार माह बाद विधानसभा का चुनाव है. झारखंड में होने वाले चुनाव पर राहुल गांधी की विशेष नजर है. लोकसभा चुनाव में झारखंड में मिली सफलता के बाद

प्रशंसा मुठभेड़ में पांच नक्सलियों को ढेर करने वाली टीम को डीजीपी ने किया सम्मानित

मुख्य धारा में लौटें नक्सली, वरना मारे जाएंगे: डीजीपी

संवाददाता। चाईबासा/रांची

झारखंड के डीजीपी अजय कुमार सिंह ने मुठभेड़ में नक्सलियों को मार गिराने वाले जवानों और पदाधिकारियों को सम्मानित किया है. डीजीपी मंगलवार को चाईबासा पहुंचे थे. उन्होंने अभियान में शामिल जवानों व पदाधिकारियों की हौसला अफजाई की. साथ ही साथ नक्सलियों से अपील की कि वो हथियार छोड़ कर मुख्य धारा में लौट आएं. उन्होंने कहा कि नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन चलता रहेगा.

उनके साथ एडीजी ऑपरेशन संजय आनंद लाटकर, जोनल आईजी रांची अखिलेश झा, डीआईजी जगुआर इंद्रजीत महथा, डीआईजी ऑपरेशन एस कार्तिक, आईजी ऑपरेशन अमोल वेणुकांत होमकर, सीआरपीएफ के डीआईजी और एसपी आशुतोष शेखर मौजूद रहे. गौरतलब है कि बीते सोमवार को चाईबासा जिले के गुवा थाना क्षेत्र स्थित लापुंगा जंगल में सुरक्षा बलों ने भाकपा माओवादी संगठन से साथ हुए मुठभेड़ में पांच नक्सलियों को मार गिराया था.

जवानों व पदाधिकारियों को सम्मानित करते डीजीपी अजय कुमार.

खास बातें

- नक्सलियों का सफाया होने तक चलता रहेगा अभियान
- वर्ष 2022 से अब तक 169 नक्सलियों हो चुके हैं गिरफ्तार

पुलिस लाइन में सम्मान समारोह का आयोजन : चाईबासा पुलिस लाइन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस दौरान अभियान में शामिल सीआरपीएफ, कोबरा, जगुआर और जिला पुलिस के अधिकारियों और जवानों को डीजीपी अजय कुमार सिंह ने पुरस्कृत किया. डीजीपी अजय कुमार सिंह ने कहा कि पिछले दो सालों से नक्सलियों के खिलाफ संयुक्त रूप से अभियान चलाया जा रहा है, जब तक नक्सलियों का सफाया नहीं हो जाता, तब तक अभियान जारी रहेगा.

साल 2022 से अबतक कुल 17 कैंपों का निर्माण : कोल्हान और सारंडा क्षेत्र में वर्ष 2022 से अबतक कुल 17 कैंपों का निर्माण किया गया है. सरजोमबुरु में प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी का तथाकथित ईआरबी मुख्यालय हुआ करता था. चाईबासा जिला में भाकपा माओवादी और पीएलएफआई के विरुद्ध वर्ष 2022 से अबतक कुल 5972 अभियान संचालित किये गये हैं. कुल 169 नक्सलियों (116 माओवादी व 53 पीएलएफआई उग्रवादी) को गिरफ्तार किया गया है.

आज से बरसेंगे बादल, चार दिन बाद मॉनसून

शुभम किशोर। रांची

झारखंड में गर्मी से राहत मिलने वाली है. 19 से 24 जून तक राज्य में कई स्थानों पर गरज और वज्रपात के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने कि संभावना है. मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, हजारीबाग और कोडरमा में हीट वेव चलने कि संभावना है. वहीं इन जिलों को छोड़ कर बाकी सभी जिलों में बारिश हो सकती है. मंगलवार को राज्य में सबसे गर्म जिला गढ़वा 43.7 डिग्री सेल्सियस के साथ रहा. इस दौरान गढ़वा जिले में कहीं-कहीं सीवियर हिट वेव रहा. वहीं राज्य के पलामू, चतरा, हजारीबाग, रामगढ़, कोडरमा, गिरिडीह और देवघर जिलों में हीट वेव दर्ज किया गया.

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार झारखंड में मॉनसून के लिए चार से पांच दिन और इंतजार करना पड़ सकता है. इस दौरान मॉनसून को लेकर स्थिति साफ हो जाएगी. अभी 24 जून तक असम और बंगाल कि खाड़ी में बन रहे साइक्लोनिक दबाव का असर झारखंड में देखने को मिलेगा. इस दौरान राज्य के कई जिलों में बारिश होने कि संभावना है. पिछले 24 घंटे में राज्य में कहीं-कहीं पर गर्जन एवं आंधी के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा घटित हुई. सबसे अधिक वर्षा 32.6 एमएम रांची में दर्ज किया गया. राज्य में कहीं-कहीं पर उष्ण लहर से भीषण उष्ण लहर की स्थिति भी दर्ज की गई.

- झारखंड के कई जिलों में चलेगी हीट वेव

शहर का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	37.5	26.5
जमशेदपुर	38.2	24.2
डाल्टनगंज	43.0	30.7
बोकारो	40.8	29.6
चाईबासा	37.7	26.6
देवघर	42.3	29.6
गिरिडीह	41.3	29.9
गढ़वा	43.7	35.5
सरायकेला	38.9	24.6
गोड्डा	40.9	31.4

ब्रीफ खबरें

मुर्गी फार्म में लगी आग ढाई लाख का नुकसान

उंटारीरोड/पलामू: उंटारी रोड थाना क्षेत्र अंतर्गत सीड़हा गांव स्थित एक मुर्गी फार्म में आग लग गई. इस घटना में मुर्गी फार्म में करीब ग्यारह सौ मुर्गी का बच्चा जलकर राख हो गए. भुक्तभोगी अनिल सिंह ने बताया कि सभी मुर्गी के बच्चे 500 ग्राम से ऊपर के हो गए थे. उन्होंने बताया कि सोमवार की शाम मुर्गी फार्म मे खाना देकर घर चले गए घर जाने के बाद एक घण्टे बाद पता चला कि मुर्गी फार्म मे आग लग गई है. सूचना मिलने के बाद आसपास के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग की लपट इतनी तेज थी कि झोपड़ी मे बने मुर्गी फार्म जलकर राख हो गया.

डालटनगंज के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा

मेदिनीनगर। स्वास्थ्य ठीक नहीं रहने के कारण पिछली बार झारखंड विस चुनावी मैदान से बाहर रहे दिलीप सिंह नामधारी ने एक बार फिर से मैदान में उतारने का मन बनाया है. वह लगातार क्षेत्र भ्रमण कर रहे हैं और लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं का हल निकालने के प्रयासों में भी लगे हैं. श्री नामधारी ने कहा कि पिछली बार मेरे चुनाव नहीं लड़ने के निर्णय से मेरे वरिष्ठ साथी एवं कार्यकर्ता निराश हुए थे. इसी बीच मेरा स्वास्थ्य बिल्कुल ही खराब हो गया था, परंतु आप सब की दुआ, आशीर्वाद और दवा ने काम किया और आज मैं सबों के बीच में हूं.

बिरसा ट्रेनिंग सेंटर में प्रमाण पत्र वितरित

डंडई। बिरसा ट्रेनिंग सेंटर डंडई में मंगलवार को प्रमाण पत्र वितरण सह विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरूआत जेआरएस टेक्नोलॉजी प्राइवेट स्टेट हेड विकास सिंह, जिला पार्षद मोहन पासवान, बीस सूत्री अध्यक्ष मो. क्यामुद्दीन अंसारी, प्रमुख प्रतिनिधि घुरबीगन बैठा, उप प्रमुख प्रतिनिधि रामाशीष प्रसाद, मुखिया प्रतिनिति महेश राम व अंचल निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद यादव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया. तत्पश्चात नए बैच के छात्र-छात्राओं ने स्वागत गान सहित अन्य प्रस्तुति देकर अतिथियों का स्वागत किया.

सोशल वर्कर संस्था ने किया भंडारा का आयोजन

गढ़वा। सोशल वर्कर संस्था के तत्वावधान में मंगलवार को शहर के रंका मोड़ स्थित संकट मोचन मंदिर के समीप भंडारा का आयोजन किया गया. भंडारा में प्रसाद के रूप में पूड़ी-सब्जी व बुन्दिया वितरण किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रिंस गुप्ता तथा पल्लवी गुप्ता ने भंडारा में सहयोग किया. मौके पर मनीष गुप्ता ने कहा कि इससे पहले भी मैं फूड फॉर हंगर साप्ताहिक भंडारा में भाग ले चुका हूं. पल्लवी ने कहा कि मेरे जन्मदिन को खास बनाने के लिए मैं संस्था की पूरी टीम को बधाई देती हूं.

चलंत लोक अदालत से किया गया जागरूक

गढ़वा। माननीय उच्च न्यायालय झालसा रांची के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार गढ़वा अध्यक्ष, एवं सचिव के आदेशानुसार जिले के रमकंडा प्रखंड परिसर में चलंत लोक अदालत के माध्यम से जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. मौके पर अधिवक्ता बलबीर चौधरी ने नशा मुक्ति, नशा उन्मूलन एवं आपदा पीड़ितों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी. पीएलवी कृष्णानंद दुबे ने कहा कि निःशुल्क कानूनी सहायता दिलाने वे अपना आवेदन चलंत लोक अदालत या सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार गढ़वा को दें. आवेदन पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी.

पार्टी प्रखंड के ग्रामीण डेढ़-दो किलोमीटर दूर से पानी ढोकर अपना जीवनयापन कर रहे हैं

बोरिंग में पानी नहीं फिर भी लगी जलमीनार,बिछी पाइपलाइन

संवाददाता । पांकी(पलामू)

पार्टी प्रखंड के होटाई पंचायत के हरिजन व मंडप टोला के बीच नल जल योजना के तहत एक टंकी चापाकल में लगा दिया गया है. ग्रामीणों का कहना है कि जितना बोरिंग हुआ उससे कम पाइप डाल गया जिसके वजह से पानी नहीं निकल रहा है.

इस भीषण गर्मी में वहां के ग्रामीण जनता डेढ़-दो किलोमीटर दूर से पानी ढोकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं. वे जब किसी दूसरे के कुएं या चापाकल में पानी भरने के लिए जाते हैं तो दो-चार बात सुनना पड़ जा रहा है पानी खत्म होने के डर से पानी भरने के लिए मना भी कर देते हैं खुद का तो जीवन यापन किसी भी तरह कर रहे हैं सबसे ज्यादा दिक्कत पशुओं के लिए हो रहा है. पशुओं को तो चारा खिला दे रहे लेकिन पानी नहीं मिल पा रहा है. इस जल संकट में जनता का सुनने वाला कोई नहीं. आम आदमी पार्टी के कौशल किशोर बच्चन ने कहा कि साल भर पहले लगे इस चापाकल के बोरिंग में नल जल योजना की टंकी पाइपलाइन सब फिट हो गया लेकिन लोगों को एक बूंद पानी मयस्सर नहीं हुआ. उन्होंने प्रशासन से शीघ्र पेयजल संकट की समस्या को दूर करने व फर्जी नल जल योजना की जांच कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है.

पानी के लिए इंतजार करते ग्रामीण.

भेलवा टांड़ बोदा में पानी के लिए भटक रहे लोग

पानी के इंतजार में खड़े लोग.

चंदवा। भेलवा टांड़ बोदा में पीने का पानी की समस्या उत्पन्न हो गई है. गर्मी के इस मौसम में जहां धूप चिलचिलाती अपनी गर्मी बिखेर रही है, जिससे नदी नाले सूख गए हैं. जिसकी वजह से गांव देहात के लोगों के सामने पीने की समस्या उत्पन्न हो गई है. ऐसा ही मामला भेलवा टांड़ बोदा में पीने का पानी की समस्या उत्पन्न हो गई है. टोले में बीस पच्चीस घर जिसको जलापूर्ति के लिए जल जीवन मिशन योजना का सोलर जल मीनार लगभग आठ माह पहले लगा है. ग्रामीणों का आरोप है कि जब से सोलर जल मीनार लगा उस समय से ही सही से पानी नहीं दे रहा है, नल से एक बाल्टी पानी भरने में घंटो लग जाते हैं. ग्रामीण बताते हैं जल मीनार से कम पानी देने की शिकायत पेयजल आपूर्ति विभाग चंदवा से कई बार की पर कोई सुनवाई नहीं हम सभी पानी बहुत ही कठिनाई से व्यवस्था कर पा रहे हैं.पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता "सुभम संदेश" संवाद दाता से हुए फोन पर बातचीत के दौरान कहे दिखवा लेते हैं खराबी पाये जाने पर दो तीन दिन में ठीक करवा दिया जायगा.

भाजपा व राजद छोड़कर 200 से अधिक लोग झामुमो में शामिल

पूरी तरह से बदल चुकी है गढ़वा की तस्वीर : मिथिलेश

खास बातें

- लोग समझ चुके हैं कि झामुमो ही करेगा राज्य का विकास
- अब गढ़वा विकास के मामले में उदाहरण बन चुका है

संवाददाता । गढ़वा

गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के बेलचंपा पंचायत अंतर्गत नावाडीह भुइयां टोली में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा एवं राजद छोड़कर 200 से अधिक लोग झारखंड मुक्ति मोर्चा में शामिल हो गए. गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता व उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने सभी को माला व पार्टी का पट्टा पहना कर पार्टी में शामिल किया. पार्टी में शामिल होने वाले सभी लोगों ने तन मन से पार्टी की सेवा करने तथा पार्टी की नीति और सिद्धांतों को आगे बढ़ने का संकल्प लिया. कमालु खान के नेतृत्व में सभी ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की.

पार्टी में शामिल होने वालों में मुख्य रूप से आनंद सिंह, डॉ असलम अंसारी, उपेंद्र सिंह, सत्येंद्र सिंह, झोटन भुईयां, जिनोद अंसारी, सहित 200 से अधिक लोगों का नाम शामिल है. मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि जनता पूरी तरह से जागरूक हो चुकी है. सभी लोग अच्छी तरह से समझ चुके हैं कि कौन जनता का हितैसी है और कौन जनता के साथ छल करने वाला है. उन्होंने कहा कि झामुमो ही एकमात्र पार्टी है जो राज्य एवं राज्य की जनता के हित को ध्यान में रखकर कार्य करती है. मंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में काफी विषम परिस्थितियों के बावजूद महागठबंधन की सरकार ने हेमंत पूरे राज्य में काफी बेहतर विकास कार्य किया है. मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि गढ़वा की जनता के आशीर्वाद एवं सहयोग से उन्होंने गढ़वा के माथे पर लगा पिछड़ेपन के कलंक धो डाला है. पहले गढ़वा की गिनती राज्य के सबसे पिछड़े जिले में होती थी, परंतु अब गढ़वा विकास के मामले में उदाहरण बन चुका है. उन्होंने कहा कि पूर्व के जनप्रतिनिधि ने विकास के नाम पर कहीं भी एक ईंट तक नहीं रखा. यहां तक कि उनका गृह पंचायत भी पिछले दस वर्षों में खस्ता कम समय में बगैर भेदभाव के मैंने सभी क्षेत्रों का संपूर्ण विकास किया है. आज पुरी तरह से गढ़वा की तस्वीर बदल गई है. राज्य में पहली बार झारखंडी जनमानस की सरकार बनी है. जो हर क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रही है. मौके पर मुख्य रूप से झामुमो जिला अध्यक्ष तनवीर आलम, सदर अंजुमन मदनी खान, परेश तिवारी, साकिर खान, खुशबुद्दीन, चांद साह, मोबिन अंसारी सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

पार्टी में शामिल हुए लोगों के साथ मंत्री मिथिलेश ठाकुर.

मादक पदार्थों के खिलाफ आज से चलेगा अभियान

लातेहार। मादक पदार्थों के दुरुपयोग की रोकथाम के लिए जिले में 19 से 26 जून तक जागरूकता अभियान चलाया जाना है. अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर आज समाहरणालय सभागार में उपायुक्त श्रीमती गरिमा सिंह की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया.*बैठक में जिले में मादक पदार्थों के दुरुपयोग के रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान को लेकर रूप रेखा तैयार की गई. उपायुक्त ने अधिकारियों को जागरूकता अभियान को सफल बनाने को लेकर कई आवश्यक दिशा–निर्देश दिए. उन्होंने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती अलका हेंब्रम से तैयारियों की जानकारी ली. बैठक में जिले में मादक पदार्थों की खेती के अलावा नशाखोरी की घटनाओं, चिंता के क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की गई. बैठक में पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन, वन प्रमंडल पदाधिकारी रोशन कुमार, आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई, उप विकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह, अपर समाहर्ता रामा रविदास, सिविल सर्जन डॉ अवधेश सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार कौशल कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, विशेष कार्य पदाधिकारी गोपनीय शाखा श्रेयांश, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती अलका हेंब्रम, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक सुश्री कविता खलखो, जेएसएलपीएस डीपीएम श्री संतोष कुमार व अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे.

शब्दों में विष घोलना समाज के लिए घातक : उपायुक्त

कार्यशाला का उदघाटन् करते अतिथि.

संवाददाता । मेदिनीनगर

इंटरनेशनल डे फ़ॉर कॉउंटरिंग हेट स्पीच पर मंगलवार को सूचना भवन सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला का उद्घाटन उपायुक्त शशि रंजन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ असीम कुमार व कई वरिष्ठ पत्रकारों ने दीप प्रज्वलित कर किया. उपायुक्त श्री रंजन ने इतने अच्छे व गंभीर विषय पर कार्यशाला का आयोजन करने को लेकर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को साधुवाद देते हुए कहा कि यह विषय इतना महत्वपूर्ण है कि इस विषय के बारे में बच्चों को अवगत कराना बेहद आवश्यक है. उन्होंने कहा कि हेट स्पीच विभिन्न माध्यमों से फैलता है या यूं कहे फैलाया जाता है और इसके रोकना हम सबकी सामूहिक जिम्मेवारी है. उन्होंने सभी से अपने-अपने स्तर से हेट स्पीच का प्रतिकार करने पर बल दिया.

बिजली-पानी की समस्या को लेकर भाजपा 22 जून को करेगी प्रदर्शन

संवाददाता ।मेदिनीनगर

पलामू में पेयजल व बिजली की समस्या को लेकर भाजपा ने आंदोलन का मूड बनाया है. इसे लेकर मंगलवार को जिला भाजपा कार्यालय में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अमित तिवारी व संचालन युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष ज्योति पांडे ने किया. बैठक में कहा गया कि पलामू में पेयजल व बिजली संकट को लेकर 22 जून को समाहरणालय के समक्ष आयोजित आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन में सांसद समेत सभी विधायक शामिल होंगे. बैठक,में कहां गया कि मेदिनीनगर काली मंदिर के सामने एरिगेसन ऑफिस मैदान से सुबह 10 बजे जुलूस निकलेगा जो रेड़मा चौक होते हुए ओवर ब्रिज के रास्ते कचहरी चौक होकर जिला समाहरणालय पहुंचेगा और यहां कार्यालय का घेराव एवं आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया जाएगा. जिलाध्यक्ष श्री तिवारी ने कहा कि इस भीषण गर्मी में बिजली और पानी की घोर कमी से पलामू की जनता त्राहिमाम कर रही है. पांकी विधायक डॉ शशि भूषण मेहता कहा कि जून के दूसरे सप्ताह में पहुंचने के बाद भी देश के कई राज्य भीषण गर्मी की मार झेल रहे हैं. बैठक में भाजपा नेता प्रेम सिंह, प्रदेश कार्य समिति सदस्य विनोद सिंह, प्रथम उप महापौर मंगल सिंह, सुनील पांडे, अविनाश वर्मा, उदय शुक्ला, अजय तिवारी, शिवकुमार मिश्र, जितेंद्र तिवारी, अरुण दुबे, सोमेश सिंह, अविनाश सिन्हा, छोटू ,प्रेम सागर सिंह, महादेव कुमार, गौरव प्रसाद यादव, कृष्ण, विजय सिंह, रोहित शर्मा, अजय सिंह, गुड्डू बर्मन ,विश्वजीत पाठक , निवेदन अग्रवाल आदि उपस्थित थे.

बैठक को संबोधित करते जिलाध्यक्ष अमित तिवारी.

जलसंकट केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल-जीवन मिशन के नित्य नये खुलासे हो रहे

ड्राई बोर में लगा दी जलमीनार, लोग पानी के लिए परेशान

आशीष टैगोर । लातेहार

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन में नित्य नये खुलासे हो रहे हैं. एक ऐसा ही मामला जिले के मनिका प्रखंड में आया है. मनिका के विशुनबांध पंचायत के जालिमा गांव में इस योजना से जलमीनार लगाया गया है. ग्रामीणों का आरोप है कि ड्राई बोर में ही मोटर लगाया दिया है और जलमीनार अधिष्ठापित कर दिया गया है. ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि जिस समय जलमीनार लगाया जा रहा था, उस समय इसका विरोध किया था और कहा था कि जब बोरिंग में पानी है ही नहीं तो मोटर और जलमीनार क्यों लगाया जा रहा है. हालांकि पेयजल व स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता दीपक महतो ने शुभम संदेश से बात करते हुए आरोप को बेबुनियाद बताया. कहा कि ऐसा नहीं हो सकता है. जब तक बोरिंग में मोटर चलने लायक पानी नहीं होगा तक तक टेस्टिंग पूरी नहीं होगी और बिना टेस्टिंग के सोलर जलमीनार नहीं लगाया जा सकता है. हालांकि उन्होंने कहा कि इस वर्ष भीषण गरमी पड़ी है और जल स्तर काफी नीचे चला गया है. हो सकता है कि इस कारण बोरिंग में पानी नहीं आ रहा हो. उन्होंने कहा कि वे इसकी जांच करायेंगे और अगर कोई तकनीकि गड़बड़ी होगी तो उसे दूर कर जलापूर्ति किया जायेगा.

गांव का दौरा किया : सूचना पाकर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष राज किशोर सिंह व प्रखंड 20 सूत्री उपाध्यक्ष नंदकिशोर यादव सोमवार को जालिमा गांव पहुंचे. ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया. श्री सिंह व यादव ने इस समस्या से पेयजल आपूर्ति विभाग के कार्यपालक अभियंता एवं उपायुक्त से अवगत कराने एवं शीघ्र पेयजल व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया.

मामला : मनिका के बिशुनबांध का

जालिमा गांव में इस योजना से जलमीनार.

भीषण जल संकट से जूझ रहे हैं जालिमावासी

जालिमा गांव की आबादी तकरीबन पांच सौ की है. गांव में तकरीबन 40 से 50 परिवार रहते हैं. ग्रामीणों ने बताया कि गांव में एक भी चालू हालत में चापाकल नहीं है. एक दो हैं भी तो उनमें काफी बार हैंडल करने के बाद पानी निकलता है. वह भी आधा एक बाल्टी दे कर हांफने लगता है. ग्रामीण अब एक मात्र कुंआ पर आश्रित हैं. इस भीषण गरमी में कुंआ का जल स्तर भी काफी नीचे चला गया है. अब ग्रामीण एक किलोमीटर की दूरी तय कर दूसरे गांव जा कर स्नान कर रहे हैं और पीने के लिए पानी ला रहे हैं.

आहर को भरने के बाद आबादगंज बना ड्राइज़ोन

संवाददाता । मेदिनीनगर

मेदिनीनगर शहर का सबसे पुराना एरिया आबादगंज ड्राइज़ोन में है और इसका सबसे बड़ा कारण पुराना जलश्रोत चिनीगिया आहर के अस्तित्व को ख़त्म कर देना रहा है. अपने निजी स्वार्थ को लेकर इस आहर को भर दिया गया है. इस मोहल्ले के अधिकांश लोग पेयजल किल्लत के कारण गांव चले गए हैं और यदि यही स्थिति रही तो एक दिन पूरा मोहल्ला पलायन करने को मजबूर हो जाएगा. उक्त बातें पानी यात्रा का नेतृत्व कर रहे समाजसेवी आशीष भारद्वाज ने कही. श्री भारद्वाज ने कहा कि आबादगंज के इस पुराने तालाब को फिर से पुर्नजीवित करने की जरुरत है. सरकार यदि सड़क रेलवे व अन्य कार्य के लिए जमीन अधिग्रहण कर सकती है तो प्राण जल देने वाले तालाब के लिए भी जमीन का अधिग्रहण किया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र पेयजल संकट के कारण ड्राईजोन के रुप में जाना जाता है और ऐसे क्षेत्र में तालाब का अतिक्रमण क्षेत्र वासियों के साथ अन्याय है. श्री भारद्वाज ने बताया कि "पानी यात्रा" को लोगों का अपार समर्थन मिल रहा है. मेरा पानी यात्रा का उद्देश्य कोई राजनीति नहीं है और इसमें शामिल लगभग युवा अपने अपने रोजगार में व्यस्त रहने के बावजूद सुबह का चार -पांच घंटा सामाजिक कार्यकर्ता के रुप में देते हैं.

अभियान में शामिल लोग.

न्यूज अपडेट

मजदूर नेता राकेश सिंह ने चिराग से मुलाकात की

मेदिनीनगर। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया(अठावले) के झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष सह मजदूर नेता राकेश सिंह ने नवनिर्वाचित सांसद चिराग पासवान से मुलाकात कर जीत की बधाई दी. वहीं तीसरी बार मोदी सरकार के कैबिनेट में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री भारत सरकार बनाए जाने पर बधाई दी। मौके पर मजदूर नेता राकेश सिंह ने कहा कि चिराग पासवान भारत के युवाओं के आईकॉन एवं हृदय सम्राट के रूप में उभर कर देश के सामने आए हैं । इनके आने से पूरे भारत में फूड प्रोसेसिंग उद्योग के जरिए युवाओं को रोजगार से जोड़ने हेतु बल मिलेगा .

चिराग पासवान से मिलते राकेश सिंह.

क्षतिग्रस्त हाइवा को पुलिस ने एनएच 98 से

नावाबाजार। नावाबाजार थाना पुलिस ने प्रखंड मुख्यालय स्थित औरंगाबाद-मेदिनीनगर मुख्य मार्ग एनएच 98 पर एक माह पूर्व दुर्घटना के दौरान ग्रामीणों द्वारा जलाए गए हाइवा को आज सड़क से हटवा दिया. इस संबंध में थाना प्रभारी चिंटू कुमार ने बताया कि आक्रोशित ग्रामीणों ने दुर्घटना के बाद हाइवा को आग के हवाले कर दिया था. इस हाइवा के सड़क पर रहने के कारण बराबर दुर्घटना की संभावना बनी रहती थी. वहीं ग्रामीण व राहगीरों को भी काफी परेशानी झेलनी पड़ रही थी. मौके पर पुलिस अवर निरीक्षक विपिन कुमार सहित सशस्त्र पुलिस बल मौजूद थे.

क्षतिग्रस्त हाईवा को हटाते लोग.

बंदूक दिखा धमकाने वाले दो युवकों को पुलिस ने दबोचा

बरवाडीह । थाना क्षेत्र के कुटमू निवासी पितांबर सिंह, पिता भोला सिंह के घर में 17 जून को दो व्यक्ति घर में घुस कर पितांबर सिंह को घर से बाहर निकाल कर हथियार दिखा कर डरा–धमका कर फरार हो गए थे. जिसके बाद पितांबर सिंह ने बरवाडीह थाना पहुंच कर घटित पूरी घटना का जानकारी लिखत में देते हुए दोनों व्यक्ति पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया था. वहीं थाना को मिली आवेदन पर दोनो अभियुक्त के खिलाफ कांड संख्या 49/2024 धरा 341/322/458/506/34 भा0 द0 वि0 के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया था जिसमे दोनो अभियुक्त की गिरफ्तारी भी हो गई.

पदाधिकारियों के कारण बनी हुई है बिजली की समस्या: बिट्टू

मेदिनीनगर। पलामू जिला कांग्रेस ने अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक के नेतृत्व में मंगलवार को बिजली विभाग के जीएम से मिलकर पलामू की बिजली की समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा. मौके पर जिलाध्यक्ष श्री पाठक ने कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार है और झारखंड सरकार की प्राथमिकता है कि लोगों को भरपूर बिजली मिले लेकिन पलामू जिला में पदाधिकारियों की लापरवाही के कारण इस भीषण गर्मी में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली कटौती से आम लोग परेशान हैं. पलामू जिला में रात हो या दिन किसी भी वक्त बिजली गुल हो जाती है.

बिजली विभाग के जीएम ज्ञापन सौंपते कांग्रेसी

बिजली समस्या से त्रस्त ग्रामीणों ने विधायक से लगाई गुहार

नीलांबर पीतांबरपुर (पलामू)। नीलांबर पीतांबरपुर प्रखंड के ढेला गांव में बीते एक माह से लो-वोल्टेज की समस्या बनी हुई है. बिजली समस्या से त्रस्त ग्रामीण समस्या समाधान के लिए मंगलवार को पांकी विधानसभा डॉक्टर कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने गुहार लगाई. ग्रामीणों ने 200 केवीए का ट्रांसफार्मर लगवाने की मांग पत्र विधायक को सौंपा. इस दौरान मुखिया पति वीरेंद्र कुमार ने विधायक को बताया कि एक महीने से ढेला गांव बिजली समस्या से जूझ रहा है. बिजली रहते हुए भी लो-वोल्टेज के कारण ढिबरी जी रहे हैं. ग्रामीणों की मांग पर मौके पर विधायक ने विद्युत विभाग के जीएम से दूरभाष पर बात की.

पांकी विधायक को मांग पत्र सौपते लोग.

अनुकंपा समिति की बैठक में पांच आवेदनों पर हुई चर्चा

लातेहार। समाहरणालय सभागार में डीसी श्रीमती गरिमा सिंह की अध्यक्षता में जिला उग्रवादी अनुकंपा समिति की बैठक हुई. बैठक में समिति ने उग्रवादी हिंसा के आश्रितों के अभ्यावेदनों की विस्तार से समीक्षा की गई. समिति द्वारा कुल पांच अभ्यावेदनों की समीक्षा की. समिति ने उग्रवादी हिंसा से संबंधित अभ्यावेदनों पर विचार विमर्श के बाद समिति ने 5 में से 3 अभ्यावेदनों की अनुशंसा की. बैठक में पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन, डीएफओ रोशन कुमार, निदेशक आईटीडीए प्रवीण कुमार गगराई, उप विकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह, अपर समाहर्ता रामा रविदास आदि उपस्थित थे.

बैठक में शामिल डीसी व अन्य अधिकारी.

पतंजलि की बैठक में योग दिवस की तैयारी को लेकर चर्चा

गढ़वा। पतंजलि योग समिति सह भारत स्वाभिमान ट्रस्ट जिला इकाई गढ़वा की एक बैठक मंगलवार को कृषि विज्ञान केंद्र परिसर स्थित योग कक्षा में जिला प्रभारी नागेंद्र तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई. जिसमें 21 जून को 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भव्य तरीके से मनाने पर चर्चा की गई. इस संबंध में नागेंद्र तिवारी ने बताया कि विचार विमर्श के बाद गढ़वा टाउन हॉल के मैदान में 21 जून को प्रातः 5:00 बजे से 7:00 बजे तक जिला प्रशासन के साथ मिलकर सामूहिक योग कराने का निर्णय लिया गया. इसके पूर्व 19 तथा 20 जून को उक्त मैदान में योग प्रोटोकॉल का पूर्वाभ्यास कराया जाएगा. उन्होंने नगर के सभी नर-नारी, प्रबुद्ध नागरिकों, युवाओं, सरकारी कर्मियों, सामाजिक धार्मिक एवं सांस्कृतिक संगठनों के साथ साथ मीडिया कर्मियों से कार्यक्रम में ससमय भाग लेने के लिए अपील करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया.

योग करते लोग.

ब्रीफ खबरें

चांदसी डॉ. एस के मल्लिक का निधन

लातेहार। चांदसी डॉक्टर के नाम से मशहूर डॉक्टर एसके मल्लिक का निधन मंगलवार की तड़के चार बजे रांची में इलाज के दौरान हो गया. उनका अंतिम संस्कार पूर्वाह्न 11 बजे शहर के औरंगा नदी मुक्तिधाम में किया गया. जहां उनके ज्येष्ठ पुत्र सुमित मल्लिक ने मुखाग्नि दी. डा मल्लिक अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गये है. दिवंगत डा मल्लिक पिछले 40 वर्षों से लातेहार में अपनी क्लिनिक चलाते थे. आसपास के क्षेत्रों में भी उनका खासा नाम था. उनके निधन पर लातेहार विधायक बैद्यनाथ राम, सुनील कुमार, राजू प्रसाद, आशिष टैगोर, ब्रदी प्रसाद, प्रफुल राय, किशोर राय, विकास राय,पवन कुमार समेत कई लोगों ने शोक व्यक्त किया है.

बीएलओ के साथ बीडीओ ने की बैठक

भंडरा/लोहरदगा। प्रखंड मुख्यालय सभागार में सभी बीएलओ एवं पर्यवेक्षक की बैठक प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रतिमा कुमारी एवं अंचल अधिकारी दुर्गा कुमार भंडरा के संयुक्त अध्यक्षता में सम्पन्न हुई. बैठक में उपस्थित सभी बीएलओ को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के निमित्त आवश्यक दिशा-निर्देश एवं प्रशिक्षण दिया गया. जिसके अंतर्गत सभी मतदान केन्द्रों के मृत एवं स्थानांतरित तथा दुबारा प्रविष्ट वाले मतदाताओं का नाम विलोपित करते हुए नये योग्य मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल करने हेतु आवश्यक प्रपत्र भरने का निर्देश दिया गया.

21 को संस्कार भारती मनायेगा योग दिवस

गुमला। संस्कार भारती गुमला जिला इकाई की बैठक रविवार को स्टार डीपीएस स्कूल के सभागृह में हुई. बैठक की अध्यक्षता संस्कार भारती के जिला अध्यक्ष रामनरेश प्रजापति ने की. बैठक में जिला अध्यक्ष रामनरेश प्रजापति ने संस्कार भारती के मुख्य उद्देश्य की जानकारी देते हुए कलाकारों, रों कला साधकों, कों लोक गीत गायकों, कों लोक कला के स्थापित कलाकारों एवं चित्रकला, भीति चित्रकला, संगीत संस्थाओं, ओं कला, साहित्य, संस्कृति एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का विस्तृत अध्ययन कर उसका रूप रेखा तैयार करने के लिए कहा.

एक से पर्यटकों के लिए बंद हो जाएगा बेतला नेशनल पार्क

बेतला। पूर्व की तरह इसवर्ष भी मॉनसून ऋतु को लेकर बेतला नेशनल पार्क 11 दिनों के बाद आगामी एक जुलाई से पर्यटकों के लिए वन नियमावली के तहत बंद कर दिया जाएगा. नतीजतन एक जुलाई से 30 सितंबर तीन माह तक पर्यटक पार्क का दीदार नहीं कर सकेंगे. मालूम हो कि मॉनसून ऋतु वन्य जीवों का प्रजनन काल होने की वजह से पीटीआर प्रबंधन वन नियमावली के तहत हरेक वर्ष 01 जुलाई से 30 सितंबर तक पार्क में पर्यटकों के प्रवेश पर पाबंदी लगा देती है. इस दौरान पार्क के रखरखाव में लगे वनकर्मियों को ही सिर्फ पार्क में प्रवेश की अनुमति होती है.

कलयुगी पुत्र ने डंडे से मारकर मां की हत्या की

गुमला। सिसई थाना क्षेत्र के थाना टोली में कलियुगी पुत्र ने अपने ही मां बुधमनी देवी 45 वर्ष को डंडा से मार कर हत्या कर दिया. घटना की जानकारी मिलने के बाद सिसई थाना की पुलिस ने धारा 302 वन पीसी के तहत कांड संख्या 70/24 दर्ज किया है. पुलिस ने सदर अस्पताल गुमला में पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है और हत्यारोपी पुत्र पंकज उरांव को गिरफ्तार कर लिया है. मृतक महिला का छोटा पुत्र संतोष उरांव के बयान पर सिसई थाना में कांड दर्ज किया गया. हत्या में प्रयुक्त डंडा को पुलिस ने जब्त कर लिया है. गिरफ्तार हत्यारोपी के अनुसार थाना प्रभारी ने कहा कि नशे की हालत में पंकज ने अपनी मां की हत्या किया है.

---

26 जून को रन फॉर ड्रग फ्री झारखंड में दौड़ेगा लोहरदगा,विविध प्रतियोगिता का भी होगा आयोजन

मादक पदार्थों के खिलाफ आज से चलेगा अभियान

खास बातें

- विविध कार्यक्रमों को होगा आयोजन,तैयारी पूरी
- सभी प्रखंडों में चलेगा अभियान बीडीओ को दिया गया निर्देश

संवाददाता । लोहरदगा

बैठक को संबोधित करते डीडीसी.

जिले में मादक पदार्थों के खरीद और बिक्री के खिलाफ जिला प्रशासन लोगों में जागरूकता अभियान 19 से 26 जून तक चलाया जाएगा. इस अभियान को लेकर उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला परिषद सभागार में बैठक की. बैठक में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी/प्रतिनिधि शामिल हुए. जिन्हें अभियान के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन की जिम्मेवारी दी गई. 19 जून को समाहरणालय परिसर लोहरदगा से सभी प्रखंडों में नशीले व मादक पदार्थों के दुरूपयोग को रोकने के लिए एक जागरूकता रथ को रवाना किया जाएगा . जो 26 जून तक चलेगा. समाज कल्याण विभाग की ओर से पंचायतों गोष्ठी, चौपाल के जरिये लोगों को जागरूक किया जाएगा.

नगर भवन, लोहरदगा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा. शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न शिक्षण संस्थानों में प्रतियोगिता, क्विज, शपथ आदि का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा. 26 जून को रन फॉर ड्रग फ्री झारखंड थीम पर मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा. स्वास्थ्य विभाग को सभी उप स्वास्थ्य केंद्र में जागरूकता कार्यक्रम करने का निदेश दिया गया. खेल पदाधिकारी को पर्यटन स्थलों में नशीले पदार्थों के सेवन के विरूद्ध जागरूकता कार्यक्रम किये जाने का निर्देश दिया गया. इसी प्रकार नगर प्रशासक को भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाने का निर्देश दिया गया.आज की बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सीता पुष्पा, जिला शिक्षा पदाधिकारी नीलम आईलिन टोप्पो, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी शिवनंदन बड़ाईक, नगर प्रशासक जयपाल सिंह, खेल पदाधिकारी उपवन बड़ा समेत विभागों के पदाधिकारी व अन्य संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे.

मयोमडेगा गांव में कांग्रेसियों के साथ विधायक ने की बैठक

इंडी सरकार में सभी का हो रहा विकास : नमन बिक्सल

खास बातें

- हर गांवों को मुख्य पथ से जोड़ने का कार्य हो रहा है
- 20 लाख गरीबों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है

संवाददाता । सिमडेगा

बैठक में शामिल विधायक व अन्य.

जलडेगा प्रखंड के बडीबिरिंगा मंडली के लोगों के साथ में मयोमडेगा गांव में जलडेगा के कांग्रेस मंडल अध्यक्ष अमर टोपनो की अध्यक्षता में कांग्रेस पार्टी की बैठक हुई. इस बैठक में कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी भी शामिल हुए. विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने बैठक में कहा कि आपने एकजुट रहकर भाजपा और झापा के षड्यंत्र को खत्म कर इंडिया के प्रत्याशी को जिताया है. झारखंड की कांग्रेस महा गठबंधन सरकार ने झारखंडी हितों को विशेष ध्यान दिया है.

हमारी सरकार गरीब, पिछड़ा, आदिवासी, ल्पसंख्यक, दलित, दबे कुचले लोगों की सरकार है.हमारी झारखंड की सरकार ने जनहित में कई तरह की योजनाओं को पारित किया है, जिसमे मुख्य रूप से किसानों के हित में दो लाख तक का बकाया ऋण राशि को माफ करते हुए सभी ग्रमीण जनता के लिए 125 यूनिट बिजली बिल को माफ किया है.

सर्वजन पेंशन योजना,विधवा पेंशन एवम वृद्धा पेंशन योजना की उम्र सीमा घटा दी है. विधायक ने कहा वर्षो से रुकी हुई सभी अल्पसंख्यक स्कूलों में शिक्षकों की बहाली इसी सरकार में हुई है , मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजनाओं के माध्यम से हर गांवों को मुख्य पथ से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है . झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के माध्यम से 20 लाख राशन कार्ड का वितरण कर राशन कार्ड से वंचित गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जा रहा है . हर जिले में एक सीबीएसई स्कूल की तर्ज पर मॉडल स्कूल खोला गया है. जहां हमारे बच्चे मुफ्त में पढ़ाई कर सकेंगे . सावित्री फुले किशोरी समृद्धि योजना के माध्यम से 8 से 12 क्लास के बालिकाओं को 40 हजार तक कि आर्थिक सहायता देने का कार्य कर ही है . साथ ही साथ केंद्र सरकार ने जब झारखंड को प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित किया तब सरकार ने अबुआ आवास देकर गरीबों को पक्का मकान देने का कार्य कर रही है . सरना धर्म कोड एवम पेंशनधारियों को पुरनी पेंशन देते हुए पुलिसकर्मियों को भी क्षतिपूर्ती अवकाश एवम 13 महीने का वेतन देने का कार्य रही है . आंगनबाड़ी सेविकाओं एवम सहायिकाओं का बहुप्रतीक्षित मांगो को पूरा किया गया है.आगे विधायक ने लोगों को कहा कि एनोस एक्का अपने विकास का दम्भ भरते हैं .मैं आपको बता दूं कि एनोस ने बिकास के नाम पर पूरे कोलेबिरा विधानसभा को लूटकर ,चोरी कर खंडहर बना दिया, और उसी चोरी के इल्जाम में माननीय न्यायालय ने सजा सुनाई है.मौके पर कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष रावेल लकड़ा,जलडेगा प्रखण्ड अध्यक्ष सुशील जाड़िया,विधायक प्रतिनिधि अर्जुन होरो, विधायक प्रतिनिधि अवध कुमार साहु, कांग्रेस जलडेगा पंचायत सह मण्डल अध्यक्ष अमर तोपनो,पंचायत अध्यक्ष सुनील सुरीन,जॉर्ज जेवियर, ग्राम सभा उपाध्यक्ष बिजय लुगुन,पूर्व ग्राम सभा अध्यक्ष हेमा लुगुन,ग्राम सभा अध्यक्ष ख़रीस्तोफर जी,दिब्या लुगुन सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे.

बिजली की लचर व्यवस्था के खिलाफ ग्रामीण हुए एकजुट

बरवाडीह / लातेहार। बरवाडीह पूरे प्रखंड क्षेत्र में बिजली की लच्चर व्यवस्था एवं विभाग के अधिकारी के द्वारा किए जा रहेमनमानी के खिलाफ ग्रामीण एकत्रित हो गए हैं. वहीं मंगलवार को प्रखंड के हरातू पंचायत के गई ग्रामीणों ने पूर्वी जिप सदस्य कन्हाई के नेतृत्व में बरवाडीह विद्युत विभाग कार्यालय पहुंच कर 20 जून दिन गुरुवार को विद्युत कार्यालय का घेराव करने को लेकर लिखित जानकारी दिया. वहीं ग्रामीणों ने बताया की हरातू पंचायत में पिछले कई महीनों से बिजली की आपूर्ति की व्यवस्था बिलकुल ही लचर हो गई है. ग्रामीणों ने बताया की इस भीषण गर्मी में बिजली नही होने के कारण लोगों को काफी परेशानी हो रही है. उन्होंने बताया की चुनाव के समय में बरवाडीह के बिजली के अधिकारियों के इस बारे में अवगत कराया गया था जिस पर किसी अधिकारी द्वारा बोला गया था की चुनाव खत्म होते ही बिजली व्यवस्था ठीक कर दी जाएगी पर यहां तो चुनाव का परिणाम भी आ गया.

लाभुकों के बीच पशुधन का किया गया वितरण

बारियातू। प्रखंड में मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत 50 लाभुकों को बतख का चूजा व 14 लाभुकों को बकरा बकरी का वितरण किया गया. पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुशीला बागे ने बताया कि हिसरी, फुलसू, डुमरा व टोंटी टों के 50 लाभुकों को 90 व 75 प्रतिशत अनुदान पर बतख चूजा तथा टोंटी टों , बारियातू व डाढ़ा में 14 लाभुकों के बीच 90 व 75 प्रतिशतअनुदान पर 04 बकरी 01 बकरा का वितरण किया गया है. मुख्यमंत्री पशुधन का लाभ पाने वालों में मुख्य रूप से पार्वती देवी, उषा देवी, महेश उरांव, रीना देवी, सुकरमनी देवी सहित अन्य शामिल है.

ग्रामीणों ने ठेकेदार के खिलाफ उपायुक्त को दिया आवेदन

उपायुक्त को आवेदन देने जाते ग्रामीण.

संवाददाता । लोहरदगा

प्रधानमंत्री सड़क योजना से सही घाटी से मन्हेपाट सिसकारी कोना डीपा तक निर्माण कार्य के ठीकेदार द्वारा सड़क को अधुरा छोड़े जाने के खिलाफ मन्हे पाट, चांडी, हुडमुड़, गणेशपुर, तुईमू पाट, चापरोंग, हेन्हे, गम्हरिया, गड़ातू, रोड़ो, निन्दी आदि गांवों के ग्रामीण मंगलवार को उपायुक्त से मिलने लोहरदगा समाहरणालय पहुंचे थे.

ग्रामीणों ने उपायुक्त को एक हस्ताक्षर युक्त आवेदन दिया है. आवेदन में कहा गया है कि सही घाटी से मन्हेपाट सिसकारी कोना डीपा तक रोड बनवाई जाए. आवेदन में कहा गया है कि ग्राम पंचायत तुईमू, ग्राम-मन्हेपाढ़, बाजार टाँड़ से लेकर सही घाटी यात्री शेड तक प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना कार्य के ठेकेदार अजमल अंसारी के द्वारा वर्ष 2022 में शुरू किया गया था, जो अभी क 2024 तक कार्य पूर्ण नहीं किया गया है. जिसके कारण उक्त ग्रामों के ग्रामीणों तथा जिला मुख्यालय, साप्ताहिक बाजार तथा सभी ग्राम के विद्यालयों के शिक्षकों को भी परेशानी होने के कारण शिक्षक लोग भी विद्यालय तक नहीं आ पाते हैं. जिसके कारण बच्चों को भी दिकतों का सामना करना पड़ रहा है. अगर कोई पैसेन्ट को भी हॉस्पीटल तक लाना पड़े तो भी बहुत मुश्किलें होती है.

आजसू का स्थापना दिवस सह युवा सम्मेलन 22 जून को

चूल्हा प्रमुख बना आजसू करेगा संगठन विस्तार

संवाददाता । गुमला

बैठक में शामिल आजसू कार्यकर्ता.

आजसू पार्टी गुमला जिला समिति की बैठक मंगलवार को गुमला परिसदन के सभागार में जिला अध्यक्ष दिलीप नाथ साहू की अध्यक्षता में हुई. बैठक में 22 जून 2024 को आजसू पार्टी के स्थापना दिवस को बलिदान दिवस के रूप में मनाए जाने का निर्णय लिया गया. बलिदान की रुपरेखा तैयार की गई. बलिदान दिवस सह युवा सम्मेलन आयोजित करने पर विचार विमर्श किया गया.

पार्टी के एक हजार युवा कार्यकर्ताओं को सम्मलेन में भाग लेने के लिए पार्टी पदाधिकारियों से प्रचार प्रसार करने का अनुरोध किया गया. यह कार्यक्रम गुमला के तीनों विधानसभा क्षेत्र में होगी. अनुकूल मौसम में विधान सभा वार 100-100 पौध रोपण का निर्णय लिया गया. संगठन को मजबूत और विस्तार करते हुए विधानसभा वार में चूल्हा प्रमुख बनाने, चूल्हा प्रमुखों के लिए कार्यक्रम आयोजित कर शपथ ग्रहण कराने आदि केंद्रीय निर्देशों की कार्यकर्ताओं को जानकारी दी गई. आजसू का कॉल सेंटर 24x7 खोला जाएगा, जिसमें 2 महिला और 2 पुरुष अपना योगदान देंगे. आठ अगस्त को शहीद निर्मल महतो के शहादत दिवस के दिन मोराबादी रांची में एक लाख युवाओं का सम्मेलन होगा. नौ अगस्त को प्रत्येक विधानसभा में विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाएगा. 15 अगस्त को झंडोतोलन और 16 अगस्त से 02 अक्टूबर तक पूरे 81 विधानसभा में सुदेश कुमार महतो का पदयात्रा कार्यक्रम सुनिश्चित किया जाएगा. बैठक में जिला महासचिव आनंद गुप्ता, बोनीफास कुजूर, सचिन भगत, उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह, मनदीप महली, राहत अफ़ज़ा, बजरंग गोसाई, मिन्हाज़ खान, गोलु श्रीवास्तव, मनोज कुमार, दिलबाग कुमार, पिंकी कुजूर, माधुरी एक्का, दीप्ती रोश लकड़ा, रवि राम, सद्दाम हुसैन, रमेश उराव, अभिमन्यु कुमार सिन्हा, बंधन महली आदि उपस्थित थे.

किसान चिंतित

भंडरा प्रखंड के बड़ागाइ पंचायत में बारिश नहीं होने से लगी फसल सूखने लगे हैं

पानी की कमी से सूख गई फसल, परेशान किसान

सवाददाता । भंडरा/लोहरदगा

सूखती फसल को दिखाता किसान.

जिले के भंडरा प्रखंड क्षेत्र के बड़ागाइ पंचायत में कम बारिश से क्षेत्र के सैकड़ों किसानों की फसल सूखकर बर्बाद होने की कगार पर पहुंच चुकी है. अब किसान अपनी सूखती फसल को देखकर चितिंत है. उनका कहना है कि मानसून की दगाबाजी के कारण सैकड़ों एकड़ में लगाई गई फसल सुखकर बर्बाद हो रही है. इससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है. बड़ागाइ व आस-पास के क्षेत्र में पानी की कमी के कारण फसलों का बुरा हाल है. किसान खुर्शीद अंसारी का कहना था कि फसल निकलने के समय अल्प वर्षा के कारण अब फसल खेतों में सूख रही है. यदि फसल खराब होती है तो उनके पास कुछ नहीं बचेगा. अच्छी फसल ही उनकी एकमात्र कमाई है.

मौसम की नहीं मिलती जानकारी : फसल सूखने के कगार पर पहुंचने के बाद अब कृषकों में काफी आक्रोश है. उनका कहना था कि क्षेत्र के किसानों को मौसम व कृषि विभाग की ओर से मानसून की सही जानकारी नहीं मिलने के कारण बारिश होने के इंतजार में अपनी फसल समय पर नहीं लगा पाते हैं. मौसम विभाग की ओर से बारिश होने की सही जानकारी मिलती तो वे अपनी फसल सींचने के लिए वैकल्पिक उपाय कर लेते.

जलाशयों का नहीं मिला लाभ

बड़ागाइ क्षेत्र में सिंचाई विभाग द्वारा एक भी जलाशय का निर्माण नहीं कराया गया है . इसके कारण इस क्षेत्र के किसान बारिश के पानी पर ही अपनी फसल तैयार करते है . इस वर्ष मानसून की शुरुआत में बढ़िया बारिश हुई थी . पर बाद में बारिश नहीं होने से किसानों की फसल आधी होने कर अब सूखने की कगार में पहुंच चुकी है . उनका कहना था कि सरकार द्वारा किसानों की परेशानी देखकर इस क्षेत्र में भी जलाशय का निर्माण कराया गया होता तो आज यहां के किसान पानी लेकर अपनी सूखती फसल को बर्बाद होने से बचा सकते थे .

हाथियों की दस्तक से ग्रामीणों में डर

हाथियों ने खेत में फसलों को रौंदा.

संवाददाता । कैरो/लोहरदगा

कैरो और उतका गांव के आस-पास रविवार रात तीन हाथियों के अचानक दस्तक देने से लोग घबरा गए. रविवार दिन में हाथियों का झुंड कुडू प्रखण्ड के जोंजरो जंगल में था, रात्रि 10 बजे झुंड से भटककर तीन हाथी कैरो उतका गांव किनारे बने घरों के पास घूमने लगे, इससे लोग घबरा गए और उधर- उधर भागने लगे. गांव में भय का माहौल हो गया. सभी लोग घर के बाहर निकलकर शोर मचाने लगे. यह माहौल दो बजे रात्रि तक देखा गया. फिर वनकर्मियों ने पहुंचकर हाथियों को गांव से दूर ले जाने में मदद किया.

इन हाथियों ने उतका के किसानों के गोभी खेत को मामुली नुकसान पंहुचाया है. उतका गांव निवासी सद्दाम अंसारी जिसका घर गांव के किनारे खेत मे बना है, उसको छत के एस्बेस्टस को भी मामुली नुकसान पहुंचाया है. फिलहाल ये हाथी नंदनी जलाशय तट से मंगलवार को सुबह लगभग पांच बजे के करीब बंडा, उतका कैरो के रास्ते होते हुए खेतो में लगे मिर्चा, गोभी,मकई फसल को नुकसान पहुँचाया और पुनः कुडू प्रखंड क्षेत्र के जोजरो जंगल मे डेरा जमाएं हुए हैं. वहीं कुछ लोगो का कहना है कि पांच की संख्या में हाथियों का एक टोली नंदनी जलाशय तट पर डेरा डाले हुए हैं कभी भी आस पास भ्रमण कर सकता है लोगो को सावधान रहने की शख्त आवश्यकता है.

न्यूज अपडेट

अनियंत्रित होकर पलटा बड़ा हाइवा,बाल-बाल बचे चालक

अनियंत्रित होकर पलटा बड़ा हाइवा.

सिमडेगा । जिले के एन एच 143 पर स्थित कोलेबिरा रांची मुख्य पथ पर देव नदी पुल के समीप अनियंत्रित होकर बड़ा हाइवर पलटा गया. घटना में ड्राइवर बाल -बाल बच गया. जानकारी के अनुसार फ्लाई एश लोड कर गाड़ी कोलेबिरा के रास्ते ओडिशा से गुमला के नजदीक जा रही थीं. जहां रोड के काम में लगी कार्य में फ्लाई एश गिराने जा रहा था. इसी क्रम में तीखी मोड के पास चालक ने अपना संतुलन खो दिया और गाड़ी देखते ही देखते पलट गई. किसी को इस घटना में चोटिल होने की बात सामने नहीं .

अधूरी बोरिंग कर चले गए ठेकेदार,पानी के लिए तरसे ग्रामीण

अधूरा बोरिंग.

सिमडेगा/बानो। प्रखंड क्षेत्र सोय पंचायत के भट्टा नवा टोली में बोरिंग को अधूरा कर छोड़ दिया गया है. पंचायत के उपमुखिया सह वार्ड सदस्य नंबर सात मोहन नाग ने बताया कि नवा टोली में पानी की किल्लत से परेशान हैं. ग्रामीण भट्टा के समीप बोरिंग कर के पाइप तो बिछाई गई पर ठेकेदार के द्वारा बोरींग को अधूरा ही छोड़ दिया गया. बोरिंग की खुदाई होने से यहां के लोगों में उम्मीद जगी थी की इस भीषण गर्मी में पानी की कमी की समस्या से उन्हें निजात मिलेगा. अगल-बगल कहीं भी पानी का स्रोत नहीं होने के कारण यहां के लोग पेयजल के लिए तरस रहे हैं.

कसौधन समाज ने धूमधाम से मनाया स्थापना दिवस

कार्यक्रम में शामिल कसौधन समाज.

सिमडेगा । कोलेबिरा प्रखंड अंतर्गत ग्राम बरवाडीह में कसौधन समाज का स्थापना 12 जून 2024 को 20 साल पूर्ण होने के उपलक्ष पर समाज के सदस्यों द्वारा सोमवार के संध्या समाज के सदस्यों द्वारा धूमधाम के साथ 20 वां स्थापना दिवस मनाया गया. साथ ही कसौधन समाज के बच्चे जिनका मैट्रिक और इंटर की परीक्षा में 60% से ज्यादा नंबर से उत्तीर्ण हुए हैं उन बच्चों को समाज के पदाधिकारी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर, मेडल पहना कर और उपहार देकर उन्हें सम्मानित किया गया.

उपायुक्त ने वन पट्टा वितरण कार्यों की समीक्षा की

बैठक में शामिल अधिकारी.

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता वन अधिकार अधिनियम से संबंधित कार्यो की समीक्षा की..बैठक के दौरान जिले में अब तक की व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वन पट्टा वितरण से संबंधित मामलों की समीक्षा किया गया. उपायुक्त ने कहा कि जिलें में नए दावा हेतु एफआरसी. मामले आये थे और विभिन्न कारणों से रिजेक्ट किया गया है, उन सभी कारणों पर पुनः सही आकलन करते हुए मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. बैठक में आईटीडीए निदेशक श्रीमती सरोज तिर्की, अनुमंडल पदाधिकारी श्री सुमन तिर्की, सहित अन्य उपस्थित थे.

रेलवे ट्रैक पर मिला शव , शिनाख्त में जुटी पुलिस

लोहरदगा। लोहरदगा-चंदवा रेल लाइन पर मंगलवार की सुबह अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ है. सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. जानकारी के अनुसार, सुबह मॉर्निंग वॉक पर गये कुछ लोगों ने लोहरदगा-किस्को मुख्य पथ में किस्को मोड़ पुराने रेलवे फाटक के समीप रेलवे ट्रैक के किनारे एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ देखा. जिसके बाद लोगों ने सदर थाना को घटना की जानकारी दी. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. मृतक के शरीर पर चोट के कई निशान हैं. हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि व्यक्ति की किसी ट्रेन की चपेट में आने से मौत हुई है या किसी ने उसकी हत्या कर यहां पर शव को फेंक दिया है. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच और शव की पहचान को लेकर कार्रवाई में जुटी हुई है.

प्रखंड कार्यालय में पानी की किल्लत, परेशानी

बरवाडीह । प्रखंड कार्यालय में पानी की घोर किल्लत हो गई है. इससे ग्रामीण और कर्मियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है. कर्मियों को बाहर से पानी मंगा कर प्यास बुझानी पड़ रही है. वहीं ग्रामीणों को भी पीने के लिए बोतल में बाहर से पानी लाना पड़ रहा है. 20 सूत्री अध्यक्ष मो0 नसीम अंसारी और अन्य कर्मियों ने बताया कि प्रखण्ड कार्यालय में जिस बोर से पानी सप्लाई होती है. वह इस भीषण गर्मी में बोर में पानी नीचे चला गया है. जिस कारण मोटर से पानी आपूर्ति नही हो पा रही है. शौचालय में भी पानी का घोर अभाव हो गया है. इससे ग्रामीणों और कर्मियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है.

मादक पदार्थों के कारोबारियों की खैर नहीं : थाना प्रभारी

बेतला। बरवाडीह के थाना प्रभारी राधेश्याम कुमार ने कहा है कि मादक पदार्थों के अवैध कारोबारियों की अब खैर नहीं होगी. पकड़े जाने पर दोषियों के खिलाफ सीधे तौर पर कार्रवाई किया जाएगा. क्योंकि मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति के सेहत पर कुप्रभाव पड़ता है, बल्कि इससे घर-परिवार के उजड़ने और युवा पीढ़ी का भविष्य बर्बाद होने का संकट बना रहता है. उन्होंने क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मादक पदार्थों का अवैध कारोबार होने संबंधी मिली जनशिकायत को काफी गंभीरता से लेने और बीते रविवार की रात ग्राम कुटमू में कुछ नशेड़ी युवकों द्वारा देशी बंदूक का भय दिखाकर ग्रामीणों को डराने-धमकाने के मामले में उस गांव के पीतांबर सिंह से मिली शिकायत के आलोक में अपराधिक मामला दर्ज कर धीरेन्द्र सिंह ग्राम मोरवाई और रौशन सिंह कल्याणपुर दोनों को भरठुआं बंदूक के साथ गिरफ्तार कर लातेहार जेल भेज दिए जाने की बात बताई. यहां बता दें कि क्षेत्र में इनदिनों मादक पदार्थों का अवैध कारोबार जोरों पर जारी है तथा अधिकांश युवा वर्ग उन कारोबारियों के गिरफ्त में हैं. हालांकि गतदिनों बरवाडीह के पूर्व थाना प्रभारी श्रीनिवास सिंह के सक्रिय पहल पर क्षेत्र के कुछ कारोबारियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिए जाने से मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर लगाम लगाने में पुलिस को कामयाबी भी मिली थी. पर बाद में किसी कारण से पुलिस के शिथिल पड़ जाने से कारोबारी पुनः सक्रिय हो गए.जिस कारण नशीले पदार्थों चरस,हेरोइन,गांजा, डोडा आदि का उक्त अवैध कारोबार एक फिर क्षेत्र में परोक्षरूप से फलने-फूलने लगा है.

त्रिपक्षीय वार्ता रही विफल, तीन दिन से कोयले की ढुलाई का काम ठप

मांगों को लेकर रैयतों ने कोयले की ट्रांसपोर्टिंग रोकी

संवाददाता। केरेडारी

केरेडारी प्रखंड के जोरदाग गांव के रैयतों को संबोधित करतीं बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र की विधायक अंबा प्रसाद.

एनटीपीसी की चट्टी बरियातू व केरेडारी कोयला खनन परियोजना से कोयले की ट्रांसपोर्टिंग से उत्पन्न प्रदूषण बिजली-पानी सड़क इत्यादि अन्य मांगों को लेकर जोरदाग गांव के रैयतों ने मुंडा टोली स्थित ट्रांसपोर्टिंग वाहनों को रोक दिया है, जिससे तीन दिनों से कोयले की ट्रांसपोर्टिंग का कार्य बाधित है. वहीं ट्रांसपोर्टिंग कार्य बाधित होने के बाद त्रिपक्षीय वार्ता के लिए पहुंचे पूर्व मंत्री योगेंद्र साव, विधायक अंबा प्रसाद, बड़कागांव एसडीपीओ कुलदीप कुमार, अंचलाधिकारी रामरतन बर्णवाल, एनटीपीसी के अधिकारी नीलकंठ संव्य, विवेक कुमार व विभिन्न कम्पनियों के ट्रांसपोर्टर व सैकड़ों महिला पुरुष शामिल हुए. वार्ता में पहुंचे अधिकारियों ने रैयतों की बात बारी-बारी से सुनी. इस दौरान जोरदाग गांव के रैयतों ने बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा इत्यादि की समस्या अधिकारियों के समक्ष रखी. वहीं रैयतों ने सबसे गंभीर मुद्दा बिजली को बताया. उन्होंने कहा कि हमारे क्षेत्र से कोयला निकल रहा है और हमलोग धूल गर्दा खा रहे हैं. हमारे क्षेत्र के कोयला से टंडवा पावर प्लांट में बिजली का उत्पादन हो रहा है और हमलोग बिजली के लिए तरस रहे हैं. कोयला कंपनी की वजह से सारे कुएं सूख गए हैं. तालाब का पानी ट्रांसपोर्टिंग वाहन के कारण दूषित हो गया है. इन सभी मुद्दों को अधिकारियों ने नोट किया. वहीं कुछ रैयतों ने नई बन रही ट्रांसपोर्टिंग सड़क में गैरमजरूआ जमीन संबंधित अपनी बात रखी, जिसके बाद एनटीपीसी के अधिकारी नीलकंठ संव्य ने अपनी उपलब्धियों को गिनाया. इसके बावजूद कोई सहमति नहीं बनी. कुछ रैयत विधायक अंबा प्रसाद के साथ अपनी मांग को लेकर मुख्यमंत्री से मिलने मुख्यमंत्री आवास निकले.

खास बातें

- ग्रामीणों ने सबसे गंभीर मुद्दा बिजली को बताया
- तालाब का पानी वाहनों के कारण दूषित हो रहा

सुशीला देवी हत्याकांड में शामिल एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

- पुलिस ने आरोपी के पास से लूटे गए चांदी के जेवरात किए बरामद

संवाददाता। रामगढ़

सुशीला देवी हत्याकांड का खुलासा करते पुलिस अधिकारी.

शहर की पतरातू बस्ती के विद्यानगर में बीती 30 मई को सेवानिवृत्त रेलकर्मी अशर्फी प्रसाद के घर में घुसकर उनकी पत्नी सुशीला देवी की हत्या और लूटपाट मामले का रामगढ़ पुलिस ने उद्वेदन कर दिया है. पुलिस ने इस मामले में फरार चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है. पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी. पुलिस अधीक्षक विमल कुमार ने बताया कि रामगढ़ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी परमेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में फरार चल रहे अभियुक्त की गिरफ्तारी और लूटे गए जेवरात की बरामदगी के लिए लगातार छापामारी की जा रही थी. पुलिस ने इस मामले का उद्वेदन पूर्व में ही कर दिया है. एसआईटी ने 17 जून को गढ़वा में छापामारी की. अभियुक्त अंकित उर्फ अनिकेत कश्यप को उसके घर से गिरफ्तार किया गया, जिसने इस कांड में अपनी संलिप्त स्वीकार कर ली है. पुलिस ने अंकित को जेल भेज दिया है. अनिकेत के पास से लूटे गए चांदी का कटोरा, चांदी का एक छोटा कटोरा, एक जोड़ा चांदी का पायल और अन्य वस्तुओं को बरामद किया है. छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी परमेश्वर प्रसाद, रामगढ़ थाना प्रभारी अजय कुमार साहू, पुलिस अधिकारी सुमंत कुमार राय, ओंकार पाल, राजीव उरांव आदि शामिल थे.

ब्रीफ खबरें

700 ग्राम गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

हजारीबाग। कटकमदाग दाग पुलिस ने 700 ग्राम गांजा के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है. पकड़े गए आरोपी नावाडीह निवासी रंजन कुमार ओझा के बारे में पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है. तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 700 ग्राम गांजा बरामद हुआ है. कटकमदाग थाने में मामला दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया गया.

मोटरसाइकिल दुर्घटना में युवक की हुई मौत

केरेडारी। केरेडारी-बड़कागांव मुख्य सड़क के केरेडारी प्रवेश द्वार के ठीक सामने मंगलवार को अहले सुबह लगभग पांच बजे सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई. मृत युवक की पहचान केरेडारी थाना क्षेत्र की गरी कलां ग्राम पंचायत के पतरा गांव निवासी अमित कुल्लू (26) के रूप में हुई है. घटना की सूचना पाकर केरेडारी पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर शव की शिनाख्त करने के पश्चात उसे थाना ले गई. इसके उपरांत शव को पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेज दिया. पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को शव को सौंप दिया.

प्लस टू हाईस्कूल में योग अभ्यास प्रारंभ

हजारीबाग। प्लस टू हाई स्कूल कटकमसांडी में मंगलवार को आगामी 21 जून को योग दिवस की तैयारी को लेकर विद्यालय परिसर में तीन दिवसीय योग प्रोटोकॉल अभ्यास का शुभारंभ किया गया, जिसमें कक्षा नवम से लेकर 12वीं तक के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया. आयोजन प्रभारी प्रधानाध्यापक विजय मसीह के निर्देश पर किया गया. अभ्यास विद्यालय के शारीरिक शिक्षक सरोज मालाकार ने कराया. मंगलाचरण वंदन के उपरांत सूक्ष्म यौगिक व्यायाम, ग्रीवा चालान, स्कंद संचालन आदि कराया गया.

इंद्रदेव को मनाने के लिए किया अखंड हरि कीर्तन

विष्णुगढ़। जानलेवा गर्मी से निजात दिलाने के लिए विष्णुगढ़ देवी मंडप में बारह घंटे का अखंड हरि कीर्तन आयोजित किया गया. शुरुआत सोमवार शाम सात बजे हुई थी और समापन मंगलवार सुबह सात बजे हुआ. भीषण गर्मी से जीव मात्र का हाल बेहाल है. आदमी समेत पशु पक्षी त्राहिमाम कर रहे हैं. कहा जा रहा है कि यहां ऐसी गर्मी पहले कभी नहीं पड़ी थी. पारा 44 डिग्री तक पहुंच चुका है. साल दर साल तापमान में रिकॉर्ड वृद्धि हो रही है. पशु पक्षी पानी की खोज में भटकते फिर रहे हैं.

कोई घर का रास्ता निकालना चाहता है, तो कोई कब्जा कर बेचने की फिराक में

गैरमजरुआ जमीन की लूट की छूट

संवाददाता। हजारीबाग

बायें से दायें- गैरमजरूआ जमीन को लेकर जानकारी देतीं महिलाएं, सामुदायिक भवन और निजी व्यक्ति द्वारा निकाला गया रास्ता.

जिले में इन दिनों गैरमजरूआ जमीन की लूट की होड़ मची हुई है. कोई घर का रास्ता निकालना चाहता है, तो कोई जमीन पर कब्जा कर बेचने की फिराक में है. कटकमसांडी प्रखंड की खुटरा पंचायत स्थित शुलमी यादव मोहल्ले में 64 डिसमिल जमीन पर विधायक फंड से 2019 में लगभग पांच लाख रुपये की लागत से भवन बनाया गया था और कुछ खाली जमीन बची हुई है, जिस पर अभी ग्रामीणों की ओर से बाउंड्री करवाई गई है. वहीं इस खाली जमीन को गांव का एक दबंग व्यक्ति अपना निजी रास्ता बनाना चाहता है. इसके लिए वह तरह-तरह के हथकंडे अपना रहा है. वह कभी अधिकारी के पास जा रहा है, तो कभी दूसरे विधानसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधि को गुमराह कर रहा है. वहीं गांव में यह मामला जातीय रंग भी ले रहा है, जिससे कभी भी कोई बड़ी घटना हो सकती है.

इस संबंध में यादव मोहल्ला के निवासी नगीना देवी, भवानी देवी, धनेश्वरी देवी, बसंती देवी, कांति देवी, आरती देवी, मीना देवी, बीना देवी, लीला देवी, पूनम देवी के अलावे कई महिलाओं और पुरुषों ने बताया कि यह जमीन सरकारी है और गांव वालों की सहमति से इस पर 2019 में सामुदायिक भवन बनाया गया था. इस भवन में ग्रामीणों का दर्जनों काम होता है, जिस पर कभी बरात रुकती है, तो कभी पूजा पाठ के अलावे सार्वजनिक बैठकें की जाती हैं. इसके पीछे रहने वाला जयनारायण साव अपनी जमीन पर मकान बना रहा है और वह सरकारी जमीन से ही रास्ता निकालना चाहता है.

ग्रामीण उन्हें 13 फीट रास्ता सरकारी जमीन पर ही दे चुके हैं, लेकिन वे दोनों भाई सरकारी जमीन पर अलग-अलग रास्ता निकालना चाहते हैं और अपनी जाति वाले की ऊंची पहुंच होने की बात कहते हैं. वे कभी अधिकारियों के पास पैरवी करवा रहे हैं, तो कभी अपनी जात वाले जनप्रतिनिधि को बरगला रहे हैं. ग्रामीणों ने बताया कि यह सामुदायिक भवन सुनसान जगह पर ग्रामीणों की सहमति से बनाया गया था, जो नशेड़ियों का अड्डा बन चुका था.

खास बातें

- दबंग जमीन पर कब्जा के लिए हर हथकंडे अपना रहा
- दूसरे क्षेत्र के जनप्रतिनिधि को गुमराह करने का प्रयास

मामले को जातीय रंग देने की कोशिश

इस संबंध में सुलमि पंचायत के पंचायत समिति सदस्य प्रदीप पांडे ने बताया कि इस पंचायत में मुखिया और पंचायत समिति दोनों है. इसके अलावा कई गणमान्य लोग भी पंचायत में रहते हैं, लेकिन जमीन पर कब्जा करने वाले ने कभी इन लोगों के पास शिकायत नहीं की. वह अपनी जात वाले जनप्रतिनिधि के पास जाकर इस मामले का जातीय रंग देना चाह रहा है, जबकि सच्चाई यह है कि यह क्षेत्र सदर विधानसभा में पड़ता है और बड़कागांव की एक जनप्रतिनिधि को यहां लाकर आम लोगों को बरगलाना रह हैं. उन्होंने यह भी कहा कि कटकमसांडी सीईओ को यह समझना चाहिए था कि घटना स्थल पर जाकर मामले की जांच कर कार्रवाई करें, लेकिन उन्होंने किसी दबाव में बाउंड्री तोड़ने का आदेश जारी कर दिया है. वहीं इस संबंध में जय नारायण साव की पत्नी सुनीता देवी ने बताया कि हम दो भाई मकान बना रहे हैं, जिसमें सरकारी जमीन से रास्ता बनाना चाहते हैं. ग्रामीणों ने 13 फीट जमीन दी है, जिससे एक भाई रास्ता निकल सकता है और दूसरे भाई का रास्ता नहीं बन पा रहा है. वहीं इस संबंध में कटकमसांडी सीईओ अनिता कुमारी ने पूछे जाने पर कहा कि यह सरकारी जमीन है और गांव वाले इस पर मंदिर बनना चाहते हैं. पीछे के मकान को रास्ता देना नहीं चाहते. इसके लिए इस सामुदायिक भवन की बाउंड्री को तोड़ने का आदेश जारी किया गया है.

इसी सामुदायिक भवन के पास दो साल पहले एक युवती की हत्या भी हुई थी, जिसके बाद गांव वालों की सहमति से इस स्थान पर बिल्डिंग को सुरक्षित रखने के ख्याल से चहारदीवारी करवाई गई है. अब पीछे का जमीन मालिक रास्ता चाहता है और वह बड़कागांव के एक ऊंची पहुंच वाली हस्ती से पैरवी करवा कर बाउंड्री तोड़वाना चाहता है.

किशोरी के साथ दुष्कर्म और वीडियो बनाने वाला गिरफ्तार

संवाददाता। हजारीबाग

- जबरन होटल ले जाकर दुष्कर्म करने और वीडियो बनाने आरोप

कोर्रा थाना क्षेत्र में होटल में ले जाकर नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म किए जाने और वीडियो बनाने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है. आरोपी की पहचान चौपारण के सिंघरावा निवासी विशाल कुमार के रूप में हुई है. पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है. आरोपी को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. आरोपी अपनी फुफेरी बहन को बहला फुसलाकर एक होटल में ले गया और वहां चार घंटे तक रखा. होटल में दुष्कर्म के बाद उसे शहर स्थित उसके कमरे तक छोड़ दिया. रूम में अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी फिर उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज किया गया. घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहा था. महिला पुलिस द्वारा लड़की का फर्द बयान लिया गया. 16 वर्षीय पीड़िता आरोपी के साथ आर्केस्ट्रा में भी काम करती थी. बताया गया है कि आरोपी ने उसे जबरन अपने पास बुलाया. लड़की ने जब जाने से इंकार किया तो उसने दो लड़की को भेज कर डराया धमकाया. इसके बाद रविवार की सुबह लड़की को उसके क्वार्टर से जबरन बाइक में बिठाकर ले जाया गया. दुष्कर्म के बाद आरोपी ने पीड़िता को घटना की सूचना माता-पिता को नहीं देने की धमकी दी.

विष्णुगढ़ के ट्रक चालक की बिहार में लू लगने से मौत

संवाददाता। विष्णुगढ़

झारखंड-बिहार समेत पूरे उत्तर भारत में भीषण गर्मी पड़ रही है. हीट वेब की वजह से लोगों की जान भी जा रही है. भीषण गर्मी में लू लगने से विष्णुगढ़ के ट्रक चालक ललित गंझू (34) की बिहार में मौत हो गयी. ललित गंझू प्रखंड के भेलवारा पंचायत अंतर्गत बेलवाटांड़ के रहना वाला था. घटना के संबंध में बताया जाता है कि ललित शुक्रवार को बोकारो के खासमहल कोलियरी से ट्रक में कोयला लोडकर डेहरी ओनसोन गया था. शनिवार को मंडी में कोयला उतारने के लिए ट्रक खड़ा किया. जैसे ही वह ट्रक से उतरा, अचेत होकर गिर पड़ा. वहां मौजूद लोग आनन-फानन में उसे अस्पताल ले गये, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. डॉक्टर के अनुसार, ललित की मौत लू लगने की वजह से हुई है. ललित गंझू का शव रविवार देर शाम एम्बुलेंस के जरिये पैतृक गांव बेलवाटांड़ पहुंचा. शव पहुंचते ही गांव में मातम पसर गया. पत्नी वसंती देवी का रो-रोकर बुरा हाल है. रविवार रात में उनका अंतिम संस्कार किया गया. भेलवारा पंचायत की मुखिया प्रतिनिधि गंगाधर महतो ने देवघर के ट्रक मालिक से बातकर मदद मांगी. ट्रक मालिक ने एक लाख रुपये की सहायता राशि दी.

गर्मी में स्कूली बच्चे की तबीयत बिगड़ी, नाक से निकला खून

संवाददाता। चौपारण

बच्चे की नाक से निकलता खून.

भीषण गर्मी के बीच राज्यभर के सभी स्कूल मंगलवार से खुल गए. लंबी छुट्टी के बाद स्कूल खुलने के पहले दिन प्रखंड के भी बच्चे काफी उत्साहित दिखे. सभी स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति भी अच्छी रही, लेकिन भीषण गर्मी का भी असर देखने को मिला. मंगलवार को प्रखंड का तापमान 41 - 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा.

अधिकांश समय बिजली की आंख मिचौनी से बच्चे व शिक्षक भी पसीने से भीगते दिखे. वहीं प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय रूपिन का एक छात्र की तबीयत गर्मी के कारण अचानक बिगड़ गई. क्लास एक का छात्र पीयूष कुमार की नाक से अचानक खून आने लगा, जिसके बाद विद्यालय के शिक्षकों ने उसे बेंच पर लेटाया तब नाक से ब्लीडिंग बंद हुआ. इसके बाद शिक्षकों ने बच्चे को ग्लूकोन डी और पानी पिलाया. अभिभावक को बुलाकर बच्चे को घर भेज कर धूप में बाहर नहीं निकलने को कहा. वहीं पहले दिन स्कूलों में छुट्टी के समय को लेकर भी उहापोह की स्थिति बनी रही. बता दें कि अधिक गर्मी से शरीर में पानी की कमी हो जाती है. साथ ही बाहरी वातावरण का तापमान जब शरीर के तापमान से अधिक हो जाता है तो बच्चों में असर दिखने लगता है.

बालिका उच्च विद्यालय में चोरों ने मचाया तांडव

विष्णुगढ़। परियोजना बालिका उच्च विद्यालय में सोमवार की रात अज्ञात चोरों ने कार्यालय का ताला तोड़कर सामानों की चोरी कर ली और कार्यालय को उलट पलटकर रख दिया. चोरी गए सामानों में सीसीटीवी, इन्वर्टर, बैट्री, पंखा, वाल घड़ी, साउंड बॉक्स, माइक समेत दूसरी चीजें शामिल हैं. मंगलवार को स्कूल खुलने के बाद चोरी की घटना की जानकारी मिली. इसकी सूचना विष्णुगढ़ थाना को दे दी गई है. चोरी के क्रम में चोरों ने अलमारियों के लॉक तोड़कर पूरा खंगाला. कागजों को छितरा दिया गया. कुर्सी पर चढ़कर वाल फैन खोला और उसे साथ ले गए. चोरों ने पूरी निश्चिंतता से चोरी की घटना को अंजाम दिया है. पहले भी इस स्कूल में चोरी की घटनाएं घट चुकी हैं. असामाजिक तत्वों का भी यह स्कूल पसंदीदा जगह रही है. शराबियों के लिए रात में यह मयखाना बन जाता है. अबतक पिछली चोरियों का उद्भेदन नहीं हो पाया है. इसी वजह से चोरों के हौसले बढ़े हैं.

जिला स्तरीय ठोस व तरल कचड़ा प्रबंधन विषय पर हुई कार्यशाला

स्वच्छता की शुरुआत घर से ही करें

संवाददाता। रामगढ़

स्वच्छ भारत मिशन के तहत हुई कार्यशाला को संबोधित करते उपायुक्त.

उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 रामगढ़ अंतर्गत जिला स्तरीय ठोस एवं तरल कचड़ा प्रबंधन के विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन हुआ. कार्यशाला में कचड़ा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध स्वच्छता विशेषज्ञों ने अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छता के महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने विचार रखे. दो महत्वपूर्ण पैनल पर चर्चाएं हुईं.

इस दौरान उपायुक्त ने उपस्थित सभी सदस्यों को स्वच्छ भारत मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए स्वच्छता और सफाई बनाए रखने में सामूहिक प्रयासों के महत्व पर भी जोर देने की बात कही. साथ ही उन्होंने अभिनव समाधानों और सामुदायिक भागीदारी के साथ अपने-अपने क्षेत्र को स्वच्छ करने की अपील की. उन्होंने स्वच्छता कवरेज और ग्रामीण अपशिष्ट प्रबंधन में चुनौतियों से निपटने के लिए नई तकनीकों और तरीकों को अपनाने पर जोर दिया. कार्यशाला के दौरान उप विकास आयुक्त रॉबिन टोप्पो ने कहा कि प्लास्टिक उत्पाद ग्रामीण इलाकों में एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौती के रूप में उभरा है. इस कारण प्लास्टिक कचरा प्रबंधन को एक महत्वपूर्ण मानदंड बनाया गया है. उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत का सपना तभी साकार हो सकता है जब हम सभी मिलकर प्रयास करेंगे. इस कार्यशाला में मुख्य रूप से ठोस व तरल कचरे को कैसे अलग करें व इलेक्ट्रॉनिक कचरे को कैसे निपटाया जाए, खाने में पोषक तत्व शामिल करने आदि विषयों पर जानकारी उपलब्ध कराई गई और जिला स्तरीय स्वच्छता पहल के लिए मूल्यवान संदर्भ और मार्गदर्शन प्रदान किया.

डीसी के जनता दरबार में पहुंचे दो दर्जन फरियादी

हजारीबाग। उपायुक्त नैंसी सहाय ने साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन मंगलवार को किया. इसमें उन्होंने लगभग दो दर्जन मामलों पर सुनवाई की तथा ऑन द स्पॉट निष्पादन के लिए संबंधित विभाग व पदाधिकारी को आवेदन अग्रसारित किया. इस दौरान जमीन, दिव्यांग, पीएम आवास, भूमि अतिक्रमण, इंदिरा आवास, राशन कार्ड, मुआवजा आदि मामलों की शिकायतें सुनी गईं. मौके पर उपायुक्त ने कहा कि जिलावासियों का हित सर्वोपरी है. इस दिशा में जिला प्रशासन हरसंभव कार्रवाई हेतु तत्पर है. सुनवाई के क्रम में इचाक प्रखंड की रीना देवी ने अबुआ आवास को लेकर आवेदन दिया. ओकनी न्यू एरिया रोड के दुलार राम ने राशन कार्ड बनाने के संबंध में, वीणा देवी, सुनीता देवी, चंचल कुमारी, कटकम दाग ग्राम सिरसी हरिजन मोहल्ला की निवासी ने चापानल हेतु उपायुक्त को आवेदन दिया. विष्णुगढ़ निवासी अजय कुमार मंडल ने जमीन की अवैध बिक्री के संबंध में उपायुक्त से गुहार लगाई.

पहल मुनका बगीचा के प्रांगण में तृतीय श्री श्याम मनुहार महोत्सव का भव्य आयोजन 31 को

तृतीय श्री श्याम मनुहार महोत्सव के पोस्टर का विमोचन

संवाददाता। हजारीबाग

तृतीय श्री श्याम मनुहार महोत्सव के पोस्टर का विमोचन करते संस्था के सदस्य.

श्री श्याम अरदास कीर्तन परिवार के द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 31 अगस्त शनिवार को मुनका बगीचा के प्रांगण में तृतीय श्री श्याम मनुहार महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है. इससे पूर्व निर्जला एकादशी की संध्या पर श्री श्याम अरदास कीर्तन परिवार के सदस्यों के द्वारा बाबा श्याम की जयकारों के साथ पोस्टर का विमोचन किया गया. भव्य कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर के सुप्रसिद्ध भजन गायक शुभम, रूपम के साथ रोहित शर्मा एवं कृष्ण अग्रवाल अपने अनेकों भजनों से श्याम प्रेमियों को झुमाएंगे. साथ ही कार्यक्रम के दौरान बाबा श्याम की भव्य ज्योत लिया जायेगा. वहीं बाबा श्याम का दरबार अद्भुत एवं अलौकिक श्रृंगार से सुसज्जीत होगा, छप्पन भोग, सवामणि भोग का लगाया जाएगा. यह भव्य आयोजन श्री श्याम अरदास कीर्तन परिवार रामगढ़ कैंट के विशेष सहयोग से किया जा रहा है. वहीं श्री श्याम परिवार तुलसीधाम कोलकाता के विशेष आशीर्वाद से संपन्न होगा.

श्री श्याम अरदास कीर्तन परिवार के सदस्यों की संख्या महज नौ है. इसके अलावा श्याम भक्तों के द्वारा सेवा दी जाती है. ये युवक कोलकाता से उच्च शिक्षा प्राप्त कर हजारीबाग में अपनी निजी कार्यों के साथ बाबा श्याम की सेवा दे रहे हैं. पिछले दो वर्षों से लगातार इन युवकों के द्वारा ऐतिहासिक और अद्भुत कार्यक्रम आयोजित कर हजारीबाग में एक अलग पहचान स्थापित की गई.

निर्जला एकादशी पर शरबत का वितरण

निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर महावीर स्थान चौक के समक्ष श्री श्याम अरदास कीर्तन परिवार के द्वारा राहगीर, रिक्शा चालक, मजदूर तथा आम जनता के बीच ठंडी शरबत का वितरण किया गया. यह कार्य श्री श्याम अरदास कीर्तन परिवार के द्वारा प्रत्येक वर्ष किया जाता है. वहीं देर शाम भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें कई श्याम भक्त उपस्थित होकर बाबा के भजनों पर झूमते नजर आए.

17 दिवसीय हरली मंडा मेले का हुआ समापन

बड़कागांव। 17 दिवसीय हरली मंडा मेला दर्जनों शिव भक्तों द्वारा पीठ में कील लगाकर 45 फीट ऊपर परिक्रमा करने के उपरांत मंगलवार को संपन्न हो गया. इसके पूर्व सोमवार रात दर्जनों शिव भक्तों द्वारा दहकते अंगारों पर चलकर आस्था का परिचय दिया गया. क्षेत्र के नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों का तांता लगा रहा तथा एक दूसरे से मिलकर मंडा मेला व पूजा की शुभकामनाएं दी. इसमें मुख्य रूप से विधायक अंबा प्रसाद, वरिष्ठ आजसू नेता रोशन लाल चौधरी, मुखिया कविता देवी, पंचायत समिति सदस्य कोशीला देवी आदि शामिल थे. वहीं विधि व्यवस्था को लेकर बड़कागांव थाना प्रभारी मुकेश कुमार कुमार सिंह के नेतृत्व में दर्जनों पुलिस बल अपनी नजर रखे हुए थे. इसके पूर्व 1 जून को प्रत्येक वर्ष की भांति कलश स्थापना की गई.

कस्तूरबा विद्यालय की वार्डन को बर्खास्त करने की मांग

संवाददाता। बरकट्ठा

प्रखंड के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्रा की मौत को लेकर लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है. इस बाबत आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य सूरज मोदी, समाजसेवी अशोक गुप्ता, समाजसेवी बब्लू मंडल, पप्पु मंडल ने उपायुक्त एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा है, जिसमें उन्होंने कस्तूरबा विद्यालय में व्यापक पैमाने पर फैली कुव्यवस्था का सिलसिलेवार जिक्र किया गया है. सुरज मोदी ने लिखा है कि कस्तूरबा विद्यालय की सैकड़ों छात्राओं ने 11 सितंबर 2023 को विद्यालय छोड़ने की चेतावनी दी थी. वर्ष 2023-24 में विद्यालय में नामांकन हेतु लगभग 400 छात्राओं ने आवेदन किये थे, परंतु सत्र 2024-25 में लगभग 100 छात्राओं का ही आवेदन करना अभिभावकों का भय साफ दर्शाता है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष आठवें चंद्रमा नीच का है. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं. दुष्टजनों से बचकर रहें. दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. लाल फूल माता दुर्गा को अर्पण करें.

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. भाग्य का साथ रहेगा. प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे. भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है.

मिथुन मौसमी बीमारियों से बचें. आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है. महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें. वाणी पर नियंत्रण रखें. चिंता तथा तनाव बने रहेंगे. नौकरी में कार्यभार रहेगा. आपके कार्य के प्रभाव से व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा.

कर्क शिक्षा में लापरवाही नुकसान देगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नया कार्य करने का मन बनेगा. निवेश शुभ रहेगा. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी. अच्छे सच्चे मित्र मिलेंगे.

सिंह किसी महिला से विवाद हो सकता है. व्यापार-व्यवसाय की कार्यप्रणाली में सुधार होगा. सामाजिक सेवा करने की प्रेरणा मिलेगी. मान-सम्मान मिलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. चोट व रोग से बाधा की आशंका है.

कन्या कारोबार से लाभ में वृद्धि के योग हैं. कोर्ट व कचहरी इत्यादि में स्थिति अनुकूल रहेगी. किसी विवाद में विजय प्राप्त हो सकती है. व्यापार में नए काम मिल सकते हैं. किसी नए कार्य का चिंता रहेगी. दुष्टजनों से बचकर रहें.

तुला मशीनरी इत्यादि के प्रयोग में सावधानी रखें. शारीरिक कष्ट से बनते कामों में विघ्न हो सकता है. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. चिंता रहेगी.

वृश्चिक कोर्ट व कचहरी तथा सरकारी कार्यालयों में रुके कामों में गति आएगी. विवाद का हल हो सकता है. जीवनसाथी को भेंट व उपहार देने का अवसर प्राप्त होगा. प्रसन्नता रहेगी. पारिवारिक सहयोग मिलता रहेगा. आय में वृद्धि होगी.

धनु समय शुभ है. स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. आय में वृद्धि होगी. पार्टनरों से मतभेद दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी. किसी से विवाद की आशंका है. मानहानि हो सकती है, सावधान रहें.

मकर दिन खुशनुमा होगा. किसी मनोरंजक यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है. विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य सफलतापूर्वक कर पाएंगे. परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी. मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा.

कुंभ किसी व्यक्ति से अकारण विवाद हो सकता है. भागदौड़ के चलते स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है. लापरवाही न करें. कोई दुःखद समाचार मिलने की आशंका है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा.

मीन कोई यात्रा का योग है.धर्म मे मन लगेगा. शारीरिक कष्ट की आशंका है. प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी. किसी बड़े कार्य को करने की इच्छा प्रबल होगी. कारोबार अच्छा चलेगा. अपने इष्ट देवता का पूजन करें.

पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ लें कृषक: डॉ. दीपक राय

संवाददाता ।खूंटी

कृषि विज्ञान केंद्र तोरपा में मंगलवार को प्रधानमंत्री द्वारा उत्तर प्रदेश के वाराणसी में पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त के तहत 9.26 करोड़ किसानों के खातों में 20 हजार करोड़ से अधिक की राशि के हस्तांतरण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किसानों को दिखाया गया. अब तक पीएम किसान सम्मान निधि से करोड़ों किसान लाभान्वित हुए हैं. यह योजना किसानों के जीवन को आसान और कृषि को प्रोत्साहित करने की दिशा में ऐतिहासिक साबित हुई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार किसानों के कल्याण के लिए संकल्पित है. इसके साथ कृषि पैरा विस्तार कार्यकर्त्ता के रूप में कृषि सखियों का प्रमाणीकरण भी किसानों ने देखा. केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक सह अध्यक्ष डॉ दीपक राय ने कहा कि इस योजना के तहत किसानों को दो-दो हजार रुपये की तीन किस्तें, साल में कुल छह जार रुपये दिये जाते हैं. स्कीम के तहत पहली किस्त अप्रैल-जुलाई के बीच, दूसरी किस्त अगस्त-नवंबर के बीच और तीसरी किस्त दिसंबर-मार्च के बीच जारी की जाती है. इस योजना की शुरुआत 2019 में किसानों को आर्थिक मदद देने के लिए की गई थी. योजना के पात्र लाभार्थी कॉमन सर्विस सेंटर के जरिए भी अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं.

झामुमो कार्यकर्ताओं ने मृतक जयराम हेमरोम को दी राशन सामग्री

संवाददाता ।खूंटी

कर्रा प्रखंड की लिमड़ा पंचायत के चिद्दी गांव निवासी जयराम हेमरोम का सोमवार को पेड़ में दबकर मौत हो जाने की खबर मिलने पर मंगलवार को झामुमो नेताओं ने उनके घर जाकर परिजनों से मुलाकात की और राशन मुहैया कराते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया. झामुमो कार्यकर्ताओं को मृतक जयराम हेमरोम के परिजनों ने बताया कि जयराम हेमरोम घर में कमाने वाले एकलौता व्यक्ति थे. जयराम की मृत्यु से परिवार में घोर संकट आ गया है. उन पर दुःखों का पहाड़ टूट गया. झामुमो नेता विनोद उरांव, युवा नेता राहुल केशरी, बाका लकड़ा, सरर्ती आइंद ने परिजनों से मुलाकात की.

प्रतिबंधित मांस का टुकड़ा फेंके जाने से क्षेत्र में तनाव, हड़कंप

पलामू जिले के पांकी प्रखंड के पिपराटांड़ थाना क्षेत्र के नौडीहा बहेरा का मामला

संवाददाता ।पलामू/पांकी

पलामू जिले के पांकी प्रखंड के पिपराटांड़ थाना क्षेत्र के नौडीहा बहेरा में बकरीद के दूसरे दिन मनोज मिश्रा के गौशाला में मांस का टुकड़ा फेंका हुआ मिला. वहीं दूसरी तरफ नौडीहा मस्जिद के निकट पुराने कुआं में गोवंशीय पशु के अपशिष्ट और हड्डियों को दो बोरी में देखा गया.

प्रतिबंधित गौ मांस मिलने से ग्रामीण पूरी तरह आक्रोश हो गए हैं. इसकी सूचना पुलिस प्रशासन को दी गई. सूचना मिलते ही पुलिस निरीक्षक पूनम टोप्पो, पिपराटांड़ थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह, पांकी थाना प्रभारी उत्तम तिवारी, सीआरपीएफ के जवानों ने पहुंचकर स्थिति को संभाला. घटना स्थल पर पुलिस प्रशासन पहुंच कर गौशाला और कुएं से बरामद मांस और हड्डियों को जप्त कर सुरक्षित रखवाया. आक्रोशित ग्रामीणों ने जमकर नारेबाजी की और घटना में शामिल लोगों को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग भी की.

घटनास्थल पर मौजूद पुलिसकर्मी

आक्रोशित ग्रामीणों ने जमकर नारेबाजी की और घटना में शामिल लोगों को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की.

इसकी लिखित आवेदन ग्रामीणों द्वारा पिपराटांड़ थाना प्रभारी को दे दी गई है. पिपराटांड़ थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि लिखित आवेदन ग्रामीण द्वारा दिया गया है. जांच कर कार्रवाई की जा रही है. पांकी थाना और पिपराटांड़ थाना की पुलिस ने मामले को सुलझाने एवं इलाके में शांति व्यवस्था कायम करने को लेकर पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया है.

घटनास्थल पर पहुंचकर विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल पांकी प्रखंड अध्यक्ष संस्कार सोनी, अखिलेश कुमार, निरंजन सिंह, चंदन सोनी, गौरव पाठक, अनमोल गुप्ता, डीके, संजीत, हिमांशु, प्रभात, विकास ने इस घटना की निंदा की और पुलिस प्रशासन से अविलंब कार्रवाई की मांग की.

कांग्रेस नेता उत्तम दासपाल के निधन पर शोक जताया

संवाददाता ।कोडरमा

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सह समाज सेवी उत्तम कुमार दासपाल के आकस्मिक निधन पर जिले में शोक की लहर है. सोमवार की रात वह अकेले घर पर थे,जहां गिरने से सर पर एवं नाक पर चोट लगने से अत्यधिक रक्तस्राव के कारण दासपाल का दुखद निधन हुआ. दासपाल के निधन पर पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष निर्मल कुमार ओझा, राजद जिलाध्यक्ष रामधन यादव, प्रदेश सचिव मनोज सहाय पिंकू, वरिष्ठ कांग्रेसी राजेंद्र जायसवाल, धीरज कुमार, संजय शर्मा ने शोक संवेदना व्यक्त किया है.

झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने भाजपा पर बोला हमला, बोले-

मूलवासियों को बिहार-यूपी से गुंडे मंगाकर पिटवा रहे हैं निशिकांत

- बाबूलाल जी क्यों नहीं जा रहे हैं समीक्षा बैठक में, राजमहल को लेकर अगला निशाना कहीं अनंत ओझा तो नहीं
- तमाम आदिवासी-मूलवासी गंदी संस्कृति से बाहर निकल आएं, झामुमो आमंत्रित करती है

विशेष संवाददाता ।रांची

दुमका में प्रत्याशी नहीं, पीएम नरेंद्र मोदी हारे हैं

प्रेस वार्ता करते झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य.

झामुमो ने भाजपा में जारी उठापठक, मारपीट और गाली-गलौज पर तीखा प्रहार किया है. पार्टी महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि बिहार से आकर लगातार चौथी बार निशिकांत जी जीतते आए हैं और यहां के मूलवासियों को पीटने का काम कर रहे हैं. भागलपुर और यूपी से गुंडे आ रहे हैं, यह मैं नहीं कह रहा हूं, यह उनके दलित विधायक नारायण दास ने कहा है. तो भाजपा को उसके प्रदेश के नेताओं को इस राज्य की जनता से माफी मांगनी चाहिए. यह परिपाटी सही नहीं है. इससे राजनीतिक माहौल खराब होगा. चुनाव में कार्यकर्ता आपस में संवाद करेंगे, उस समय भी हिंसक ग्रुप होगा.

संपूर्ण परिप्रेक्ष्य में दुमका और राजमहल का मुझे नहीं लगता है कि समीक्षा होगी या नहीं. होगा तो वहां कौन पिटाएगा. कहीं अगला निशाना अनंत ओझा तो नहीं होंगे. क्योंकि सारे मेरे मित्र हैं. इसलिए चिंता है. आदित्य साहू यहां से गए, उनको धक्का दे दिया. माननीय सांसद थे. बालमुकुंद जी गढ़वा से गए उनके साथ भी गाली-गलौज कर दिया. अब यदि यहां से कोई राजमहल समीक्षा में जाएगा, तो पता चला कि गाड़ी से गए और एंबुलेंस से आए. पुलिस विभाग को सूचित करके भाजपा को अपनी समीक्षा बैठक रखनी चाहिए. नहीं तो फिर से सवाल उठाएंगे कि हमें सुरक्षा नहीं मिलती है. नारायण दास जी को पूरे घटनाक्रम की जानकारी विधानसभा अध्यक्ष को देनी चाहिए. क्योंकि स्पीकर उनके अभिभावक हैं. अध्यक्ष से यह अपेक्षा रखते हैं कि भाजपा के जनप्रतिनिधियों और विधायकों को आप सुनिश्चित करें कि उनकी पार्टी के गुंडे कार्यकर्ता से बचाएं. यह बातें भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कही. उन्होंने कहा कि भाजपा की गंदी संस्कृति से बाहर निकल झामुमो से जुड़ें, समरसता से जुड़ें, झामुमो आमंत्रित करती है.

भाजपा को मिला है रक्षा मंत्रालय, भाजपा-नेताओं के रक्षा की जरूरत : भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य को एक रक्षा राज्य मंत्री और मंत्रालय का पद मिला है. इसलिए भाजपा नेता और कार्यकर्ताओं की रक्षा का भी दायित्व मिल गया है. जहां-जहां समीक्षा बैठक हो रही है भाजपा की. वहां इस प्रकार की स्थितियां पैदा हो रही हैं. कानून व्यवस्था भी एक सवाल बन रहा है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जो बातें दुमका और देवघर बैठक की आयी है, उसने बहुत ही विभीत्स रूप लिया है. देवघर के दलित विधायक के साथ उनकी पार्टी के ही आपराधिक किस्म के लोग हैं, जो सांसद से सीधे जुड़ाव रखते हैं, जिस प्रकार से गाली-गलौज की, मारपीट किया. दुमका में जो बातें सामने आयी है, वह साफ दर्शाता है कि भाजपा का चेहरा और चरित्र क्या है. अब वह भाजपा में नहीं रहा.

हेमंत विश्वा सरमा की भाषा भी उन्माद वाला होगा : भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा में जो चल रहा है, सीधा असर केंद्रीय नेतृत्व के निर्णय पर भी दिखा. जिस प्रकार से असम के मुख्यमंत्री को यहां का चुनाव प्रभारी बनाया गया है. उनकी भी भाषा आपलोग देखें तो उन्माद ही नजर आता है. यही हाल भाजपा के कार्यकर्ताओं की है. अपने ही नेताओं को गाली-गलौज करना, मारपीट करना, जो यहां से पदाधिकारी जाते हैं, उनके साथ धक्का-मुक्की करना, यह एक विचित्र स्थिति बन गयी है.

हम चाहते थे कि विपक्ष विधानसभा चुनाव लड़े, मगर ये तो आपस में ही लड़ रहे हैं : उन्होंने कहा कि हम चाहते थे कि भाजपा विधानसभा का चुनाव विपक्ष की तरह लड़ें, लेकिन यो तो आपस में ही लड़ रहे हैं. यह अजीब विडंबना है. एक तरफ प्रभारी के तौर पर भारी-भरकम नाम वालों को भेजते हैं. वहीं आपस में जुत्तम-लत्तम करते हैं. बाबूलाल अध्यक्ष हैं, हार की समीक्षा बैठक में वो क्यों नहीं जा रहे हैं.

दुमका में पीएम हारे हैं, खुद प्रत्याशी ने कहा : दुमका में चुनाव तो प्रधानमंत्री ने हराने का काम किया. दुमका प्रत्याशी ने साफ तौर कहा कि यहां पर मैं नहीं मोदी जी हारे हैं. अब जब भाजपा के लोग ही कर रहे हैं कि मोदी जी की हार हुई है. जीते हुए सीट पर उनके विधायक सुरक्षित नहीं हैं. तो राजनीति किस रसातल में जा रहा है.

अब आचार संहिता के बाद राज्य सरकार ने जिस प्रकार से काम शुरू किया, उस पर से कैसे ध्यान भटकाया जाए. लोगों को उनकी जरूरत के हिसाब से जो काम करना चाहिए, उस पर कोई बात नहीं हो रहा है. यह सिलसिला बंद होना चाहिए. कम से कम समीक्षा बैठक में राजनीतिक कार्यकर्ताओं को जब बुलाते हैं तो उन्हें प्रशिक्षित भी कीजिए. यह कौन सा तरीका है कि प्रभारी जाते हैं, तो उनके साथ अभ्रद व्यवहार होता है. इनकी पहचान कौन करेगा.

मिलन समारोह में पहुंचीं कल्पना सोरेन

जिप उपाध्यक्ष के नेतृत्व में 750 लोगों ने ली सदस्यता

मिलन समारोह में शामिल विधायक कल्पना सोरेन व अन्य.

संवाददाता ।हुसैनाबाद (पलामू)

जेएमएम की गांडेय से विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन मंगलवार को जिले के हुसैनाबाद के टाउन हॉल पहुंची. वह मिलन समारोह में शामिल हुई. उनके साथ मंत्री मिथिलेश ठाकुर भी थे. सर्व प्रथम उनका फूल माला देकर जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह समेत जेएमएम नेताओं ने स्वागत किया. जिला परिषद उपाध्यक्ष सह युवा नेता आलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू सिंह के नेतृत्व में विभिन्न दलों के 750 लोगों ने जेएमएम की सदस्यता ली. सभी को जेएमएम का पट्टा देकर कल्पना सोरेन ने पार्टी में शामिल किया. मौके पर कल्पना सोरेन ने कहा कि हेमंत सोरेन जी को केंद्र की सरकार ने झूठा आरोप लगा कर जेल में डाल रखा है. मगर झारखंड की जनता ने लोकसभा में बीजेपी को जवाब दे दिया है.

उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के द्वारा शुरू की गई सर्वजन पेंशन, अबुआ आवास, गरीब बच्चों को विदेश ने पढ़ाई की योजना समेत अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से केंद्र की सरकार तिलमिला गई है. इसे रोकने के लिए हेमंत जी को जेल भेज दिया. उन्होंने कहा कि उन योजनाओं को आगे बढ़ाने का कार्य चंपाई चाचा बखूबी कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि झारखंड विधानसभा चुनाव की शुरुआत हुसैनाबाद से की गई है.

यहां के जनप्रतिनिधि कब कहां जायेंगे, ठिकाना नहीं : मंत्री

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने सरकार की उपलब्धियों पर विस्तृत प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि हुसैनाबाद के जनप्रतिनिधि कब कहां जायेंगे, ठिकाना नहीं है. उन्होंने कहा कि आने वाले विस चुनाव में पलामू की सभी सीटों पर जेएमएम व उनकी सहयोगी पार्टियों के नेता विस पहुंचेंगे.

झारखंड का विकास जेएमएम के नेतृत्व में ही संभव : जेएमएम का दामन थामने के बाद आलोक ने कहा कि उन्होंने जनता की सेवा का संकल्प लिया है. क्षेत्र व झारखंड का विकास जेएमएम के नेतृत्व में ही संभव है.

बैंबू स्पा सेंटर का मामला

राकेश, आर्यमन व ऋषि को मिली बेल

संवाददाता ।रांची

रांची सिविल कोर्ट ने लालपुर थाना क्षेत्र से बैंबू स्पा सेंटर में पकड़े गये राकेश रंजन, आर्यमान कुमार और ऋषि बंका को जमानत दे दी है. तीनों आरोपी स्पा सेंटर के ग्राहक थे.

- गौरव और थाईलैंड की युवतियों को जमानत नहीं

वहीं अदालत ने स्पा सेंटर के नाम पर जिस्मफरोशी कराने के आरोपी व स्पा के संचालक गौरव अग्रवाल समेत स्पा के अन्य कर्मचारियों को बेल देने से इनकार कर दिया और सभी की जमानत याचिका खारिज कर दी. कोर्ट ने जिनकी जमानत याचिका खारिज की है, उसमें से दो युवतियां थाईलैंड की है. सभी आरोपियों की जमानत याचिका पर रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की अदालत में सुनवाई हुई.

2 जून को छापेमारी के दौरान पकड़ाए थे सभी : दरअसल, रांची पुलिस ने 2 जून को लालपुर थाना क्षेत्र स्थित बैंबू स्पा सेंटर में छापेमारी की थी. बैंबू इंटरनेशनल स्पा सेंटर, सर्कुलर रोड के हरिओम टावर के सामने ली डिजायर कांप्लेक्स के चौथे तल्ले पर है. छापेमारी के दौरान पुलिस ने वहां से कई युवक और युवतियों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा था. पकड़ी गयी दो युवतियां थाईलैंड की थीं.

20-22 जून के बीच मॉनसून की इंट्री, पलामू में तीन डिग्री गिरा पारा

पलामू । राज्य में 20-22 जून के बीच मानसून की इंट्री होने की संभावना है. ऐसे में लंबे समय से गर्मी का आलम झेल रहे पलामू सहित पूरे राज्यवासियों को गर्मी से राहत मिलने वाली है. मौसम विभाग के मुताबिक 20-22 जून के बीच मानसून की इंट्री हो सकती है. वहीं 19 जून से ही राज्य के कई हिस्सों में बारिश की संभावना अधिक है. इस दौरान 50-60 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चलेगी. मानसून के आने के दो तीन दिन पहले ही जिला मुख्यालय डालटनगंज में बड़ा बदलाव देखने को मिला. मंगलवार को पूरे दिन आसमान में बादल छाए रहे. पूरे दिन तेज और गर्म हवा नहीं चले. बादलों के छाने से लोगों को जहां गर्मी से राहत मिली वहीं चिलचिलाती धूप से बदन नहीं झुलसा. ठंडी हवा चलने से लोगों ने राहत की सांस ली. इसका असर अधिकतम तापमान पर भी देखने को मिला. मंगलवार को अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 30.07 डिग्री रहा. 24 घंटे के भीतर अधिकतम तापमान मं 3 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गयी है, वहीं न्यूनतम तापमान एक डिग्री तक कम हुआ है.

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव बोले

सीता सोरेन के लिए घड़ियाली आंसू क्यों बहा रहा है झामुमो

संवाददाता ।रांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने मंगलवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा पर पलटवार करते हुए कहा कि आज यह लोग सीता सोरेन के लिए घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं. जिस समय सीता सोरेन ने सोरेन परिवार के ऊपर उनकी और उनकी बेटियों की उपेक्षा का आरोप लगाया था तो झामुमो चुप रही.

प्रतुल ने कहा कि सीता सोरेन ने आंदोलनकारी पति दुर्गा सोरेन की मौत की उच्च स्तरीय जांच की मांग की थी तो झारखंड मुक्ति मोर्चा को सांप सूंघ गया था. आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई. जब सत्ताधारी गठबंधन के प्रथम परिवार के भीतर मां समान बड़ी बहू की अपेक्षा की गई हो तो इनसे आम लोगों के लिए न्याय की उम्मीद की बात सोचना भी बेमानी है. वैसे यदि झारखंड मुक्ति मोर्चा आरोपों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करती है तो उसे अपने ही गठबंधन के विधायक लोबिन हेंब्रम, चमरा लिंडा, अंबा प्रसाद, इरफान अंसारी, दीपिका पांडे सिंह के द्वारा अलग-अलग समय पर सरकार पर लगाए गए गंभीर आरोपों का भी जवाब देना चाहिए.

प्रतुल ने कहा कि लोकसभा चुनाव के परिणाम के बाद सत्ताधारी गठबंधन बदहवास हो गया है. जिस समय 2019 में इन लोगों ने चुनाव जीता था तब इनके पास 48 विधायक थे एवं तीन निर्दलीय विधायकों का समर्थन था. इस लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन 50 सीटों पर आगे रहा जबकि इंडी गठबंधन सिर्फ 29 सीटों पर सिमट गया. इन्हें पता है कि अगले चुनाव में इनका सुपड़ा साफ होने वाला है. इसलिए यह अनर्गल बयान बाजी पर उतर आए हैं.

प्रतुल ने कहा कि भाजपा की समीक्षा बैठक पूरे प्रदेश में चल रही है. अधिकांश जगहों पर कार्यकर्ता सुचारू रूप से फीडबैक दे रहे हैं. सिर्फ देवघर में कुछ बाहरी तत्वों के द्वारा हंगामा करने की सूचना आई थी. यह पूरा मुद्दा प्रदेश नेतृत्व के संज्ञान में है.

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत, एक घायल

खूंटी । खूंटी थाना के तारो सिलादोन क्षेत्र में चुकरू मोड़ के पास सोमवार देर रात हुई सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. मृतक की पहचान मारंगहादा थानांतर्गत बुढ़ाडीह तिलमा गांव निवासी मनीष मुंडा (22) के रूप में हुई. दुर्घटना में घायल उसी गांव के हरि मानकी को सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर कर दिया गया. जानकारी के अनुसार बाइक सवार उक्त दोनों लोग एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद वापस अपने गांव लौट रहे थे. उसी दौरान घटनास्थल के पास अचानक एक भैंस बीच सड़क पर आ गई. सड़क पर आई भैंस से टकराकर वे दोनों बाइक सहित पक्की सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए.

पेज एक का शेष...

छिन्नमस्तिके को विश्वस्तरीय....

झारखंड में धार्मिक, आध्यात्मिक सहित पर्यटन में अनेक संभावनाएं : मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के पर्यटन तथा धार्मिक स्थलों को विश्व के मानचित्र पर लाने के लिए हमें क्या कार्य करने की जरूरत है. इस पर एक बेहतर कार्य योजना बनाते हुए आगे बढ़ना पड़ेगा. कहा कि राज्य में धार्मिक, आध्यात्मिक सहित विभिन्न पर्यटन के क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं. इन बहुआयामी पर्यटन संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए इनका विकास होना बहुत ही आवश्यक है. सरकार का प्रयास है कि झारखंड भ्रमण पर जो भी पर्यटक आते हैं वे यहां से एक बेहतर अनुभव लेकर अपने घर वापस जाएं. उन्होंने कहा कि झारखंड में प्राकृतिक सौन्दर्यता बेमिसाल है. हमसभी झारखंड वासियों का सौभाग्य है कि यहां विभिन्न समुदायों के कई अहम धार्मिक स्थल तथा अलग-अलग कला-संस्कृति का एक अनोखा मिश्रण पाया जाता है.

भोगनाडीह और उलिहातू को शहीद स्थल के रूप में विकसित करें : मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि भोगनाडीह स्थित सिदो कान्हू प्रतिमा स्थल तथा उलिहातू शहीद स्थल को प्राथमिकता के साथ डेवलप करें. यह सभी स्थल झारखंड का महत्वपूर्ण विरासत है. इन स्थलों को संरक्षित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है. मुख्यमंत्री ने राज्य के सरना धर्म स्थलों के विकास पर भी बल दिया. अफसरों को सेरेंगदाघाटी (कोल्हान) को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का निर्देश दिया. उन्होंने निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत आदिवासी धर्मावलंबियों को सरना स्थल का परिभ्रमण कराना भी सुनिश्चित किया जाए.

सिदो कान्हू युवा खेल क्लब के गठन तथा रजिस्ट्रेशन कार्य में तेजी लाएं : मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने निर्देश दिया कि सिदो कान्हू युवा खेल क्लब के गठन तथा रजिस्ट्रेशन कार्य में तेजी लाएं. मौके पर पदाधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि राज्य में अभी तक 27 हजार 248 सिदो कान्हू युवा खेल क्लब का गठन किया जा चुका है. जिसमें लगभग 11 हजार से अधिक क्लबों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है. अब को-ऑपरेटिव के माध्यम से भी रजिस्ट्रेशन कार्य किया जाएगा जिससे कार्य में तेजी लाई जा सकेगी. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सिदो कान्हू युवा खेल क्लब के गठन तथा निबंधन कार्य को सरल बनाते हुए निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से आगे बढ़ने की आवश्यकता है.

जमशेदपुर के खेल मैदानों का शीघ्र निर्माण शुरू करें : मुख्यमंत्री ने आदित्यपुर-1, फुटबॉल मैदान, रामचंद्रपुर फुटबॉल मैदान तथा आदित्यपुर-2, प्रगति मैदान के निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने का निर्देश अधिकारियों को दिया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के समक्ष अधिकारियों द्वारा राज्य में खेल-कूद की कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई. खेल विभाग द्वारा बनाई गई कई महत्वपूर्ण पॉलिसी, आवासीय क्रीडा प्रशिक्षण केंद्र, डे-बोर्डिंग क्रीडा प्रशिक्षण केंद्र, सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस का संचालन, विभिन्न खेल विधाओं के लिए हाई परफॉर्मिंग सेंटर का अधिष्ठापन तथा चालू वित्तीय वर्ष में ली जाने वाली महत्वपूर्ण खेल योजनाओं सहित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई. मौके पर मुख्यमंत्री ने इस संबंध में पदाधिकारियों को कई अहम दिशा-निर्देश भी दिए.

सहयोगात्मक व्यवहार रखें भू-धारकों से : डीसी

हजारीबाग । उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभाकक्ष में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की बैठक की गई. बैठक में उपायुक्त ने परियोजना निदेशक को अधिग्रहित भूमि के भू स्वामियों को ससमय मुआवजा की राशि हस्तानांतरित करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि जमीन अधिग्रहण के दौरान भूधारकों के साथ सहयोगात्मक रवैया अपनाए. उन्होंने विवाद रहित भूमि को ही एंक्रोच करने तथा मुआवजा भुगतान के बाद ही जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई करने को कहा. एनएच का नक्शा और भू अर्जन के नक्शे में विभिन्नता की शिकायत पर अनुमंडल व अंचल स्तर पर जांच के आदेश दिए गए है. साथ ही निर्देशित किया कि मुआवजा भुगतान के बाद ही अतिक्रमण हटाया जाए.

शहीद दिल्ली में 16 फरवरी 2024 को किसान आंदोलन के भगदड़ में माथे पर चोट लगी थी

जवान उमा चरण को दी सलामी, हुआ अंतिम संस्कार

- निधन की खबर से भखरा गांव व सतगावां क्षेत्र में मातम छाया रहा
- इनकी नियुक्ति 1992 में कांस्टेबल के पद पर सीआरपीएफ में मोकामा से हुआ था
- दिल्ली के आईबीएस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया. जहां उनका इलाज चल रहा था

संवाददाता ।कोडरमा

सुदूरवर्ती उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र के भखरा गांव में मंगलवार को सीआरपीएफ के शहीद जवान उमा चरण पासवान (54) को सलामी देकर अंतिम संस्कार किया गया. उनके निधन की खबर से भखरा गांव व सतगावां क्षेत्र में मातम छाया रहा. रिश्तेदारों व ग्रामीणों के साथ साथ समाजसेवी भी अंतिम संस्कार में पहुंचकर घर वालों को सांत्वना दिया. अंतिम संस्कार के लिए सीआरपीएफ मोकामा बिहार राज्य से शव को लेकर 40 जवान आए जो सोमवार की रात्रि सतगावां थाना पहुंचे तथा सुबह में शव को उनके भखरा गांव लाया गया. जवानों की उपस्थिति में शव का अंतिम संस्कार किया गया. इनकी नियुक्ति 1992 मे कांस्टेबल के पद पर सीआरपीएफ में मोकामा बिहार से हुआ था. डाल्टेनगंज से दिल्ली, दिल्ली से जम्मू कश्मीर में कमांडो चयन हुए थे उसके बाद उन्हें दिल्ली भेजा गया, जहां पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के समय उनके सुरक्षा गार्ड में 2 वर्षों तक कार्यरत थे.

अपने ही विभाग में एस आई में प्रमोशन हुआ. उसके पश्चात उन्होंने दिल्ली में 16 फरवरी 2024 को किसान आंदोलन के भगदड़ में माथे पर चोट लग गई जिसके कारण दिल्ली के आईबीएस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया. जहां उनका इलाज चल रहा था, पर 16 जून को उनकी इलाज के दौरान मृत्यु हो गई. शव सोमवार को संध्या पटना लाया गया. सतगावां थाना से जवानों ने उनके शव को भखरा पहुंचाया जहां अंतिम संस्कार हुआ. उपस्थित जवानों ने सलामी दी.

भखरा गांव में शहीद जवान के शव के साथ उनके परिजन.

अंदरखाने का असंतोष

केंद्र में मोदी सरकार का तीसरा कार्यकाल आहिस्ता-आहिस्ता गति पकड़ रहा है, लेकिन दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के भीतर आरोप प्रत्यारोप और विवाद के स्वर भी सुनायी देने लगे हैं. पहले तो आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने मणिपुर की हिंसा को नजरअंदाज करने के साथ अहंकार का सवाल उठाया तो आरएसएस के मुख्यपत्र में ऑर्गनाइजर में छपे शारदा के लेख ने भाजपा के प्रदर्शन पर असंतोष जाहिर करते हुए हार के आंतरिक कारणों की पहचान की. इसके अलावे संघ के इंद्रेश कुमार ने भी नरेंद्र मोदी और अमित शाह को परोक्ष तौर पर आलोचना का केंद्र बनाया. भागवत ने अपने बयान में कहा था कि सच्चा स्वयंसेवक अहंकारी नहीं होता और प्रतिपक्ष के साथ भी सहमति बना कर चलना पड़ता है. नरेंद्र मोदी के दस साल के कार्यकाल पर यह सबसे कटु टिप्पणी मानी गयी, लेकिन सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि क्या भाजपा का वर्तमान नेतृत्व भले ही, वह सरकार बनाने में कामयाब हो गया हो, लेकिन राजनीतिक तौर पर हुई हार की गहन समीक्षा करेगा. खास कर उत्तर प्रदेश में तो बेहद बेचैनी है, क्योंकि भाजपा को वहां जिस तरह की हार मिली है, उसने उसकी रणनीति की पोल को खोल दिया है. भाजपा और उसके सहयोगी दलों के कई नेता भी आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं. झारखंड में दुमका से हार गयी सीता सोरेन ने प्रदेश और स्थानीय नेताओं के विरोध में आरोपों का पिटारा खोल दिया है. देवघर से भाजपा के विधायक ने तो गोड्डा के सांसद निशिकांत दूबे पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उनके अनुसार दूबे के लोगों ने उनके साथ गाली-गलौज के साथ मारपीट भी की है. इसी तरह उत्तर प्रदेश से हारे एक भाजपा के नेता ने अग्निवीर योजना को हार का प्रमुख कारण बताया है. बिहार में भाजपा के सहयोगी जदयू के एक संसद ने तो तमाम सीमाओं का अतिक्रमण करते हुए जीत के बावजूद यादवों और मुसलमानों को निशाने पर लिया है. भाजपा नेताओं के ये लक्षण इस बात को बता रहे हैं कि वे अपनी हार को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं. भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने भी 2019 की तुलना में 63 सीटें कम होने के सवाल को नजरअंदाज करते हुए एनडीए की जीत को पिछले दस सालों की निरंतरता ही बताया है. अर्थात् तमाम आलोचनाओं और आरोपों के बावजूद भाजपा नेतृत्व अपनी उन नीतियों की समीक्षा करने का संकेत नहीं दे रहा है, जो उसकी हार का कारण बना. भारतीय राजनीति एक ऐसे मुकाम पर खड़ी है, जिसे लोकतांत्रिक सर्वसम्मत दिशा की तलाश करनी है. यह तो साफ है कि 2024 का चुनाव नतीजा एक खंडित जनोदश है. इसका मतलब है कि जनता के एक बड़े हिस्से ने सत्ता पर के प्रति अपनी स्पष्ट नाराजगी का इजहार किया है. यानी उसके अंदर आर्थिक सामाजिक सवालों पर गहरा असंतोष है. देश ने विभाजनकारी सांप्रदायिक तरीकों को भी खारिज किया है. भाजपा की हार पार्टी के अंतरकलह के कारण नहीं, बल्कि जनता के असंतोष का परिणाम है.

> बिहार में भाजपा के सहयोगी जदयू के एक संसद ने तो तमाम सीमाओं का अतिक्रमण करते हुए जीत के बावजूद यादवों और मुसलमानों को निशाने पर लिया है. भाजपा नेताओं के ये लक्षण इस बात को बता रहे हैं कि वे अपनी हार को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं.

सुभाषित

कुसुमं वर्णसंपन्नं गन्धहीनं न शोभते ।
न शोभते क्रियाहीनं मधुरं वचनं तथा ॥

जिस प्रकार से गन्धहीन होने पर सुन्दर रंगों से सम्पन्न पुष्प शोभा नहीं देता, उसी प्रकार से अकर्मण्य होने पर मधुरभाषी व्यक्ति भी शोभा नहीं देता. मधुर भाषी होने के साथ ही यह आवश्यक है कि मनुष्य कर्मण्य बने. तभी उसका समाज में उसका मान-सम्मान हो पायेगा.

भाजपा-आरएसएस विवाद की अंतःकथा

एक सच्चा 'सेवक' गरिमा बनाए रखता है. वह काम करते समय मर्यादा का पालन करता है. उसे यह कहने का अहंकार नहीं है कि 'मैंने यह काम किया'. सिर्फ उस व्यक्ति को सच्चा 'सेवक' कहा जा सकता है. मोहन भागवत जिसके लिए कह रहे थे, क्या वह अमर्यादित है? अहंकारी है? 'सबकुछ मैंने किया' के सिंड्रोम से ग्रसित है? लेकिन लोग उस व्यक्ति विशेष का नाम जानना चाहते थे. सच है कि 2014 के कालखंड में सरसंघचालक मोहन भागवत ने ही नरेंद्र मोदी के नाम पर अंतिम मुहर लगाई थी.

देश-काल

पुष्परंजन

एक सवाल है, विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी, जिसके सदस्यों की संख्या 18 करोड़ से अधिक है, उसे लगभग 60 लाख की सदस्यता वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सपोर्ट की ज़रूरत क्यों पड़ती है? वे बार-बार कहते हैं कि हम एक सांस्कृतिक संगठन हैं. वर्तमान में देश भर में 56 हज़ार 824 स्थानों पर आरएसएस की शाखाएं लगती हैं, जो पूरे भारतवर्ष में 5,505 विकास खंडों में अपनी उपस्थिति दर्ज़ कराती हैं. 27 सितंबर सन् 1925 को विजयादशमी के दिन डॉ. केशव हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के समय ही इसके उद्देश्यों को अराजनीतिक बताया था. डॉ. केशव हेडगेवार (1925 से 30 और फिर 1931 से 1940) के बाद के पांच सरसंघ चालक माधव सदाशिवराव गोलवलकर 'गुरुजी' (1940 से 1973), मधुकर दत्तात्रेय देवरस उपाख्य बालासाहेब देवरस (1973 से 1993) प्रोफ़ेसर राजेंद्र सिंह उपाख्य रज्जू भैया (1993 से 2000), कृपाहल्ली सीतारमैया सुदर्शन उपाख्य सुदर्शनजी (2000 से 2009) डॉ. मोहनराव मधुकरराव भागवत (2009 से अबतक) भी मानते रहे कि हमारा संगठन सांस्कृतिक है. तो विवाद किस बात का? क्या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विधान में लिखा है कि बीजेपी जब सत्ता में होगी, उसकी निगरानी, निर्देशन और मार्गदर्शन सरसंघचालक करेंगे? संभवतः आरएसएस दुनिया का अकेला 'सांस्कृतिक संगठन' है, जिसके किसान, मुसलमान, महिला, युवा, व्यापार-कामगार और विदेशी मामलों जैसे घटकों से जुड़े 22 से अधिक अनुषांगिक तंज़ीमें हैं. संयोग है कि सरसंघ चालक डॉ. केशव हेडगेवार पेशे से डॉक्टर थे और उनके मौजूदा समकक्ष मोहन भागवत भी डॉक्टर हैं, लेकिन पशुओं के. बीच के सर संघचालकों में से कोई भी डॉक्टर नहीं था, सिवा डॉ. लक्ष्मण वासुदेव परांजपे के. नागपुर में सभी इन्हें ₹डॉ. दादा₹ के नाम से जानते थे. जंगल सत्याग्रह की वजह से डॉ. हेगडेवार सालभर के लिए जब जेल गए, तो 1930 -31 में 'डॉ. दादा' को ही कार्यकारी सरसंघचालक की ज़िम्मेदारी दी गई थी.

बहरहाल, एक डॉक्टर के समक्ष जब 'मल्टी ऑर्गन डिसऑर्डर' से ग्रस्त कोई मरीज़ होता है, तो उसके सामने बड़ी चुनौती दरपेश होती है. पिछले दस वर्षों से इस 'मरीज़' का इलाज छिप-छिपाकर हो रहा था. लेकिन जब वह लाइलाज होने लगा तो 'डॉक्टर की क्लिनिक' से एक-एक कर बयान बाहर आने लगे. इसी कड़ी में आरएसएस के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य इंद्रेश कुमार के बयान को देखा जाना चाहिए. गुरुवार को जयपुर के पास कानोता में रामरथ अयोध्या यात्रा दर्शन पूजन समारोह में इंद्रेश कुमार बोले, ₹राम सबके साथ न्याय करते हैं. 2024 के लोकसभा चुनाव को ही देख लीजिए. जिन्होंने राम की भक्ति की, लेकिन उनमें धीरे-धीरे अंहकार आ गया. जो शक्ति उसे मिलनी चाहिए थी, वह भगवान ने अहंकार के कारण रोक दी. इसलिए प्रभु का न्याय विचित्र नहीं है. सत्य है. बड़ा आनंददायक है." इंद्रेश कुमार की यह टिप्पणी आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान के कुछ दिनों बाद आई है. सबसे पहले सरसंघचालक मोहन भागवत ने मणिपुर में अनवरत चल रहे अशांति का मुद्दा उठाया था. उसके प्रकारांतर उन्होंने कहा था कि एक सच्चे 'सेवक' में अहंकार नहीं होता और वह मर्यादा से चलता है. उस मर्यादा का पालन करके जो चलता है, वह कर्म करता है, लेकिन कर्मों में लिपटा नहीं होता. उसमें अहंकार नहीं आता कि सबकुछ मैंने किया. एक सच्चा 'सेवक' गरिमा बनाए रखता है. वह काम करते समय मर्यादा का पालन करता है. उसे यह कहने का अहंकार नहीं है कि 'मैंने यह काम किया'. सिर्फ उस व्यक्ति को सच्चा 'सेवक' कहा जा सकता है. मोहन भागवत जिसके लिए कह रहे थे, क्या वह अमर्यादित है? अहंकारी है? 'सबकुछ मैंने किया' के सिंड्रोम से ग्रसित है? लेकिन लोग उस व्यक्ति विशेष का नाम जानना चाहते थे. सच है कि 2014 के कालखंड में सरसंघचालक मोहन भागवत ने ही नरेंद्र मोदी के नाम पर अंतिम मुहर लगाई थी. सुरेश सोनी, जिन्हें अक्सर 'टर्मिनेटर' के रूप में जाना जाता है, ने आरएसएस में लालकृष्ण आडवाणी के समर्थन आधार को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. संघ के शीर्ष नेतृत्व में नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद के लिए समर्थन देने वाले वह पहले व्यक्ति थे. बाद में वही सुरेश सोनी बीजेपी सरकार और संघ के बीच समन्वयक की अहम् ज़िम्मेदारी सम्हालने लगे थे. आम चुनाव से ठीक पहले, मार्च में दत्तात्रेय होसबोले ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की नई कार्यकारिणी में 2024-27 के कार्यकाल के लिए छह सह-सरकार्यवाह नियुक्त किए. इस बार कार्यकारिणी की संख्या पांच से बढ़ाकर छह कर दी गई. जो सबसे चौंकाने वाली खबर थी, वह यह कि डॉ. मनमोहन वैद्य को जगह नहीं मिली. नवनियुक्त सह-सरकार्यवाहों में कृष्ण गोपाल, सीआर मुकुंद, अरुण कुमार, राम दत्त चक्रधर, अतुल लिमये और आलोक कुमार के नाम सामने आये. डॉ. मनमोहन वैद्य लम्बे समय से मोदी और अमित शाह को चुभते रहे थे. सीएम रहते नरेंद्र मोदी का डॉ. मनमोहन वैद्य से छत्तीस का आंकड़ा था, तब वे गुजरात मामलों के प्रभारी थे. मोदी के कहने पर ही उन्हें गुजरात से हटा दिया गया था. फिर जब मोदी का केंद्र में क़द बढ़ा तो डॉ. वैद्य हाशिये पर जा चुके थे. समझा जाता है कि इस बार डॉ. मनमोहन वैद्य को मोदी के दबाव में ही होसबोले ने हटाया था.

संघ मुख्यालय में आये दिन एक सवाल मुखर रहता है, 73 वर्षीय मोहन भागवत कब अवकाश ग्रहण करेंगे? यों, आरएसएस में सरसंघ चालक स्तर पर रिटायरमेंट की कोई प्रक्रिया नहीं रही है. डॉ. केशव हेडगेवार से लेकर रज्जू भैया के समय तक संघ में सत्ता हस्तांतरण का इतिहास देख लीजिये. 10 मार्च 2000 को रज्जू भैया की जगह नंबर टू पर रहे एचवी शेषाद्रि ने स्वास्थ्य कारणों से जब सत्तारोहन से इंकार कर दिया, तब कृपाहल्ली सीतारमैया सुदर्शन सरसंघ चालक बनाये गए थे. पिछले दशक की समाप्ति से पहले केएस सुदर्शन काफी बीमार रहने लगे, चुनांचे मार्च 2009 में मोहन भागवत को छठा सरसंघचालक नियुक्त कर स्वेच्छा से पदमुक्त हो गये. चुनाव बाद यह चर्चा चरम पर थी कि संघ सबसे ख़राब प्रदर्शन करनेवाले मोदी को पीएम पद पर तीबारा पदासीन नहीं होने देगा. अब यह चर्चा सत्ता के गलियारों में है कि मोहन भागवत सरसंघ चालक की पाली लम्बे दिनों तक नहीं खेल पाएंगे. यह जोखिम भरा है. नीत्से के उस वाक्य की तरह, ₹लिव डेंजरस्ली.₹ बिल्कुल आत्मघाती !

बोधि-वृक्ष

सुज्ञ

ईमानदारी की अपेक्षा

ईमानदारी बहुत अच्छा गुण है. ऐसा गुण जो अपने आपके प्रति भी जिम्मेदार बनाता है और दूसरों के प्रति भी, लेकिन दुर्भाग्यवश समाज में बेईमानों की आबादी ईमानदारों की तुलना बहुत अधिक है. हम चाहते हैं कि हमारे सामने जो भी आये वह कम से कम ईमानदार जरूर हो. ऐसी चाह के साथ हम आत्मावलोकन नहीं कर पाते कि हम कितना ईमानदार हैं. गांव में एक पशुपालक रहता था जो दूध से दही और मक्खन बना, बेचकर रोजी चलाता था. हमेशा की तरह आज भी उसकी पत्नी ने मक्खन तैयार करके दिया, और वह उसे बेचने के लिए अपने गांव से शहर की तरफ निकल पड़ा. मक्खन गोल पिंडी के आकार में होता था और प्रत्येक पिंडी का वज़न एक किलो था. शहर मे किसान ने उस मक्खन को हमेशा की तरह अपने रोज के दुकानदार को बेच दिया. बदले में दुकानदार से चायपत्ती, चीनी, तेल, साबुन, मसाले व दालें वगैरहा खरीदकर वापस अपने गांवव चला गया. किसान के जाने के बाद, दुकानदार को मक्खन फ्रिज़र मे रखते हुए सहसा खयाल आया कि क्यूँ ना आज एक पिंडी का वज़न कर ही लिया जाए. वज़न करने पर पिंडी सिर्फ 900 ग्राम उतरी. हैरत और संदेह से उसने सारी पिंडियाँ तोल डाली. प्रत्येक पिंडी 900-900 ग्राम ही थी. व्यापारी छले जाने के विषाद से भर उठा. अगले हफ्ते किसान हमेशा की तरह मक्खन लेकर जैसे ही दुकानदार की दहलीज़ पर चढ़ा. दुकानदार आक्रोश में चिल्लाते हुए, किसान से कहा, कि वह दफा हो जाए, उसे किसी बे-ईमान और धोखेबाज़ व्यक्ति से व्यापार नहीं करना!! एक किलो बताकर, 900 ग्राम मक्खन थामानेवाले धूर्त की वह शक्ल भी देखना नही चाहता. किसान ने अनुनय विनय की. बड़ी ही विनम्रता से दुकानदार से कहा ₹मेरे भाई मैं धूर्त नहीं हूं. मुझ पर संदेह न करो, हम गरीब अवश्य है किन्तु ठग नहीं. हमारे पास एक पुरानी सी तुला है, तोलने के लिए बाट (वज़न) खरीदने की हमारी हैसियत नहीं, इसलिए जो एक किलो चीनी आपसे तुलवाकर ले जाता हूं, उसी पैकेट को तराजू के एक पलड़े मे रखकर, दूसरे पलड़े मे भारोभार मक्खन तोल लेता हूं. दुनिया से ईमानदारी चाहने से पहले, हमें अपने गिरेबान में झांक कर अवश्य देख लेना चाहिए कि हम स्वयं दुनिया के साथ कितने ईमानदार है. अक्सर स्वयं की बेईमानी तो हमें चतुरता लगती है, या बौद्धिक चालाकी लगती है, किन्तु जब दुनिया से वही पलटकर हमारे सामने आए, तो हमारा क्रोध और आक्रोश नियंत्रण में ही नहीं रहता. यदि हम चाहते है जगत में ईमानदारी का प्रचलन हो, तो सर्वप्रथम हमें दृढता और निष्ठापूर्वक ईमानदार रहना होगा.

मोदी के तीसरे कार्यकाल की वैश्विक चुनौतियां

देशांतर

जी. पार्थसारथी

भले ही कुछ आलोचकों का स्वभाव है भारत की आर्थिक नीतियों पर नुक्ताचीनी करना, लेकिन अंतरराष्ट्रीय तौर पर मान्य है कि अपने आर्थिक उदारवाद के साथ -किसी समय रहे लाइसेंस, परमिट, कोटा राज के अंत के बाद- भारत की आर्थिक वृद्धि दर तेजी से बढ़ रही है. स्वयं भारत और दुनिया भी मानती है कि इस बदलाव के मुख्य सूत्रधार डॉ. मनमोहन सिंह थे, जिनका योगदान देश के प्रधानमंत्री रहते हुए भी सर्वमान्य रहा. यह गौरतलब है कि मुक्त अर्थव्यवस्था बनाने को उनके उठाए कदम नए आयामों में बदल गए. दुनिया भी मानती है कि भारत विश्व की सबसे तेजी से तरक्की करती अर्थव्यवस्था है. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का आकलन है कि इस साल भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.6 फीसदी रहेगी. हालांकि, भारत उच्च आर्थिक विकास दर पाने की ओर अग्रसर है, किंतु यह बात ध्यान में रखनी होगी कि विश्व में इसका रुतबा और प्रभामंडल अधिकांशतः मजबूत आर्थिकी एवं तकनीकी तरक्की से ही तय होगा. इस जरूरी आवश्यकता के चलते, एकदम साथ लगते पड़ोसियों से संबंध सुदृढ़ करने के अलावा भारत के समक्ष विकल्प कम ही हैं. इस ढंग के, जिनसे सुरक्षा एवं शांति सुनिश्चित हो, पश्चिम में लाल सागर-फारस की खाड़ी से लेकर पूरब में मलक्का की खाड़ी तक के इलाके में. अब यह व्यापक तौर पर मान्य है कि जो मुख्य चुनौतियां भारत के सामने अपनी सीमाओं पर और उनसे पार हैं, वे चीन की विस्तारवादी महत्वाकांक्षा और नीतियों से उपजी हैं. लंबे समय तक भारत तेल संपन्न खाड़ी क्षेत्र से नज़दीकी रिश्ते बनाने की आकांक्षा रखता आया है, जहां पर लगभग 60 लाख भारतीय कामगार रोजी-रोटी कमा रहे हैं. एक ओर भारत ने सऊदी अरब के साथ नजदीकी संबंध स्थापित कर लिए हैं, वहीं दूसरी तरफ यूएई के साथ पहले से अच्छे संबंधों को और प्रगाढ़ किया जा रहा है. अमेरिका और सऊदी अरब के बीच रिश्ते पुनः मधुर बनाने में भारत की भूमिका अहम रही, जब अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा सऊदी अरब के राजपरिवार को लेकर की गई नागवार टिप्पणी के बाद, सऊदी अरब की पलटवार बयानबाजी के बाद इनके संबंध तल्ख हो गए थे. अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक स्लिवन और सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान के बीच हुई वार्ता में यूएई के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शेख तहनून बिन ज़ायद अल नाहयान भी उपस्थित थे. इन वार्ताओं के एक सूत्रधार भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल थे. यूएई, अमेरिका और भारत के बीच सहयोग बढ़ाने के वास्ते एक समझौता हुआ और जल्द ही अंतिम प्रारूप पर दस्तखत किए गए. अब पड़ोस के छह अरब राष्ट्रों सहित हिंद महासागर क्षेत्र के पश्चिमी किनारे तक के इलाके में उत्तरोत्तर सकारात्मक एवं सहयोगात्मक भूमिका निभाने के लिए भारत का मंच तैयार है. भारत-अमेरिकी संबंध तब से अधिक प्रगाढ़ होते गए जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने तय किया कि हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती ताकत से संतुलन बैठाना भारत के बस की बात है और वह यह करना भी चाहेगा. दोस्ती के नाटक के बावजूद चीन की नीतियां भारत के प्रभाव को सीमित करने से बंधी हुई हैं. चीन पाकिस्तान के मिसाइल एवं परमाणु क्षमताओं को मजबूती देने का काम जारी रखे हुए हैं. भारत की अफगानिस्तान की तरफ लगती पश्चिमी सीमा के साथ और परे, चीन पाकिस्तान के साथ निकट सहयोग बनाकर काम कर रहा है. ईरान के साथ रिश्ते मजबूत करने के भारत के हालिया प्रयास, जिसमें सामरिक रूप से अहम चाबहार बंदरगाह का विकास कार्य शामिल है, इससे जहां भारत को मध्य एशिया तक और अधिक आर्थिक एवं नौवहनीय पहुंच बनाने में मदद मिलेगी, वहीं अफगानिस्तान तक भारत की पहुंच को अड़ंगे लगाने के पाकिस्तानी प्रयासों की गुजाइश कम बचेगी. भारत-अमेरिका संबंधों पर जिस अहम कारक की छाया पड़ी है, वह है अमेरिकी मीडिया द्वारा भारत में लोकतांत्रिक आजादी पर कथित कुठाराघात को लेकर हो रही निरंतर आलोचना. आमतौर पर महसूस किया जाता है कि इस मीडिया आलोचना को राष्ट्रपति बाइडेन का समर्थन हासिल है. यह भी माना जा रहा है कि यदि साल के अंत में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में भारत के प्रति दोस्ताना रखने वाले ट्रंप विजयी हुए तो इस किस्म की आलोचनाएं बंद हो जाएंगी. हो सकता है भारत उन कुछ देशों में एक हो, जिसके नेतृत्व और लोगों को राष्ट्रपति ट्रंप मित्रवत और बेबाक लगें, जब वे भारत आए थे. चीन को लेकर ट्रंप में न तो कोई भ्रम है न ही उम्मीदें और पाकिस्तान के बारे में सोचने की तरफ भी उनका झुकाव कम ही रहा है.

> अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक स्लिवन और सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान के बीच हुई वार्ता में यूएई के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शेख तहनून बिन ज़ायद अल नाहयान भी उपस्थित थे. इन वार्ताओं के एक सूत्रधार भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल थे. यूएई, अमेरिका और भारत के बीच सहयोग बढ़ाने के वास्ते एक समझौता हुआ और जल्द ही अंतिम प्रारूप पर दस्तखत किए गए.

खेती को आर्थिक तौर पर व्यवहार्य बनाना जरूरी

कृषि

डॉ. देविंदर शर्मा

पिछले 10 वर्षों में ग्रामीण मज़दूरी स्थिर है या घटती रही है, और खेती घाटे का सौदा बनी हुई है. ऐसे में चुनावी नतीजों में किसानों का मोहभंग निश्चित रूप से झलकता है. सत्तासीन दल को न केवल किसानों के प्रति उपेक्षा और उदासीनता बल्कि उनके विरोध-प्रदर्शनों के समक्ष मनमानी और पुलिस दमन का भी परिणाम भुगतना पड़ा. बताते हैं कि पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र में किसानों के प्रभाव वाले कम से कम 38 संसदीय सीटें कांग्रेस के खाते में गई हैं.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की दिक्कतों को स्वीकार किया, जब उन्होंने परिणाम के बाद भाजपा मुख्यालय में विजय भाषण में कहा : 'हम बीजों की खरीद के स्तर से लेकर बाज़ारों में बिक्री के स्तर तक कृषि को आधुनिक बनाने के कार्य को प्राथमिकता देते रहेंगे. दालों से लेकर खाद्य तेलों तक, हम अपने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार काम करेंगे.' लेकिन आगे बढ़ने से पहले, मुझे लगता है कि पहले यह समझना ज़रूरी है कि कृषि संकट नाकाफी आधुनिकीकरण के कारण है या इसलिए है कि कृषि को जान-बूझकर दरिद्र रखा गया है. हम किसानों को गारंटीशुदा कीमत न देने के सवाल पर आंखें मूंदकर नहीं बैठ सकते, ताकि पहले आजीविका के गंभीर मुद्दों पर ध्यान दिया जा सके. कई विशेषज्ञ कहेंगे कि इसका समाधान फसल विविधीकरण में है. परंतु जो बात बड़ी आसानी से नजरअंदाज कर दी जाती है वो यह कि विविधीकरण के लिए पहली जरूरत है यह यकीनी बनाना कि मुहैया कराये जा रहे विकल्पों से होने वाली शुद्ध प्राप्ति किसानों को गेहूं और धान फसल चक्र से होने वाली कमाई से कम न हो. हालांकि किसानों को गेहूं और धान पर एमएसपी मिलता है, लेकिन यह अपेक्षित लागत और लाभप्रदता के अनुरूप नहीं होता है. किसी भी हालत में पहला कदम तो स्वामीनाथन कमीशन के फॉमूले के अनुसार कीमत गारंटी यकीनी बनाना होना चाहिये.इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सघन खेती की पद्धतियों के चलते कृषि कार्यों में स्थिरता का संकट है, लेकिन दशकों से कृषि आय में उतरोतर तीव्र गिरावट ने खेती को अलाभकारी बना दिया है. यह बात बड़े ही आराम से छुपा दी जाती है. हाल ही के वर्षों में हरियाणा के युवाओं में पैदा हुई प्रवास की ललक ग्रामीण परिवेश में छाये संकट का सबूत है. किसी भी गांव में चले जाइये, आपको किस्से सुनने को मिलेंगे कि विदेश के सपनों को पूरा करने के लिए जमीन बेची जा रही है. खेती से ज्यादा कुछ नहीं प्राप्त हो रहा, और शहरों में जॉब के अवसर सीमित होने के चलते किसानों के पास जमीन बेचकर अपने बच्चों को विदेश भेजने के अलावा विकल्प कम ही बचता है. यहां तक कि बच्चों को विदेश भेजने का क्रेज अनुसूचित जाति के परिवारों में भी बढ़ रहा है, जिनमें से कई ने तो बच्चों को बाहर भेजने के लिए भारी-भरकम कर्ज भी लिया है. कैथल जिले के धेरड़ू गांव के 70 वर्षीय किसान मीडिया को गर्व से बताते हैं, 'हमारे गांव से ज्यादातर लड़के जा चुके हैं. यहां पीछे केवल उनके अभिभावक ही रहते हैं. हमारे गांव में कुल 1100 वोट हैं. और यदि सभी लोग वोट डालें तो भी 800 से अधिक नहीं बनेंगी. बाकी तो बाहर चले गये हैं.'निःसंदेह, किसानों के कल्याण को उस तरह का ध्यान और प्राथमिकता नहीं मिली जिसके वे हकदार थे. यदि कृषि एक घाटे वाली गतिविधि है, जैसा कि अध्ययन बताता है, तो नई योजनाओं की घोषणा करना या परिष्कृत तकनीक पेश करना व्यर्थ है, जो खेती को आर्थिक व्यवहार्यता के गहरे संकट से बाहर निकालने में मदद कर सकता है. सरकार का जोर तुरंत कृषि आय बढ़ाने के तरीके और साधन खोजने पर केंद्रित होना चाहिए. कृषि आय में गिरावट इसलिए नहीं है कि किसान मेहनती और उद्यमशील नहीं हैं; ऐसा सिर्फ इसलिए है कि जब किसान खेती कर रहे होते हैं तो उन्हें इस काम में हो रहे घाटे का अहसास नहीं होता है.इसलिए एनडीए की नयी गठबंधन सरकार को खेती-किसानी के मोर्चे पर जारी गड़बड़ी पर नये सिरे से विचार करना चाहिये. अब 75 से भी अधिक वर्षों में विभिन्न उपायों से कृषि उत्पादन बढ़ा है, लेकिन कृषि संकट गहराता जा रहा है. साल 2047 तक विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए खेती को लाभदायक व आर्थिक तौर पर व्यवहार्य बनाना जरूरी है.

> खेती से ज्यादा कुछ नहीं प्राप्त हो रहा, और शहरों में जॉब के अवसर सीमित होने के चलते किसानों के पास जमीन बेचकर अपने बच्चों को विदेश भेजने के अलावा विकल्प कम ही बचता है. यहां तक कि बच्चों को विदेश भेजने का क्रेज अनुसूचित जाति के परिवारों में भी बढ़ रहा है, जिनमें से कई ने तो बच्चों को बाहर भेजने के लिए भारी-भरकम कर्ज भी लिया है.

मीडिया में अन्यत्र

स्विट्जरलैंड शांति समझौता बेनतीजा क्यों रहा

बर्गेनस्टॉक में खत्म हुए दो-दिवसीय "शांति शिखर-सम्मेलन" के मिले-जुले नतीजे रहे. स्विट्जरलैंड 90 से ज्यादा देशों को साथ लाने में सफल रहा, जिनमें से 56 की नुमाइंदगी नेताओं ने की और अंतिम साझा बयान पर भारत समेत चंद अपवादों को छोड़कर, लगभग 82 देशों एवं संगठनों ने दस्तखत किये. इस दस्तावेज ने "यूक्रेन के खिलाफ रूसी फेडरेशन के जारी युद्ध" को खत्म करने का सशक्त आह्वान किया और संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता एवं अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति प्रतिबद्धता की पैरवी की. इसने व्यापक आपसी सहमति के तीन क्षेत्रों का उल्लेख किया, नाभिकीय सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और सभी युद्धबंदियों, विस्थापित व हिरासत में लिये गये यूक्रेनियाई लोगों की अदला-बदली. यह बयान अपने इरादे में बहुत महत्वाकांक्षी नहीं था, क्योंकि आयोजक बहुत सारे देशों (खासकर 'ग्लोबल साउथ' से) को साथ लाने के लिए उत्सुक थे – जो वे कुछ हद तक करने में कामयाब रहे. हालांकि, इन सब क्षेत्रों को यूक्रेनियाई राष्ट्रपति जेलेंस्की द्वारा "ऐतिहासिक जीत" बताये जाने के बावजूद, कुछ खामियां थीं. रूस को आमंत्रित नहीं करने के स्विट्जरलैंड के फैसले और अपनी बातचीत की बुनियाद संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों के साथ-साथ 'यूक्रेन पीस फार्मूले' को बनाने से, यह आयोजन एकतरफा लगा. मॉस्को पर शायद सर्वाधिक प्रभाव रखने वाले चीन को एक प्रतिनिधिमंडल तक भेजने के लिए राजी नहीं कर पाना, एक और झटका था. किसी ब्रिक्स सदस्य, चाहे वर्तमान हो या भावी, का बयान पर दस्तखत नहीं करना यह इशारा करता है कि उभरती अर्थव्यवस्थाओं में इसे लेकर नाउम्मीदी थी. स्विट्जरलैंड, यूक्रेन और दूसरे पश्चिमी देशों ने इस सम्मेलन के लिए भारत का साथ हासिल करने के वास्ते विशेष प्रयास किया. इसमें अंतिम क्षणों में की गयी जेलेंस्की की वह अपील भी शामिल है जो उन्होंने इटली में 'जी-7 आउटरीच समिट' में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के दौरान की. रूस के एक करीबी साझेदार, ग्लोबल साउथ के एक प्रमुख खिलाड़ी और इस संघर्ष में संतुलित रुख अपनाने वाले एक देश के रूप में, भारत की मौजूदगी आयोजकों के लिए एक बड़ी जीत होती. हालांकि, जेद्दा और दावोस में दो तैयारी सम्मेलनों के लिए नयी दिल्ली ने एनएसए और डिप्टी एनएसए को भेजा, लेकिन यहां पर भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) ने किया. संयुक्त राष्ट्र, सुरक्षा परिषद, आईएईए, मानवाधिकार परिषद और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर, यूक्रेन पर आक्रमण के लिए रूस की निंदा करने वाले हर प्रस्ताव से भारत लगातार अलग रहा. हो सकता है कि भारत सम्मेलन में जारी बयान के ज्यादातर हिस्से के साथ अपनी चिंताएं साझा करता हो, लेकिन वह खुले रूस-विरोधी झुकाव के साथ आगे नहीं बढ़ सकता था. (द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

पलक/पालक

अधरों में राग अमंद पिये, पलकों में मलयज बंद किये, तुम अबतक सोयी हो आली, आंखों में भरी विहाग री, बीती विभावरी जाग री. आप तो समझ ही गये कि यह महाकवि जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित गीत का एक अंतरा है. महाकवि ने इन पंक्तियों द्वारा नायिका के सौंदर्य का अद्भुत वर्णन किया है, वह नायिका जिसके अधरों पर कभी मंद नहीं होनेवाला राग है और जिसके पलकों में मलयज बंद हैं. मलयज चंदन को कहा जाता है. जो अपनी आंखों में विहाग भर कर अभी तक यानी भोर होने के बाद भी सो रही है. विहाग रात्रि के दूसरे पहर में गाया जानेवाला राग है. यह राग शृंगार रस का द्योतक है. चर्चा के मूल में पलक है, जिसमें नायिका ने मलयज बंद कर रखा है. पलक संस्कृत तत्सम संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. फिल्मी गानों में पलक शब्द का प्रयोग खूब किया गया है. जैसे-बिखरी अलकें, खुली-खुली पलकें, आंचल में ये रूप छुपाये, ऐसे आये छुई-मुई सी नजर से छू लूं तो कुम्हलाये...पलकों में यूं ही रहना तू प्यार-प्यार बनके आई हो मेरी जिंदगी में...पलक आंखों को ढकने वाली वह त्वचा है, जिसके गिरने और उठने से आंखें बंद होती हैं या खुल जाती हैं. नेत्रों के सुरक्षात्मक आवरण को पलक कहा जाता है. पलकों को गिरने में जितना समय लगता है, उसे निमिष कहा जाता है. शातिर चोर पलक झपकते ही सामान ले कर फुर्र हो जाते हैं. किसी का प्रेमपूर्वक स्वागत करना होता है तो लोग पलक-पांवड़े बिछा देते हैं. ये सब पलक से बनने वाले मुहावरों का प्रयोग है. पलक के पहले अक्षर में आकार की मात्रा लग जाये तो शब्द बनेगा पालक. पालक तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है, जिसका अर्थ है पालन करनेवाला, पिता, राजा, नरपति, अश्वरक्षक, साईस, अश्व, तुरंग, पाला हुआ लड़का, दत्तक पुत्र, एक प्रकार का साग. पालक अमरंथेसी कुल का फूलनेवाला छोटा पौधा होता है, जिसकी पत्तियां और तने साग के रूप खाते हैं.

सूप पीने का अलग ही आनंद है!

तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

हम सब केवल सब्जी ही नहीं खाते, सब्जियों का शोरबा भी स्वाद से पीते हैं. इसे झोल या रसा भी कहा जाता है. इसी झोल के लिए अंग्रेज़ी शब्द 'सूप' है. आजकल सूप लेना भोजन शिष्टाचार का एक अंग बन गया है. सूप एक प्रकार का खाद्य पदार्थ है जो मीट और सब्जियों जैसी खाद्य सामग्री से बनाया जाता है. किसी भी प्रकार का शोरबा या किसी खाद्य पदार्थ का रसा ही 'सूप' होता है. सूप स्वाद और सेहत से भरपूर होते हैं. सर्दी के मौसम में गरम सूप के जायके का कहना ही क्या है! कई लोगों को यह गलतफहमी है कि हिन्दुस्तानी ज़बान में यह शब्द, 'सूप' अंग्रेज़ी भाषा से आया है. बात संभवतः ठीक इसके विपरीत है. अंग्रेज़ी शब्द भण्डार में तो सूप बहुत बाद में आया होगा. इसकी उपस्थिति हमें संस्कृत/प्राकृत भाषाओं में बहुत पहले से मिलती है. इसी सूप से रसोइये के लिए प्रयुक्त होने वाले शब्द, 'सूपकर्ता', 'सूपक', 'सूपकार' आदि निर्मित हैं. पूरा का पूरा एक सूपशास्त्र है. जो भोजन सूप और घृत से समन्वित है वही श्रेष्ठ भोजन है – 'भोजनं देहि राजेन्द्र घृत-सूप-समन्वितम'. भारतीय संस्कृति में पकी हुई दाल या सब्जी के रसे को सूप कहते हैं. यूरोप और अमेरिका में सूप या शोरबा के अस्तित्व का प्रमाण काल, 6000 ईपू से मिलता है. फ्रांसीसी भाषा में यह शब्द 'सूपे' है, जो अंग्रेज़ी में आते आते सूप हो गया. सूप का प्रयोग मूलतः रोगियों के लिए साग-सब्जी, मांस-मछली आदि से तैयार किए गए शोरबे के रूप में हुआ करता था. लेकिन आजकल सूप सामान्य भोजन का भी एक आवश्यक अंग बन गया है. सूप के अनेक प्रकार, प्रयोग तथा लाभ बताए जाते हैं. आज तो बाज़ार में डिब्बा-बंद सूप (कैंड) भी मिलता है. यह तैयार सूप है. बस, डिब्बा खोलिए और उसमें बंद तरल पदार्थ में थोड़ा और पानी मिला कर गर्म कर लीजिए. सूप तैयार है. इसी तरह आज बाज़ार में सूखे पाउडर के रूप में भी सूप मिलता है. पानी में घोलिए और गरम कर लीजिए. सामग्री के हिसाब से सूप को दो प्रकारों में विभाजित किया जा सकता है – साग सब्जी से बना सूप शाकाहारी सूप है जब कि मांस मछली को उबाल कर बनाया गया सूप मांसाहारी कहा जा सकता है. शाकाहारी सूप के खाद्य पदार्थ के अनुसार अनेक रूप हो सकते हैं. टमाटर का सूप, पालक का सूप, सहजन का सूप, मशरूम का सूप, मिश्रिय सब्जियों का सूप इत्यादि. हर ज़ब्ज़ी का उपयोग हम सूप के लिए नहीं कर सकते. सूप में उपयोग आने वाली सब्जियां 'सूप्य' कहलाती हैं. वैसे तो सूप पतला ही लिया जाता है, लेकिन उसे थोड़ा गाढ़ा करने के लिए उसमें ब्रेड के टुकडे डाल दिए जाते हैं. रावण की बहन का नाम शूर्पणखा था जो राम पर आसक्त हो गई थी. लक्ष्मण ने उसकी नाक काट दी थी. भारत में अक्सर सूप के समान नख वाली स्त्री को सूपनखा कह दिया जाता है.

Her Story

छुटकू बनाएगा...

ये क्यूट-क्यूट से क्रिएटिव क्राफ्ट

मौसम के तेवर तीखे हैं. धूप के कारण देर शाम तक बच्चों को घर से बाहर निकने की इजाजत नहीं मिलती. ऐसे में घर में क्रिएटिव क्राफ्ट बनाना बेहतर विकल्प है. इसके लिए कुछ हिट्स, कुछ आइडियाज...

बॉटल का एनिमल प्लांटर

इसके लिए चाहिए बस कैंची, प्लास्टिक की बॉटल, पेंट व सजावट का सामान.
प्लास्टिक बॉटल को आप मनचाहे आकार में कैंची या फिर किसी पेपर कटर से मनचाहे आकार में काट लें. इसके बाद इसे पेंट करिए. पेंट की मदद से ही आप इसमें नाक, मुंह, आंख बना दें. इसके बाद आप इसमें मिट्टी और पौधों के बीज डालिए. घर को सजाने के लिए प्लांटर तैयार है.

पेपर फ्लॉवर

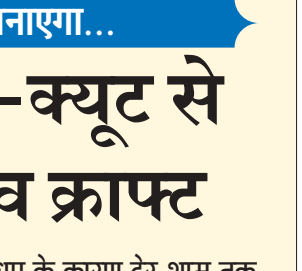

अपने कमरे को सजाने के लिए ये पेपर फ्लॉवर बनाना उन्हें जरूर रास आएगा. कलरफुल पेपर कपकेक लाइनर्स को आधा मोड़ेंगे और पंखुड़ी और फ्रिंज के आकार को काट देंगे. उनसे फूलों के तार के एक टुकड़े को आधा मोड़ें को कहें और इसे बाजार में सहजता से उपलब्ध क्राफ्ट स्टेमन के चारों ओर घुमाएं. लाइनर्स के आधार के चारों ओर फ्लॉवर टेप लपेटकर और तने के नीचे तक लाकर इसे समाप्त करें.

एनिमल बुकमार्क

आइसक्रीम स्टिक, स्केच पेन, कुछ रंग-बिरंगे पेपर, फेविकोल और एक कैंची...बस इतने सामान से क्यूट-क्यूट से एनिमल बुकमार्क तैयार होंगे कि बच्चों से एक खुद के लिए भी बनाने को कहने के लिए मचल जाएंगी आप.

डाइनासोर नाइट लाइफ टेरारियम

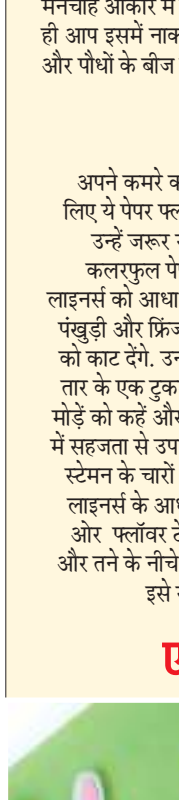

मेसन जार से मिनी प्लास्टिक डायनासोर के लिए टेरारियम बनाएं. इसमें अगर आप बल्ब फिट करवा दें तो यह उन बच्चों के लिए एक क्रिएटिव नाइट लैंप भी बन जाएगा जिससे अंधेरे से डरना कम होगा.

किचन पेपर रॉल

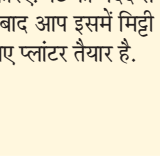

किचन पेपर रॉल को फेंकने की जगह बच्चों को दें, वे इसे पेंट कर डायनासोर बना देंगे जो उनके स्टडी टेबल पर बहुत खूबसूरत नजर आएगा.

प्लास्टिक बॉटल बर्ड फीडर

गर्म मौसम में चिड़िया के दाना पानी की व्यवस्था के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करें. प्लास्टिक की बॉटल, कैंची, रस्सी और चिड़िया के दाने बस इतने सामान से प्लास्टिक बॉटल बर्ड फीडर तैयार हो जाएगा. इसके लिए प्लास्टिक की बॉटल को इस तरह से काटें कि एक तरफ से तो उसमें प्लास्टिक बचे और दूसरी तरह से पूरा खाली हो, सिर्फ नीचे की ओर दाना रखने की जगह रहे. इसके बाद चाहें तो इसे पेंट कर लें. रस्सी की मदद से अपने घर की बालकोनी या खिड़की या फिर किसी पेड़ की डाली पर लटकाएं. इसमें चिड़ियां के लिए दाना ला कर रख दें.

कार्डबोर्ड सन

कार्डबोर्ड की मदद से यह सूरज बच्चे बना सकते हैं और अपनी रचनात्मकता व कलात्मकता के हिसाब से इसमें परिवर्तन भी कर सकते.

बॉटल कैप कोस्टर

इसे बनाने के लिए बस ढेर सारे बॉटल कैप, ग्लू और पेंट चाहिए. बॉटल कैप को एक साथ रखकर ग्लू कीजिए. इसके बाद इसे पेंट कर दें.

मासूम, नटखट ये बातें बच्चों की

बात उन दिनों की है जब मेरी बेटी तीन-साढ़े तीन साल की रही होगी. रांची में होटल रेडिशन ब्लू के सामने स्थित एक ऑटो पर बेटी के साथ बैठी इसके खुलने का इंतजार कर रही थी. सामने होटल से किसी बारात के निकलने की तैयारी चल रही थी. बेटी ने पूछा, होटल में क्या हो रहा? मैंने कहा कि किसी की शादी होटल से हो रही. उसने जरा ठहर कर कहा, शादी! शादी में मेहमानों के लिए क्या बना होगा? मैंने यूं ही कह दिया, पता नहीं. तुरंत बिटिया बोली, मुझे पता है. फिर जरा अतिरिक्त उत्साह से कहा- मैगी.. इतना सुनना था कि पिंक ऑटो पर साथ बैठी सारी महिलाएं/लड़कियां हंस पड़ी. यह पल तो जैसे मेरे जेहन में ठहर सा गया. अब भी मैगी को लेकर बेटी की दीवानगी देख यह पल याद आ जाते. बच्चों के ऐसे ही मासूम, नटखट और दिल छू लेने वाले अनुभव शेयर की हैं कुछ मां ने.

"मेरा बिस्किट वापस कीजिए भगवान जी"

रेणु झा रेणुका

मेरी बेटी नेहा और बेटा आशीष संत मेरी स्कूल में पढ़ते थे. बेटी चतुर्थ क्लास में बेटा क्लास टू में. संयुक्त परिवार, मैं स्कूल टीचर थी. परिवार और जॉब के साथ मैंने महसूस किया कि मैं बच्चों को समय बहुत कम दे रही हूं इसलिए एक ट्यूटर की व्यवस्था करके थोड़ी निश्चिंत हो गई. टीचर काफी सख्त थे. बेटी पढ़ने में बहुत सक्रिय, बेटा बहुत तेज लेकिन एक घंटे बैठना उसके लिए मुश्किल! एक दिन चार बज गए और टीचर नहीं आए. आशीष को खुशी थी कि आज पढ़ाई से मुक्ति मिलेगी. उसने चार बिस्कुट निकाले और दौड़ते हुए हनुमान मंदिर गया, जो की हमारे मुहल्ले में ही था. मंदिर ग्रिल से लॉक था लेकिन आशीष ने बिस्कुट ग्रिल के फांको से ही बिस्कुट हनुमानजी के सामने दे दिया जो हनुमान जी के करीब नहीं पहुंचा तो उसने अपने एक दोस्त के घर से एक डंडा लेकर उसके सहारे बिस्कुट को हनुमान जी के करीब पहुंचाया और हाथ जोड़कर बोला, "प्लीज हनुमानजी महाराज आप मेरे सर जी को उधर ही रोक लिजिएगा, मैं कल आपको क्रीम वाला बिस्कुट चढ़ाऊंगा." कहने के बाद वो घर की तरफ मुड़ा घर आने के लिए, तभी उसकी नजर सामने से आ रहे सर जी के स्कूटर पर पड़ी. वो ठीठक कर रुक गया और लौटकर वापस मंदिर चला गया, और हनुमान जी के सामने जाकर रोते हुए बोला, "सर जी आ गए हैं, आपने उन्हें नहीं रोक पाए तो अब मेरी बिस्कुट वापस कीजिए, और उसी डंडे के सहारे अपने बिस्कुट वापस निकालने लगा. लेकिन दो ही बिस्कुट बाहर निकल सका. वो अपने दोस्तों को ये जिम्मेदारी सौंप कर, खुद आकर पढ़ने बैठ गया. उसे पता था देर होने पर सर जी उसे सजा देंगे! उसके दोस्तों ने बड़ी कोशिश करके बिस्कुट वापस निकाले और घर पहुंच कर आवाज दी, आशीष! तुम्हारी बिस्कुट, मैं बाहर आई! मुझे उन दोनों ने बिस्कुट देते हुए कहा, आंटी आशीष के बिस्कुट! मैं बोली,कौन बिस्कुट!! तब उन दोनों ने बड़ी मायूसी से सारी बातें बताई, वो दोनों भी हनुमान जी से नाराज थे. मैं उनके निश्छल प्यार, विचार से भाव विभोर हो गई. आज भी किसी बच्चे को टीचर से बचने के लिए बहाने बनाते देखती हूं तो मुझे मेरे बेटे से जुड़ी यह घटना याद आ जाती है.

दूध तो ब्राउन कलर का होता है मम्मी

गीता चौबे गूंज

बात उस समय की है जब मेरा बेटा एलकेजी में पढ़ता था. बहुत ही मासूम और भोला-भाला पर दिमाग से तेज. उस दिन वह टेस्ट देकर आया तो बहुत खुश था. बोला, "मम्मी! आज तो मैंने सारे आंसर सही कर दिए." मेरे द्वारा पूछे गए सभी सवालों के सही उत्तर भी बता दिए. अंतिम प्रश्न था – व्हाट इज द कलर ऑफ मिल्क? इस प्रश्न के जवाब में उसने कहा – "ब्राउन." जब मैंने कहा कि यह तो गलत हो गया. भला मिल्क का कलर ब्राउन होता है! वह तो अड़ ही गया...र नहीं! दूध तो ब्राउन ही होता है. क्या मम्मी! आप भी भुलक्कड़ हो गयीं क्या? तभी उसकी नानी ने आवाज लगायी, "बेटा, बहुत पढ़ाई हो गयी. अब यह दूध तो पी लो!" उसने वह दूध का ग्लास मुझे दिखाते हुए कहा,- "मम्मी! यह देखो दूध. इसका रंग ब्राउन है कि नहीं!" उसके हाथ में बोर्नविटा डला हुआ दूध का ग्लास था जो ब्राउन रंग का था. जब से उसने होश संभाला था, यही दूध पीता आया था. उसने असली दूध तो देखा ही नहीं था कभी.

मैंने सब समझ लिया

रंगोली सिन्हा

तब मेरी बड़ी बेटी 4 साल की थी. हम उसका दाखिला प्ले स्कूल से एक बड़े स्कूल में करवाने जा रहे थे, जहां एडमिशन के लिए लिखित परीक्षा होने वाली थी. हम जोरों शोरों से उसकी तैयारी करवा रहे थे. फिर आया परीक्षा का दिन. परीक्षा में जाने के पहले हमने उसे सब कुछ समझा दिया. परीक्षा देने जा रही थी,तभी उसके दादाजी ने कहा –"बेटा सारे प्रश्न को अच्छे से समझना."
उसने भी बड़ी खुशी से कहा- "ठीक है, दादाजी" और परीक्षा भवन की ओर चल दी वह परीक्षा देने गई हुई थी और बाहर हम घबराए खड़े थे क्योंकि एक तो मेरी बेटी बहुत चंचल थी और दूसरी हमारी इच्छा थी कि उसका दाखिला इस विद्यालय में हो जाए. फिर परीक्षा खत्म हुई वह बाहर आई हमने उससे पूछा कैसी रही परीक्षा उसने मुंह बनाकर बोला अरे! क्वैश्चन बहुत इजी थे. मुझे सब कुछ आता था और मैंने सब समझ लिया. हम उसके चेहरे को ही देखते रह गए हमने कहा कि क्या-क्या लिखा उसका जवाब आया "मैं सब समझ गई" और आ गई उसकी इस जवाब को सुनने के बाद हमें समझ ही नहीं आया कि हम उस पर गुस्सा करें या फिर हंसे पर आज जब उसकी बातें याद आती है तो हमें बहुत हंसी आती है.

स्वयं को किया अर्पित

डॉ कल्याणी कबीर

बात उन दिनों की है जब मैं अपने गांव किसी शादी समारोह में भाग लेने गई थी और मेरे साथ मेरे 3 साल का पुत्र भी था. शादी विवाह के अवसर पर नदी के किनारे कुछ रीति-रिवाज किए जाते हैं तो हम सभी उसी क्रम में नदी के किनारे गए थे जहां भगवान शिव का एक मंदिर बना हुआ था. हम सभी लोग शादी-विवाह के गीत में और रस्मों-रिवाज में लगे हुए थे. अचानक मैंने देखा कि मुझे मेरा बेटा नजर नहीं आ रहा है. अचानक थोड़ी दूर से मैंने देखा कि वह एक शिव मंदिर के भीतर है और घंटी बजाने की कोशिश कर रहा है पर उसके हाथ घंटी तक पहुंच नहीं पा रहे हैं. मैं उससे बहुत दूर थी और वह मुझे दिखाई दे रहा था पर जब तक मैं उसके पास पहुंचती, वह शिव के लिंग पर ही खड़ा हो गया और घंटी बजा दिया और उसके बाद मुझे काटो तो खून नहीं क्योंकि भगवान शिवलिंग पर अपने पैर रख देना हमारे धार्मिक विश्वास और परिपाटी के प्रतिकूल थे. कुछ अनहोनी होने की आशंका से मन घबरा गया था. जब हमने अपनी दादी से इस बात की चर्चा की तो उन्होंने कहा कि परेशान मत हो, ईश्वर सब जानते हैं. यह बालपन और अबोध मन का किया हुआ काम है और फिर हम शिवलिंग पर धतूरा, बेल, दूध, फल-फूल चढ़ाते हैं पर इसने तो स्वयं को ही भगवान शिव पर चढ़ा दिया. उनकी इस बात को सुनने के बाद ही मन थोड़ा शांत हुआ.

मैं ले आउं केले

कल्याणी झा कनक

मेरे पति के काम से लौटने पर मैं थैला से सब्जी निकालते हुए बोली –"आपने केला नहीं लाया?" इतना सुनते ही छोटा बेटा जो तब सातवीं में था, दौड़ते हुए आया –"मैं ले आऊं?" पति ने उसे कहा –" पास के ठेले पर 50 रुपए बोलता है. बात करके 40 रुपए में छः केले लेना. वह केला लाकर पापा को बोला- मैं 40 में ही लाया हूं. पापा बोले- "ठीक है. 30 रू जो बचे हैं, बाल कटवा कर आ जाओ." वह बोला- "मेरे पास पैसे कहां, 40 रुपए केले वाले को दिया और 10 रुपए की चॉकलेट ली." "तुम छःकेले का 40 रुपए दे दिए? बेटा बोला- आप ही तो बोले थे-छः केले लाना और 40 रुपए की लेना. हम आज भी उसे चिढ़ाते है इस प्रसंग पर.

टी, मेरे संग खेलोगी?

श्वेता कुमारी

बिटिया जब नन्हीं सी थी तो पता नहीं क्यों घर की दीवार पर चलती छिपकली को टी कह कर बुलाती और बहुत दोस्ताना भाव रखती. जब भी कुछ खाती, टी को ऑफर करती, कुछ पढ़ती तो उसे भी सुनाती. जब वह खाने में कुछ मना करती तो मेरे लिए भी आसान हो जाता, उसके टी को दिखाते हुए उसे खिलाना. आज जब यह चर्चा करती हूं, मेरी बिटिया जो अब भी बहुत बड़ी नहीं हुई है, अक्सर झेंप सी जाती, कहती-मम्मा तब मैं बेबी थी ना!

बालकोनी के गमले में सेब-नाशपाती के बगान

जयमाला

मेरे दोनों बच्चे शुरू से ही बहुत मेधावी व जिज्ञासु रहे हैं. एक बार की बात है, मैं अपने काम से लौटी तो पूरी बालकनी में मिट्टी और कीचड़ फैला हुआ था. गमले अस्त-व्यस्त थे. पूछने पर दोनों ने बहुत ही गर्व के साथ बताया कि हमने गमलों में सेब और रसीले वाले छोटे-छोटे नाशपाती के बीज लगा दिए हैं. अब आपको बाजार से खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी.
उस समय बेटा चौथी क्लास और बेटी प्रैप में पढ़ती थी. स्कूल से आने के बाद होमवर्क करके तरह-तरह के प्रयोग में लगे रहते.
बेटा खाना खाने में बहुत ही चूजी था जो उसे अच्छा नहीं लगता, उसे लाख समझाने पर भी नहीं खाता था. बहुत मुश्किल से सेब खिला पाती थी. एक बार छोटे-छोटे पियर मुझे बाज़ार में दिखे तो ले आई. बच्चों को सेब से ज्यादा पसंद आया. इंटरनेट की चिड़िया और गूगल बाबा इनकी पहुंच से बाहर की चीज थी. तो सोचा कि देखते हैं इसके पेड़ लगा कर कि कैसे होते हैं और दोनों के स्वाद में इतना फर्क कैसे है. आजकल बच्चों के हर सवाल का जवाब एक टच में उपलब्ध होता है, पर कहीं न कहीं उस तरह के प्रयोग और नादानियों के स्वाद से वंचित रह जाते हैं.

छोटे हों डॉगी के नाखून

पालतू जानवरों को घर में रखना एक बड़ी जिम्मेदारी होती है, कुछ वैसी ही जैसी अपने बच्चों की परवरिश करते हम. इन्हीं में से एक है उनके नाखून का समय पर काटना. आपके यहां भी कुत्ता-बिल्ली या कोई और पेट है तो उसके नाखून को छोटी उम्र से ही कायदे से काटना शुरू कर दें. पेश है कुछ टिप्स...

- यदि आपके पास पालतू पैट है तो उसके नाखूनों को समय-समय पर जरूर साफ करते रहें. इससे अनावश्यक गंदगी नहीं होगी.
- अक्सर पैट नाखूनों को काटने के दौरान इधर-उधर हिलते हैं. ऐसे में घर के सदस्य बड़े प्यार से उसको पकड़ लें. ताकि नाखून काटते समय कहीं कट नहीं लग जाए. यदि आप पहली बार नाखून काट रहे हैं तो पशु चिकित्सक से जरूर प्रशिक्षण लें.
- डॉग्स के नाखून काटने के लिए बाजार में विशेष प्रकार के नेल कटर भी मिलते हैं. इनके नाखूनों को हमेशा छोटा ही रखना चाहिए. नाखून बड़े होने पर डॉग्स को घर में ही चलने में बड़ी परेशानी होती है.
- नाखून काटने के दौरान विशेष सावधानी बरतें, फिर भी नाखून काटते समय यदि कोई कट लग जाए तो तुरंत पशु चिकित्सक के पास लेकर जाएं और उपचार करवाएं.
- जब आपका डॉग छोटा हो तभी से उसके नाखून काटने शुरू कर दें. इससे धीरे-धीरे उसको भी नाखून कटवाने की आदत पड़ जाएगी. बड़े होने पर अचानक उसके नाखून काटने से वह आप पर हमला भी कर सकता है.
- नाखून काटते समय यदि आपका डॉग हिल रहा है तो आप तुरंत रुक जाएं. प्यार से दुलारें. फिर दुबारा नाखून काटें.

आजमाइए ये फ्रूट फेस पैक

कमलजीत कौर
ब्यूटी एक्सपर्ट

झारखंड में पिछले दिनों जैसी गर्मी पड़ी, शायद पहले महसूस नहीं की गई. हमारी त्वचा भी इससे बेहाल रही. ऐसे में फलों के प्राकृतिक तत्व इसे राहत पहुंचा सकते हैं. इससे सूरज के सम्पर्क के प्रभावों से लड़ने के लिए आपकी प्रतिरक्षा में सुधार होगा. खास बात यह है कि आप इनमें से अधिकतर उपाय अपने घर पर आराम से कर सकती हैं-

- **कीवी फेशियल**

कीवी विटामिन ई, सी, के, बी, पोटेशियम, एंटीऑक्सीडेंट और कई अन्य पोषक तत्वों का जबर्दस्त स्रोत है. त्वचा की अधिकांश समस्याओं के लिए इसका उपयोग लाभकारी है.
कैसे लगाएं : एक कटोरी में दो चम्मच दही में कीवी का थोड़ा गूदा अच्छी तरह मिलाएं और चेहरे व गर्दन के हिस्से पर लगाएं. उसे 20 मिनट तक रहने दें. फिर चेहरे को साफ पानी से धो लें.

- **ऑरेंज-सेफ्रॉन फेशियल**

यह एक फेशियल है जो त्वचा को साफ करने और इसे चमकदार बनाए रखने की आवश्यकता को पूरा करता है. विटामिन सी से भरपूर संतरा जहां क्लींजिंग में सबसे कारगर होता है, वहीं केसर त्वचा को चमकदार व स्वस्थ बनाए रखता है.
कैसे लगाएं : संतरे के सूखे छिलकों को पीसकर बुरादा कर लें. दो चम्मच इस बुरादे में कुछ बूंदें संतरे के रस मिलाएं. अब केसर व दूध डालकर मिश्रण तैयार करें. उसे चेहरे व गर्दन के हिस्से पर आधे घंटे तक लगाएं. फिर चेहरा धो लें.

- **पुदीना-स्ट्रॉबेरी फेशियल**

फ्रेशनेस के लिए पुदीने जबर्दस्त असरकारक है. पुदीना के रस और स्ट्रॉबेरी के गुदा को मिला कर लगाना धूप से झुलसी त्वचा में राहत दिलाता है.
कैसे लगाएं : 3-4 स्ट्रॉबेरी लेकर उसे काटकर गूदा तैयार कर लें. अब पुदीने के पत्तियों को लेकर सिलबट्टे पर पीसकर उसका रस निकालें और उसे स्ट्रॉबेरी के गूदे में डालकर अच्छी तरह मिलाएं. उसे चेहरे पर 20 मिनट तक लगाकर रखें.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

स्पोर्ट्स+

ब्रीफ खबरें

वोंद्रोसोवा ने जीत के साथ नये सत्र की शुरुआत की

बर्लिन। विंबलडन चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा ने अपने ग्रास कोर्ट सत्र की शुरुआत बर्लिन लेडीज ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में क्वालीफायर रेबेका मसारोवा के खिलाफ सीधे सेट में जीत के साथ की.पांचवीं वरीय वोंद्रोसोवा ने रेबेका को 6-4, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया. वोंद्रोसोवा ने तीन बार रेबेका की सर्विस तोड़ी और फोरहैंड विनर लगाकर जीत हासिल की. चेक गणराज्य की वोंद्रोसोवा ने फ्रेंच ओपन के पहले दौर में भी स्पेन की इस खिलाड़ी को हराया था. वोंद्रोसोवा दूसरे दौर में अन्ना केलिन्सकाया से भिड़ेंगी.पिछले साल वोंद्रोसोवा विंबलडन खिताब जीतने वाली पहली गैरवरीय महिला खिलाड़ी बनीं थी. उन्होंने फाइनल में 2022 की उप विजेता ओन्स जेब्युर को 6-4, 6-4 से हराया था.

अर्जुन एरिगैसी ने स्टीफन अवग्यान मेमोरियल जीता

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए आर्मेनिया के जर्मुक में स्टीफन अवग्यान मेमोरियल 2024 का खिताब जीता जबकि अभी एक दौर की बाजी खेली जानी बाकी है. भारत के सर्वाधिक रेटिंग वाले खिलाड़ी 20 वर्षीय एरिगैसी ने आठवें दौर में रूस के ग्रैंड मास्टर वोलोदार मुर्जिन को 63 चाल में हराया. इससे उनके चार जीत और इतने ही ड्रॉ के बाद छह अंक हो गए हैं.एरिगैसी ने दूसरे स्थान पर काबिज तीन खिलाड़ियों पर 1.5 अंक की अजेय बढ़त हासिल कर ली है. इस टूर्नामेंट में कुल 10 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं. इस जीत से अर्जुन लाइव रेटिंग में अपने करियर के सर्वोच्च चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं.

पेरिस ओलंपिक में नहीं खेलेंगी सबालेंका व जाबूर

बर्लिन। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन आर्यना सबालेंका और दो बार की विंबलडन फाइनलिस्ट ओन्स जाबूर पेरिस ओलंपिक से हट गई हैं.इन दोनों खिलाड़ियों ने कहा कि वे घास के कोर्ट पर होने वाले विंबलडन के तुरंत बाद क्लेकोर्ट पर नहीं खेलन चाहतीं.बेलारूस की विश्व में तीसरे नंबर की खिलाड़ी सबालेंका ने कहा कि वह पेरिस ओलंपिक में खेलने के बजाय आराम करना चाहेंगी.कहा,'कार्यक्रम बहुत व्यस्त है और मैंने अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर यह फैसला किया. मैं अगली प्रतियोगिताओं के लिए शारीरिक और स्वास्थ्य स्तर पर तैयार होने के लिए आराम करने को प्राथमिकता दूंगी.'ट्यूनीशिया की विश्व में दसवें नंबर की खिलाड़ी जाबूर ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा कि लगातार चौथे ओलंपिक में नहीं खेल पाना दुर्भाग्यपूर्ण है.

अमेरिका के खिलाफ सुपर आठ मुकाबले में नजरें दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों पर

एजेंसी। नॉर्थ साउंड (एंटीगा)

दक्षिण अफ्रीका के विश्व स्तरीय बल्लेबाज बुधवार को यहां टी-20 विश्व कप के अपने शुरुआती सुपर आठ मैच में आत्मविश्वास से भरे अमेरिका के खिलाफ अपनी ताकत दिखाने उतरेंगे तो टीम के पास गलती करने की कोई गुंजाइश नहीं होगी. दक्षिण अफ्रीका की टीम अब तक टूर्नामेंट में अजेय रही है और उसके गेंदबाजों ने सभी चार मैच में शानदार प्रदर्शन किया है.

न्यूयॉर्क के चुनौतीपूर्ण विकेट पर तीन मैच और किंग्सटाउन में एक मैच खेलते हुए दक्षिण अफ्रीका ने एक बार भी 120 रन के आंकड़े को पार नहीं किया है.हालांकि उनका बल्लेबाजी प्रदर्शन उस टीम की छवि पेश नहीं करता जिसमें क्विंटन डिकॉक, हेनरिक क्लासेन, ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर जैसे कुछ बड़े हिटर हैं. लेकिन फिर भी डिकॉक, रीजा हेंड्रिक्स और कप्तान एडेन मार्करम की मौजूदगी वाले शीर्ष क्रम पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव होगा.

दक्षिण अफ्रीका अपने पिछले मैच में नेपाल के खिलाफ सिर्फ एक रन से जीता था और गत चैंपियन इंग्लैंड तथा मेजबान वेस्टइंडीज की मौजूदगी वाले ग्रुप दो में होने के कारण वह अमेरिका को हल्के में नहीं ले सकता. टीम सुपर आठ चरण में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ करना चाहेगी.विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका की सबसे बड़ी चिंता एनरिच नोर्किया की खराब फॉर्म थी लेकिन इस स्टार तेज गेंदबाज ने ग्रुप चरण में शानदार प्रदर्शन किया और अभी नौ विकेट लेकर टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से दूसरे सबसे सफल गेंदबाज हैं.

नोर्किया ने अपने साथी तेज गेंदबाज ओटनील बार्टमैन के साथ मजबूत जोड़ी बनाई है जबकि मार्को यानसेन और कागिसो रबादा भी अमेरिका के अनुभवहीन बल्लेबाजों को परेशान करने के लिए तैयार होंगे. सह मेजबान अमेरिका की टीम में आठ भारतीय, दो पाकिस्तानी, एक वेस्टइंडीज, एक न्यूजीलैंड, एक दक्षिण अफ्रीकी और एक नीदरलैंड का खिलाड़ी शामिल है और टीम टूर्नामेंट में पदार्पण करते हुए सुपर आठ में जगह बनाकर उत्साह से लबरेज हैं. टीम ने आक्रामक क्रिकेट खेला है. अमेरिका की नजरें कप्तान मोनांक पटेल की फिटनेस पर होगी जो भारत के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाए थे और हल्की चोट के कारण आयरलैंड के खिलाफ भी उन्हें नहीं खेलना था. लीग चरण में पूर्व चैंपियन पाकिस्तान को हराने के बाद अमेरिका एक और उलटफेर करने के लिए तैयार होगा. हालांकि यह आसान नहीं होगा लेकिन अमेरिका की टीम चुनौती के लिए तैयार होगी.

यानसेन और रबादा भी अमेरिका के खिलाफ विशेष तैयारी की

टीमें इस प्रकार हैं

दक्षिण अफ्रीका: एडेन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्जी, क्विंटन डिकॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसेन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिच नोर्किया, कागिसो रबादा, रेयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी और ट्रिस्टन स्टब्स.

अमेरिका: मोनांक पटेल (कप्तान), आरोन जोन्स, एंड्रीज गौस, कोरी एंडरसन, अली खान, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, मिलिंद कुमार, निसर्ग पटेल, नितीश कुमार, नोशतुश केंजीगे, सौरभ नेत्रवलकर, शैडली वान शल्कविक, स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर.

समय: मैच भारतीय समयानुसार रात आठ बजे शुरू होगा.

वेस्टइंडीज के खिलाफ नहीं चले अफगानिस्तान के गेंदबाज

वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान को 104 रन से किया पराजित

खास बातें

- 98 रन बना कर शतक से चूके निकोलस पूरन
- वेस्टइंडीज के नाम मौजूदा वर्ल्ड कप का सबसे बड़ा स्कोर

एजेंसी। ग्रॉस आइलेट (सेंट लूसिया)

निकोलस पूरन ने छक्के जड़ने के अपने कौशल का शानदार नमूना पेश किया जिससे वेस्टइंडीज ने टी20 विश्व कप के ग्रुप सी के अपने अंतिम मैच में अफगानिस्तान को 104 रन से करारी शिकस्त दी.दोनों टीम पहले ही सुपर 8 में अपनी जगह पक्की कर चुकी थी और इस मैच से ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली टीम का निर्धारण होना था. दो बार के चैंपियन वेस्टइंडीज ने पांच विकेट पर 218 रन बनाए जिसमें पूरन ने 53 गेंद पर 98 रन का योगदान दिया. उन्होंने अपनी पारी में छह चौके और आठ छक्के लगाए.अफगानिस्तान की टीम इसके जवाब में 16.2 ओवर में 114 रन पर आउट हो गई. उसकी तरफ से इब्राहिम जादरान ने सर्वाधिक 38 रन बनाए. वेस्टइंडीज के लिए ओबेद मैकॉय ने 14 रन देकर तीन ,अकील हुसैन ने 21 रन देकर दो और गुडाकेश मोती ने 28 रन देकर दो विकेट लिए.वेस्टइंडीज के कप्तान रोवमैन पॉवेल ने मैच के बाद कहा,''हम जानते थे कि यहां का विकेट अच्छा है. गयाना और त्रिनिदाद के बाद बल्लेबाज यहां आकर रन बनाना चाहते थे.

पूरन में कड़ी मेहनत की है और पिछले 12 महीने में अच्छा प्रदर्शन किया है. यह देखकर अच्छा लगा कि वह फ्रेंचाइजी क्रिकेट ही नहीं वेस्टइंडीज की तरफ से भी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है.'अफगानिस्तान ने पिछले तीन मैच में विरोधी टीमों को 100 रन तक नहीं पहुंचने दिया था.

स्कोर बोर्ड
वेस्टइंडीज: 218/5
अफगानिस्तान: 114/10

अजमतुल्लाह के एक ओवर में लगे तीन छक्के

पूरन ने अपनी पारी के दौरान अजमतुल्लाह उमरजई के एक ओवर में तीन छक्के और एक चौका लगाया. इस ओवर में कुल 36 रन बने, जिसमें 5 नोबॉल, 5 वाइड और चार लेगबाई भी शामिल हैं. इस तरह से यह टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे महंगे ओवरों में शामिल हो गया.वेस्टइंडीज ने पावर प्ले में एक विकेट पर 92 रन बनाए जो पुरुष टी-20 विश्व कप में नया रिकॉर्ड है. पूरन रन आउट होने के कारण अपना शतक पूरा नहीं कर पाए. उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया.

अफगानिस्तान के बल्लेबाज दबाव में आ गए

बड़े लक्ष्य के सामने अफगानिस्तान के बल्लेबाज दबाव में आ गए. उसकी तरफ से सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान (38), अजमतुल्लाह उमरजई (23) और करीम जनत (14) ने अपनी भूमिका निभाने की कोशिश की लेकिन लक्ष्य काफी बड़ा था और उनके प्रयास से हार का अंतर ही कम हुआ.अफगानिस्तान के कप्तान राशिद ने कहा,'मुझे नहीं लगता कि इस बड़ी हार का हम पर प्रभाव पड़ेगा. हम जो चाहते थे हमने उसे हासिल किया. हम सुपर आठ में जगह बनाने में सफल रहे. मैच अलग-अलग तरह की पिचों पर हो रहे हैं और हमें उनसे सामंजस्य बिठाना होगा. इस स्तर पर पराजय एक अच्छा सबक है. यह हमारे लिए करो या मरो वाला मैच नहीं था. हम इसके सकारात्मक पहलुओं पर गौर करेंगे जैसे की फील्डिंग और बीच के ओवरों की गेंदबाजी.'

विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के हाथ में लगी चोट

सुपर-8 से पहले भारतीय टीम की बढ़ी चिंता

एजेंसी. नई दिल्ली

दुनिया के नंबर एक टी-20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव सोमवार को चोटिल हो गए. प्रशिक्षण सत्र के दौरान उनके हाथ में चोट लग गई जिसने टीम इंडिया की चिंताएं बढ़ा दी हैं. दरअसल, बीते दिन भारतीय टीम ने बारबाडोस के ब्रिजटाउन में प्रशिक्षण सत्र की शुरुआत की. इस दौरान स्टार बल्लेबाज को नेट पर बल्लेबाजी करते समय हाथ पर चोट लग गई जिसके बाद फिजियो पहुंचे और उन्हें प्राथमिक इलाज दिया. इसके बाद स्टार खिलाड़ी ने एक बार फिर बल्लेबाजी की.

न्यूयॉर्क में भारत ने खेले तीन मैच : भारत गुरुवार को बारबाडोस में अपने पहले सुपर 8 मैच में अफगानिस्तान से भिड़ेगा. यह 2007 के चैंपियन के लिए कैरिबिया में पहला मैच होगा. दरअसल, टीम ने ग्रुप स्टेज के अपने सभी मैच अमेरिका में खेले थे. भारत ने न्यूयॉर्क में तीन मैच खेले जबकि शनिवार को फ्लोरिडा में कनाडा के खिलाफ उनका आखिरी मैच बारिश के कारण धुल गया, जिसकी वजह से भारत को अपनी प्लेइंग 11 के साथ प्रयोग करने का मौका नहीं मिला.

19 जून से सुपर-8 राउंड की शुरुआत

सुपर-8 की आठ टीमें तय हो चुकी हैं. 19 जून से सुपर-8 राउंड की शुरुआत हो जाएगी. 20 टीमें इस विश्व कप में खेलने उतरी थीं, जिन्हें पांच-पांच के चार ग्रुप में बांटा गया था. हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सुपर-8 में पहुंची हैं. इनमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, अफगानिस्तान, अमेरिका, इंग्लैंड और बांग्लादेश शामिल हैं.

दोनों ग्रुप तय

ग्रुप-1	ग्रुप-2
भारत	इंग्लैंड
ऑस्ट्रेलिया	अमेरिका
अफगानिस्तान	द. अफ्रीका
बांग्लादेश	वेस्टइंडीज

थोड़ा व्यस्त कार्यक्रम लेकिन हम तैयार: रोहित

ब्रिजटाउन (बारबडोस)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने स्वीकार किया कि टी20 विश्व कप का सुपर आठ चरण 'थोड़ा व्यस्त' होने वाला है लेकिन उनके खिलाड़ी इसके लिए तैयार हैं क्योंकि उनमें 'कुछ खास' करने को लेकर 'वास्तविक उत्सुकता' है. भारत अपने सुपर आठ अभियान की शुरुआत 20 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ करेगा. टीम इसके बाद बांग्लादेश (22 जून को एंटीगा) और ऑस्ट्रेलिया (24 जून को सेंट लूसिया) के खिलाफ खेलेगी. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा अपलोड किए गए एक वीडियो में रोहित ने कहा, 'पहला मैच खेलने के बाद हम अगले दो मैच तीन या चार दिन के अंतराल में खेलेंगे.'इस 37 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, ''यह थोड़ा व्यस्त होने वाला है लेकिन हम इन सभी चीजों के आदी हो चुके हैं.

सुपर 8 में भारत के लिए तुरुप का पत्ता हो सकते हैं कुलदीप: फ्लेमिंग

एजेंसी। नई दिल्ली

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग का मानना है कि टी20 विश्व कप के सुपर 8 के चरण में वेस्टइंडीज की पिचों से टर्न मिलने की संभावना है और ऐसे में विकेट लेने की अपनी क्षमता के कारण बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं.भारत अभी तक टूर्नामेंट में तीन तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह तथा दो स्पिनरों रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल के साथ मैदान में उतरा है. फ्लेमिंग ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से कहा,'अगर विकेटों से टर्न मिलता है जैसा कि टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ उम्मीद की जा रही है, तो फिर कुलदीप इसमें विकेट लेने की अतिरिक्त क्षमता जोड़ सकते हैं.'उन्होंने कहा,''उनके पास अभी दोनों तरह के संयोजन आजमाने का मौका है जो कि अच्छा है लेकिन खेल में आप लकीर का फकीर बनकर नहीं रह सकते जिससे कि आप परिस्थितियों का फायदा उठाने से चूक जाओ. 'भारत को सुपर 8 में अपना पहला मैच गुरुवार को बारबाडोस में अफगानिस्तान के खिलाफ खेलना है. भारत अभी तक बाएं हाथ के दो स्पिनर के साथ उतरा है. इनमें अक्षर को सफलता मिली लेकिन जडेजा तीन मैच में केवल तीन ओवर ही कर पाए.

भारतीय हॉकी टीम से बाहर रहने पर फारवर्ड शर्मिला देवी ने कहा

वह मुश्किल समय था,मैने काटा है

एजेंसी। नई दिल्ली

फारवर्ड शर्मिला देवी का मानना है कि खुद को बेहतर बनाने की चाहत ने उन्हें भारतीय महिला हॉकी टीम में वापसी करने में मदद की और वह अपने खेल में निरंतरता बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत करना जारी रखेंगी. हरियाणा की इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने इस साल फरवरी में चीन के खिलाफ एफआईएच हॉकी प्रो लीग मैच के साथ करीब नौ महीने बाद भारतीय टीम में वापसी की. हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में शर्मिला के हवाले से कहा गया,'यह आसान नहीं था. मुझे करीब नौ महीने तक राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का मौका नहीं मिला.'उन्होंने कहा,'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला (मई 2023) के बाद मुझे फरवरी 2024 में एफआईएच हॉकी प्रो लीग में राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का मौका मिला लेकिन मैं एशियाई खेलों और ओलंपिक क्वालीफायर से चूक गई. वह मुश्किल समय था लेकिन मैं मानसिक रूप से मजबूत रही और कड़ी ट्रेनिंग करते हुए धैर्यपूर्वक अपने मौके का इंतजार किया.'शर्मिला ने कहा ''मैंने दिन-रात अपने खेल पर काम किया. मैं इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट थी कि वापसी का यही एकमात्र रास्ता है और मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा. फारवर्ड के रूप में अपने कौशल पर काम करने के अलावा मैंने रक्षात्मक पहलुओं पर भी काम किया.'जब भारत ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 केअपने पहले मैच में चीन का सामना किया तो शर्मिला को आखिरकार मैदान पर उतरने का मौका मिला.

कीनिया के एक पूर्व तेज गेंदबाज ने युगांडा के खिलाड़ी से किया था संपर्क

- आईसीसी की एसीयू ने मामले का तत्काल पटाक्षेप किया
- आईसीसी ने कीनिया के पूर्व क्रिकेटर को मामले को लेकर चेताया

एजेंसी ।ब्रिजटाउन (बारबाडोस)

क्रिकेट में भ्रष्टाचार खेल के प्रशासकों के लिए अब भी बड़ा सरदर्द बना हुआ है लेकिन यहां टी-20 विश्व कप के दौरान कीनिया के एक पूर्व क्रिकेटर का युगांडा के खिलाड़ी से संभावित भ्रष्ट पेशकश का मामला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) ने तुरंत ही निपटा दिया.पीटीआई को पता चला है कि यह घटना गयाना में लीग चरण के मैचों के दौरान घटी जहां कीनिया के एक पूर्व तेज गेंदबाज ने अलग-अलग नंबरों से युगांडा की टीम के सदस्य से लगातार संपर्क करने की कोशिश की.युगांडा के खिलाड़ी ने आईसीसी के भ्रष्टाचार निरोधक प्रोटोकॉल का पालन करते हुए वहां मौजूद एसीयू अधिकारियों को इसकी जानकारी दी. इस पर तुरंत ही कार्रवाई करते हुए सभी एसोसिएट टीमों को कीनिया के इस पूर्व खिलाड़ी से सतर्क रहने को कहा.'यह हैरानी वाली बात नहीं है कि उस व्यक्ति ने युगांडा की राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी को निशाना बनाया. बड़ी टीमों की तुलना में छोटे देश आसान लक्ष्य होते हैं लेकिन इस मामले में खिलाड़ी ने जल्द ही आईसीसी को सूचित करके अच्छा काम किया.

फ्रांस ने ऑस्ट्रिया को 1-0 से हराया

- एमबापे की नाक में लगी चोट

एजेंसी। डसेलडोर्फ

मैक्सिमिलियन वोबर के आत्मघाती गोल की मदद से फ्रांस ने यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप में ऑस्ट्रिया को 1-0 से पराजित किया लेकिन इस मैच में उसके स्टार स्ट्राइकर काइलिन एमबापे की नाक में चोट लग गई और उनका टूर्नामेंट में आगे खेलना संदिग्ध है. एमबापे ग्रुप डी के इस मैच के अंतिम क्षणों में गेंद पर नियंत्रण बनाने के प्रयास में ऑस्ट्रिया के केविन डांसो से टकरा गए. इससे उनकी नाक से खून बहने लगा और वह सूज गई. एमबापे को इस कारण मैदान छोड़ना पड़ा.फ्रांस के कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने एमबापे के आगे के मैचों में खेलने के संबंध में कहा,'अभी हमारे हाथ में कुछ नहीं है. अभी हमें यह पता नहीं है कि उनकी चोट कितनी गंभीर है. वह टूर्नामेंट में आगे खेल पाएंगे या नहीं अभी इसका जवाब मेरे पास नहीं है.'फ्रांस के मिडफील्डर एनगोलो कांटे ने कहा,'एमबापे के चोटिल हो जाने से हम सभी चिंतित हैं. हमें पता नहीं है कि स्थिति अभी कैसी है. हम यही उम्मीद कर रहे हैं कि चोट गंभीर न हो और वह बाकी टूर्नामेंट के लिए टीम में बने रहें. 'चोटिल होने से पहले एमबापे पर सभी की निगाह टिकी थी. ऑस्ट्रिया ने उन्हें खुलकर नहीं खेलने दिया, लेकिन टीम को जीत दिलाने में उन्होंने अपनी भूमिका निभाई.. वोबर ने 38वें मिनट में एमबापे का शॉट रोकने के प्रयास में ही आत्मघाती गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ.

तैयारी भारतीय महिला टीम कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन को लेकर चिंतित

द.अफ्रीका पर अजेय बढ़त बनाने उतरेगी भारतीय महिला टीम

एजेंसी ।बेंगलुरु

पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय महिला टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बनाने की कोशिश करेगी.भारत ने पहले मैच में 143 रन से जीत दर्ज की लेकिन टीम कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन को लेकर चिंतित होगी.भारत ने पहला मैच स्मृति मंधाना के शतक और स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत जीता. बल्लेबाजी में हालांकि उसकी कुछ कमजोरियां खुलकर सामने आई.भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा का वनडे में लगातार खराब प्रदर्शन है. उन्होंने वनडे में अपना आखिरी अर्धशतक 2022 में लगाया था. पिछले छह मैच में वह दोहरे अंक में भी नहीं पहुंच पाई. उन्हें टीम ने अपनी जगह बनाए रखने के लिए बड़ी पारी खेलने की जरूरत है.कप्तान हरमनप्रीत कौर का बल्ला भी नहीं चल पा रहा है. पिछले 5 मैच में उन्होंने 14, 9, 5, 3 और 10 रन बनाए. चोट से उबर कर वापसी करने वाली शीर्ष क्रम की एक अन्य बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स भी प्रभावित करने में नाकाम रही. इन सभी को मंधाना से सीख लेने की जरूरत है जिन्होंने वनडे में छठा शतक लगाया. यह बाएं हाथ की बल्लेबाज अच्छी लय में है. उन्होंने फरवरी 2022 के बाद वनडे में सात अर्धशतक और दो शतक लगाए हैं. भारतीय टीम को उनसे एक और बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी.गेंदबाजों में अपना पहला मैच खेल रही लेग स्पिनर आशा शोभना ने 21 रन देकर चार विकेट लिए लेकिन टीम प्रबंधन तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर की फिटनेस को लेकर चिंतित होगा जो दक्षिण अफ्रीका की पारी के दौरान 18वें ओवर में मैदान छोड़कर चली गई थी. उनके नहीं खेलने पर अरुंधति रेड्डी को टीम में लिया जा सकता है.

टीमें इस प्रकार हैं

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेट कीपर), उमा छेत्री (विकेट कीपर), दयालन हेमलता, राधा यादव, आशा शोभना, श्रेयंका पाटिल, साइका इशाक, पूजा वस्त्रकार, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, प्रिया पुनिया.

द.अफ्रीका: लॉरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), एनेके बॉश, तजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसेन, मिके डी रिडर, सिनालो जाफ्ता, मारिजाने काप, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, एलिज-मारी मार्ज, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुकुने, नोंडुमिसो शंगासे, डेलमी टकर.

मैच दोपहर 1.30 बजे शुरू होगा.

विलियमसन टी-20 अंतरराष्ट्रीय में अपने भविष्य को लेकर अनिश्चित

एजेंसी ।तारोबा (त्रिनिदाद)

न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने कहा कि टी-20 विश्व कप से जल्द बाहर होने के बाद टीम को फिर से एकजुट होने के लिए कुछ समय की जरूरत है. उन्होंने साथ ही 2026 में इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपनी वापसी को लेकर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई.आधुनिक क्रिकेट के महान खिलाड़ियों में से एक माने जाने वाले सभी प्रारूपों के खिलाड़ी विलियमसन एक दशक से अधिक समय से न्यूजीलैंड के बल्लेबाजी क्रम की रीढ़ रहे हैं.विलियमसन की मौजूदगी में न्यूजीलैंड तीन बार विश्व कप फाइनल में पहुंचा जिसमें 2015 और 2019 में एकदिवसीय विश्व कप और 2021 में टी20 विश्व कप शामिल हैं. इसके अलावा पहला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप खिताब भी जीता. इन चार टूर्नामेंट में से तीन में विलियमसन ने टीम की कप्तानी की.

जब विलियमसन से पूछा गया कि क्या वे 2026 के टूर्नामेंट में वापसी करेंगे तो उन्होंने कहा, 'ओह, मुझे नहीं पता.'न्यूजीलैंड का अभियान पापुआ न्यू गिनी पर सात विकेट की आसान जीत के साथ समाप्त हुआ. वे 10 वर्षों में पहली बार सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाए.

ब्रीफ खबरें

नालंदा में लू लगने से चौकीदार की मौत

नालंदा । नालंदा में भी लू लगने से एक चौकीदार की मौत हो गई. मामला इस्लामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नंदाचक गांव का है. मृतक की पहचान नंदाचक गांव निवासी स्वर्गीय विनेश्वर गोप के पुत्र जितेंद्र कुमार (32) के रूप में की गई है. जितेंद्र वर्तमान में इस्लामपुर थाना में चौकीदार के पद पर कार्यरत था. सोमवार रात शाम परिजन और सहयोगी शव के पोस्टमार्टम को लेकर बिहार शरीफ सदर अस्पताल पहुंचे. बकरीद पर्व को लेकर चौकीदार जितेंद्र की ड्यूटी इस्लामपुर के बड़ी पैठना मस्जिद के समीप लगी हुई थी.

सीतामढ़ी में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

सीतामढ़ी । सीतामढ़ी जिले के मेजरगंज में एक युवक का संदिग्ध स्थिति में पेड़ से लटका शव बरामद किया गया है. मामला जिले के मेजरगंज थाना क्षेत्र के बसबिट्टा गांव का है. जहां मंगलवार सुबह युवक का शव शीशम के पेड़ से लटका हुआ मिला. मामला संज्ञान में आने के बाद मौके पर ग्रामीणों की काफी भीड़ जुट गई. फिलहाल, मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है. हालांकि लोगों का कहना है कि यह टिक टॉक पर वीडियो बनाता है, लेकिन इसका नाम किसी को पता नहीं है. वहीं, यह भी बताया जा रहा है कि मृत युवक पड़ोसी देश नेपाल के बलरा का रहने वाला है.

आरा में करंट लगने से शख्स की मौत

आरा । आरा में करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई. घटना मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के महुली गांव की है. मृतक की पहचान मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के महुली गांव निवासी बसरोपन यादव के पुत्र राधे श्याम यादव उर्फ चुन्नू यादव (47) के रूप में की गई है. घटना के संबंध में परिजनों का कहना है कि राधे श्याम यादव उर्फ चुन्नू यादव मंगलवार सुबह अपने नए मकान के दीवार को पटवन करने के लिए गए थे जहां मोटर स्टार्ट करने के दौरान व्यक्ति को करंट लग गया, जिसमें वह बुरी तरह झुलस गया. घटना के दौरान एक व्यक्ति की नजर उसपर पड़ी तो उसने हल्ला करना शुरू कर दिया.

निर्जला एकादशी

पटना में मंगलवार को निर्जला एकादशी पर भक्त गंगा नदी में पवित्र डुबकी लगाने के बाद अनुष्ठान करते हुए.

मुजफ्फरपुर दुष्कर्म मामले पर राजद नेता का विवादित बयान, बोले-

लड़कियों की सप्लाई कर नेता सांसद और मंत्री बन जाते हैं

संवाददाता । पटना

विधायक भाई वीरेंद्र ने पटना में मंगलवार को विवादित बयान दिया है. उन्होंने मुजफ्फरपुर में लड़कियों

से दुष्कर्म मामले पर कहा कि यह हमेशा होता रहेगा. हमारे यहां कुछ नेता लड़कियां सप्लाई करते हैं. लड़कियों की सप्लाई कर कभी सांसद बन जाते हैं तो कभी मंत्री. वहीं उन्होंने पेपर लीक मामले पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दिख रहे सख्त रवैये पर कहा कि सरकार अपने मन मुताबिक कानून बनाती है और अपने मन मुताबिक कानून को बंद करती है. उन्होंने कहा कि सरकार अपने मन मुताबिक कानून बनाती है पेपर लीक जो मामला हुआ है उसमें छोटे स्तर की बात नहीं है.

बड़े स्तर के बड़े अधिकारी बड़े राजनेता इसमें शामिल है. जहां-जहां एनडीए की सरकार है, वहीं पेपर लीक होता है. यूपी में भी पेपर लीक हुआ है तो आखिर पहले सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए. नया कानून बने लेकिन उसे पर अमल होना चाहिए. भाई वीरेंद्र ने कहा कि हम सरकार से आग्रह करते हैं कि जाति विशेष को देखकर नौकरी नहीं दें. इधर, सरकार का दावा है कि 2025 तक 10 लाख सरकारी नौकरी देने का लक्ष्य सरकार पूरा करेगी. इस पर राजद विधायक ने कहा 5 लाख से ज्यादा तो हमारे कार्यकाल का है इसके बाद अगर सरकार नौकरी दे रही है तो स्वागत योग्य है, लेकिन पारदर्शिता के साथ नौकरी नहीं दी जाती है जाति विशेष को देखकर नौकरी दी जाती है.

पूर्व विधायक बीमा भारती के आवास पर पुलिस ने की छापेमारी

पटना । पूर्व विधायक बीमा भारती के पटना स्थित आवास पर पुलिस ने छापेमारी की. पुलिस पूर्णिया के भवानीपुर में दो जून को व्यवसायी गोपाल यादुका की दिनदहाड़े हुई हत्या मामले में बीमा भारती के बेटे को गिरफ्तार करने पहुंची थी लेकिन उनका बेटा वहां नहीं मिला. पुलिस के अनुसार बीमा भारती के पुत्र राजा कुमार ने ही व्यवसायी की हत्या के लिए पांच लाख की सुपारी दी थी. इस मामले में मंगलवार सुबह पटना स्थित बीमा भारती के आवास पर रुपौली थाना की पुलिस पहुंची. धमदाहा एसडीपीओ संजीव गोल्डी ने बताया कि पूर्व विधायक के पुत्र का नाम सामने आया है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. इस मामले में गिरफ्तार बदमाशों से पूछताछ जारी है. भवानीपुर थानाध्यक्ष सुनील कुमार के मुताबिक जमीन ब्रोकर

संजय भगत भी हिरासत में लिया गया है. बीमा भारती ने पूरे मामले में उनके बेटे को फंसाने की बात कही है. इसके पहले रुपौली में होने वाले विधानसभा उपचुनाव को लेकर राजद से टिकट पाने के लिए बीमा ने राजद सुप्रीमो लालू यादव और तेजस्वी यादव से मंगलवार को मुलाकात की. इसके कुछ घंटे बाद ही उनके आवास पर पुलिस ने धावा बोला.

एमएलसी नीरज कुमार ने भाई वीरेंद्र पर किया पलटवार

वहीं भाई वीरेंद्र के ये कहने पर कि पारदर्शिता के साथ नौकरी नहीं दी जाती है, इस पर जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि भाई वीरेंद्र को यह जानकारी होना चाहिए कि पहले नौकरी देने के बदले में जमीन ली जाती थी, लेकिन नीतीश कुमार की सरकार में यह सब नहीं होता है. पूरी तरह पारदर्शिता होती है. उनके राज्य में उनके ही परिवार से नौकरी के पैसे लिए जाते थे और नीतीश कुमार के शासनकाल में उनके परिवार को बिना पैसे लिए नौकरी दी जा रही है. इससे अधिक पारदर्शिता का क्या प्रमाण होगा.

हाजीपुर में ट्रक की ठोकर से बाइक सवार युवक की मौत

हाजीपुर । हाजीपुर के औद्योगिक क्षेत्र थाना अंतर्गत पासवान चौक के पास ट्रक की ठोकर से एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई. जबकि दूसरा युवक घायल हो गया. मौके पर अफरा-तफरी मच गई. घटना की जानकारी मौके पर मौजूद लोगों के द्वारा औद्योगिक क्षेत्र थाने की पुलिस पदाधिकारी को दी गई. सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को जब्त किया और घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया. डॉक्टर ने जांच के बाद एक युवक को मृत घोषित कर दिया. मृतक काजीपुर थाना क्षेत्र के पहेतिया निवासी शत्रुघ्न सिंह के 30 वर्षीय पुत्र अश्विन कुमार बताया गया है. पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है.

सुमौती नदी में नहाने गए भाई-बहन की डूबने से मौत

- दोनों बच्चे सुमौती नदी के किनारे खेलने गए थे. खेलने के बाद दोनों नदी में स्नान करने उतर गये
- बच्चों के शोर मचाने के बाद ग्रामीणों ने दोनों को बाहर निकाला

संवाददाता । पूर्वी चंपारण

जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र स्थित बखरी पंचायत के वार्ड नंबर 13 में सुमौती नदी में डूबने से सगे भाई-बहन की मौत हो गई. घटना सोमवार शाम की है. मृतकों की पहचान बखरी निवासी राजू साह की पुत्री सोनी कुमारी (10) व पुत्र संजीत कुमार (08) के रूप में हुई है. मिली जानकारी के मुताबिक राजू साह के दोनों बच्चे सुमौती नदी के किनारे खेलने गए थे. खेलने के बाद दोनों नदी में स्नान करने उतर गये, जहां दोनों गहरे पानी में चले गये और डूबने लगे.

दोनों को डूबते देख साथ गए बच्चों के शोर मचाने के बाद ग्रामीणों ने दोनों को बाहर निकाला और आनन-फानन में स्थानीय पीएचसी ले गए, जहां से डॉक्टरों ने मोतिहारी रेफर कर दिया. यहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई. कल्याणपुर थानाध्यक्ष जीतेंद्र कुमार ने बताया कि सूचना के बाद दोनों बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर घटना की जांच की जा रही है.

बिहार से दिल्ली बुला कर पिता ने बेटी को मार डाला

मुजफ्फरपुर । बिहार में एक बार फिर ऑनर किलिंग का मामला सामने आया है. बताया जा रहा है कि बेटी अपनी मर्जी से शादी करना चाहती थी इससे नाराज पिता ने पहले उसे दिल्ली बुलाया फिर मौत के घाट उतार दिया. मामला दिल्ली के कंझावला इलाके का है. वहीं बेटी की हत्या के बाद पिता ने लाश को ठिकाने लगाने के लिए चांदपुर गांव के पास एक खेत में फेंक दिया. वहीं आरोपी पिता मुजफ्फरपुर जिले के निवासी हैं. वहीं आरोपी पिता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी ने कबूल किया कि उसकी बेटी घरवालों की मर्जी के खिलाफ जाकर अपनी पसंद की जगह शादी करना चाहती थी.

12 करोड़ की लागत से बकरा नदी पर बन रहा पड़रिया पुल ढहा

संवाददाता । अररिया

अररिया जिले के सिकटी अन्तर्गत पड़रिया में बकरा नदी पर कुल 12 करोड़ की लागत से बन रहा पुल मंगलवार को बकरा नदी में समा गया. पुल का तीन से चार पाया नदी में समा गया. पुल के नदी में गिरने को लेकर सांसद प्रदीप कुमार सिंह और सिकटी भाजपा विधायक विजय कुमार मंडल ने इसे संवेदक और विभागीय लापरवाही का नतीजा करार दिया. सांसद और विधायक ने बताया कि पुल की पाइलिंग में गड़बड़ी बरतने के साथ रात में संवेदक के द्वारा गुणवत्ता विहीन काम करने का नतीजा है पुल का गिरना. सांसद ने मामले की जांच उच्च स्तरीय टीम के साथ कराने के साथ जिम्मेवार संवेदक और विभागीय अधिकारियों पर कार्रवाई की बात कही. सिकटी विधायक विजय मंडल ने संवेदक द्वारा रात के अंधेरे में पुल का निर्माण व पाइलिंग कार्य किये जाने की बात करते हुए कहा कि पुल का अगर पाइलिंग सही होता तो उसका तीन से चार पाया बकरा नदी के गर्भ में नहीं समाता. उन्होंने विभागीय अधिकारी व संवेदक के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है. उन्होंने यहां तक कहा है कि तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाए.

पटना, बक्सर समेत नौ जिलों में गर्मी का रेड अलर्ट

औरंगाबाद का पारा 46.9 डिग्री पहुंचा

संवाददाता । पटना

राजधानी पटना सहित बक्सर, भोजपुर, औरंगाबाद, कैमूर, रोहतास, अरवल, जहानाबाद, गया जिला के कुछ स्थानों पर मंगलवार को लू के साथ भीषण उष्ण लहर की संभावना के लिए मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है. सीवान, सारण, वैशाली, शेखपुरा, बेगूसराय, समस्तीपुर, नवादा, नालंदा में उष्ण लहर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. वहीं राज्य के उत्तर पश्चिम, उत्तर मध्य, दक्षिण पूर्व भागों के जिला में एक से दो स्थानों पर गर्म दिन रहने की आशंका है. पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य के औरंगाबाद में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 46.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. मौसम विज्ञान केंद्र का मानना है कि सुपौल, अररिया, पूर्णिया, किशनगंज के कुछ भागों में आने वाले तीन से चार घंटे के दौरान हल्की से मध्यम स्तर की मेघ गर्जन के साथ बारिश के आसार जताए गए हैं. इन जिलों में तेज हवा जिसकी गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की संभावना बताई गई है. राज्य के जिन जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया है.

पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

पटना । अज्ञात बदमाशों ने मंगलवार को पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी है. धमकी देने वाले ने मेल के माध्यम से पटना समेत देश के 40 एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी है. पटना एयरपोर्ट के निदेशक के मेल पर दोपहर 1:10 पर धमकी भरा मेल आया जिसके बाद 2 घंटे तक ऑपरेशन चला. हालांकि जांच में पटना एयरपोर्ट पर कुछ भी नहीं मिला है. वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए पटना एयरपोर्ट सहित तमाम एयरपोर्टों की सुरक्षा बढ़ा दे गई है. पटना पुलिस, डॉग स्क्वायड टीम, बम स्क्वॉड की टीम पटना एयरपोर्ट पर पहुंची.

कारोबार

डुर्लैक्स टॉप सरफेस जुटाएगी 40.80 करोड़

नयी दिल्ली । डुर्लैक्स टॉप सरफेस ने अपने आईपीओ के जरिए करीब 40.80 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है. एक बयान में यह जानकारी दी गई. सॉलिड सरफेस के कारोबार से जुड़ी कंपनी को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर अपना आईपीओ लाने की मंजूरी मिल गई है. बयान के अनुसार, आईपीओ आज से खुलेगा और 21 जून को बंद होगा. इसमें 28.56 करोड़ रुपये तक के 42 लाख ताजा शेयर और 12.24 करोड़ रुपये तक के 18 लाख शेयर की बिक्री पेशकश शामिल है.

नचिकेत को महाप्रबंधक नियुक्त किया गया

नयी दिल्ली । सोनी पिक्चर्स एंटरटेनमेंट ने नचिकेत पंतवैद्य को भारत में सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस का महाप्रबंधक नियुक्त किया है. कंपनी बयान के अनुसार, वह भारत में सोनी पिक्चर्स रिलीजिंग इंटरनेशनल के महाप्रबंधक तथा प्रमुख शोनी पंजिकरण के साथ काम करते हुए स्थानीय भारतीय निर्माण की देखरेख करेंगे. इसमें कहा गया, इस नए कार्यभार को संभालने के साथ ही वह सोनी एंटरटेनमेंट टैलेंट वेंचर्स के सीईओ के रूप में भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन जारी रखेंगे.

धनलक्ष्मी बैंक ने अजीत को एमडी नियुक्त किया

नयी दिल्ली । निजी क्षेत्र के धनलक्ष्मी बैंक ने मंगलवार को कहा कि उसने अजीत कुमार केके को बैंक का एमडी नियुक्त किया है. केरल स्थित धनलक्ष्मी बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि वह 20 जून को कार्यभार संभालेंगे. बैंक के निदेशक मंडल की मंगलवार को हुई बैठक में अजीत कुमार केके को 20 जून, 2024 से तीन साल के लिए बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दी. बैंक ने कहा कि सेबी के प्रावधानों के अनुसार इस नियुक्ति के लिए शेयरधारकों की मंजूरी ली जाएगी. अजीत एक अनुभवी बैंकर हैं, जिन्हें ऋण, मानव संसाधन, व्यवसाय, शाखा बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में फेडरल बैंक के साथ 36 वर्षों से अधिक का अनुभव है.

2024 में भारत से मसालों का एक्सपोर्ट रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच

भारत से मसालों का एक्सपोर्ट 4.46 अरब डॉलर, पिछले साल से 17 % अधिक निर्यात

- चीन और बांग्लादेश से मिर्च का निर्यात अधिक हुआ

भाषा । नयी दिल्ली

जब हांगकांग और सिंगापुर ने कुछ भारतीय कंपनियों के मसालों पर प्रतिबंध लगाया था तो कारोबारियों की चिंता बढ़ गई थी. तब एक साथ कई देशों ने भारतीय मसालों को निगरानी लिस्ट में डाला दिया था. लग रहा था कि इसका जबर्दस्त असर निर्यात पर पड़ेगा. लेकिन इसका अधिक असर नहीं पड़ा. वहीं फाइनेंशियल ईयर 2024 में भारत से मसालों का एक्सपोर्ट रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया. इस दौरान भारत से मसालों का एक्सपोर्ट 4.46 अरब डॉलर रहा जो पिछले साल के मुकाबले 17 फीसदी अधिक है. वॉल्यूम के लिहाज से भी यह नौ फीसदी की तेजी के साथ 15.39 लाख टन रहा.

इस दौरान खासकर काली मिर्च, इलायची और हल्दी महंगे होने के कारण भारत को अच्छी कमाई हुई. चीन और बांग्लादेश से मांग बढ़ने से मिर्च का निर्यात 15 फीसदी बढ़कर 1.509 अरब डॉलर रहा. रुपये के

लिहाज से देखें तो यह 18 फीसदी तेजी के साथ 12,492 करोड़ रुपये रहा. भारत से मसालों के सबसे ज्यादा निर्यात चीन को किया गया.

पिछले फाइनेंशियल ईयर में मिर्च, धनिया, अदरक, अजवाइन, सौंफ और लहसुन के निर्यात में काफी तेजी देखने को मिली. दूसरे ओर काली मिर्च, मेंथी, इमली और मिंट प्रॉडक्ट्स के एक्सपोर्ट में गिरावट देखने को मिली. भारत से मसाला आयात करने वाले देशों में चीन सबसे आगे है. उसके बाद अमेरिका, बांग्लादेश, यूएई और थाईलैंड का नंबर है. भारत दुनिया में मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक और एक्सपोर्टर है.

पिछले साल चीन ने भारत से 1.79 लाख टन मिर्च का आयात किया, जिसकी कीमत 4,123 करोड़ रुपये से अधिक है. इसके बाद थाईलैंड और बांग्लादेश का नंबर है. पिछले साल बांग्लादेश को मिर्च के एक्सपोर्ट में 67 फीसदी तेजी आई. साथ ही अमेरिका को भी मिर्च के एक्सपोर्ट में करीब 25 फीसदी तेजी आई.

जानकारों का कहना है कि मौजूदा फाइनेंशियल ईयर में देश के मसालों के एक्सपोर्ट में गिरावट आ सकती है. इसकी वजह यह है कि कुछ मसालों के उत्पादन में गिरावट आई है. साथ ही सिंगापुर और हॉन्ग कॉन्ग ने कुछ कंपनियों के प्रॉडक्ट्स पर बैन लगा रखा है. साल के पहले दो महीनों में मसालों के निर्यात में 5.84 फीसदी की मामूली गिरावट आई है. जानकारों का कहना है कि इसकी वजह बैन नहीं है. उत्पादन में कमी के कारण हल्दी जैसे मसालों का एक्सपोर्ट प्रभावित हुआ है. पहले दो महीने का ट्रेंड देखें तो देश से मसालों का निर्यात पिछले साल के बराबर रहने की उम्मीद है.

हुडको ने 20 करोड़ रुपये अमेरिकी डॉलर जुटाए

मुंबई । आवास एवं शहरी विकास निगम (हुडको) ने ऋण बाजार में कदम रखते हुए 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर (30 अरब जापानी येन) जुटाए हैं. इसकी व्यवस्था करने वाली जापान की सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन (एसएमबीसी) ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की संस्था ने अपने पहले सामाजिक ऋण के हिस्से के रूप में पांच साल के लिए यह धनराशि जुटाई है. आधिकारिक बयान के अनुसार, एसएमबीसी की सिंगापुर शाखा के नेतृत्व में हुए इस सौदे को कुल नौ ऋणदाताओं से अधिक अभिदान मिला तथा ग्रीनशू विकल्प का इस्तेमाल करने के बाद इसकी मूल आरंभिक राशि 15 अरब येन से बढ़ाकर 30 अरब येन कर दी गई.

मैगी के लिए भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार

- रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में मैगी की छह अरब से अधिक सर्विंग्स बेचीं

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारत नेस्ले के इंस्टैंट नूडल्स व सूप ब्रांड मैगी के लिए वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा बाजार बन गया है, जबकि चॉकलेट वेफर ब्रांड किटकैट के लिए यह दूसरा सबसे बड़ा बाजार है. नेस्ले इंडिया की ताजा वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है. इसके अलावा, उच्च दोहरे अंक की वृद्धि के साथ भारतीय बाजार नेस्ले के लिए सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक बन गया है. नेस्ले इंडिया की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट के

अनुसार, व्यापकता, प्रीमियमीकरण और नवाचार, अनुशासित संसाधन आवंटन के साथ मिलकर कारोबार को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण रहे हैं. नेस्ले मैगी ब्रांड के तहत लोकप्रिय इंस्टेंट नूडल्स और तैयार व्यंजन आदि बेचती है. रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में मैगी की छह अरब से अधिक सर्विंग्स बेचीं, जिससे भारत दुनियाभर में मैगी के लिए सबसे बड़ा नेस्ले बाजार बन गया. नेस्ले मैगी ब्रांड के तहत अपनी बिक्री का विस्तार कर रही है और उसने 10 रुपये की किफायती कीमत पर ओट्स नूडल, कोरियन नूडल्स पेश किए हैं.

ऑलटाइम हाई पर बंद हुआ सेंसेक्स-निफ्टी

बीएसई का मार्केट कैप 437 लाख करोड़ पार

एजेंसी । मुंबई

वैश्विक बाजारों में मजबूती के बीच घरेलू स्तर पर आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और इन्फोसिस के शेयरों में लिवाली से मंगलवार को दोनों मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी अपने अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए. कारोबारियों ने कहा कि विदेशी निवेशकों की तरफ से भारतीय बाजार में नए सिरे से निवेश प्रवाह बढ़ने से भी निवेशकों की धारणा को बल मिला. इसका असर यह हुआ कि एक दायरे में कारोबार होने के बाद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर बंद हुए. यह बाजार में तेजी का लगातार चौथा सत्र रहा. बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 308.37 अंक यानी 0.40 प्रतिशत चढ़कर 77,301.14 अंक के नए शिखर पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स ने 374 अंक उछलकर 77,366.77 अंक के नए उच्चतम स्तर को छू लिया था.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 92.30 अंक यानी 0.39% बढ़कर 23,557.90 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय यह 113.45 अंक चढ़कर 23,579.05 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया था. सेंसेक्स की कंपनियों में पावर ग्रिड, आईसीआईसीआई बैंक, विप्रो, टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, जेएसडब्ल्यू स्टील और भारतीय स्टेट बैंक सबसे ज्यादा लाभ में रहीं. इसके विपरीत मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, आईटीसी और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई.

साझेदार | मुक्त व्यापार समझौता में शुल्क संशोधन की जरूरत : जीटीआरआई

यूएई से 2023-24 में सोना, चांदी का आयात 210% बढ़ा

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारत का अपने मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) साझेदार संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से सोने और चांदी का आयात 2023-24 में 210 प्रतिशत बढ़कर 10.7 अरब डॉलर हो गया है. इस उछाल को कम करने के लिए समझौते के तहत रियायती सीमा शुल्क दरों में संभावित रूप से संशोधन करने की आवश्यकता है. आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार, सोने और चांदी के आयात में यह तीव्र वृद्धि मुख्य रूप से भारत-संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते

(सीईपीए) के तहत भारत द्वारा यूएई को दी गई आयात शुल्क रियायतों से मुमकीन हो पाई है.

जीटीआरआई की रिपोर्ट के अनुसार, भारत असीमित मात्रा में चांदी के आयात पर सात प्रतिशत शुल्क या सीमा शुल्क रियायतें और 160 मीट्रिक टन सोने पर एक प्रतिशत रियायत देता है. सीईपीए पर फरवरी 2022 में हस्ताक्षर किए गए और मई 2022 में इसे लागू किया गया. इसके अतिरिक्त भारत गिफ्ट सिटी में इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज (आईआईबीएक्स) के जरिए निजी कंपनियों को यूएई से आयात करने की अनुमति देकर सोने और चांदी के आयात की सुविधा देता है. पहले केवल अधिकृत एजेंसियां ही ऐसे आयातों को संभाल सकती थीं.

संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि यूएई से सोने और चांदी का मौजूदा आयात टिकाऊ नहीं है, क्योंकि यूएई सोने या चांदी का खनन नहीं करता है या आयात में पर्याप्त मूल्य नहीं जोड़ता है. श्रीवास्तव ने कहा, भारत में सोने, चांदी और आभूषणों पर 15 प्रतिशत का उच्च आयात शुल्क समस्या की जड़ है. शुल्क को घटाकर पांच प्रतिशत करने पर विचार करें. इससे बड़े पैमाने पर तस्करी और अन्य दुरुपयोग में कमी आएगी. उन्होंने कहा कि भारत में सोने, चांदी और हीरे के व्यापार का दुरुपयोग होने की संभावना है, क्योंकि इनकी मात्रा कम है, लेकिन कीमत अधिक है और आयात शुल्क भी अधिक है. श्रीवास्तव ने कहा कि सोने, चांदी के कम शुल्क आयात से केवल कुछ आयातकों को ही लाभ होता है, जो टैरिफ आर्बिट्रेज के जरिए होने वाले सभी मुनाफे को अपने पास रख लेते हैं और इसे कभी भी उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचाते.

यूएई से सोने और चांदी का मौजूदा आयात टिकाऊ नहीं : रिपोर्ट में कहा गया, भारत का यूएई से कुल आयात वित्त वर्ष 2022-23 में 53 .2 अरब अमरीकी डॉलर से 9 .8% घटकर वित्त वर्ष 2023-24 में 48 अरब अमरीकी डॉलर हो गया, जबकि सोने तथा चांदी का आयात 210% बढ़कर 3 .5 अरब अमरीकी डॉलर से 10 .7 अरब अमरीकी डॉलर हो गया. शेष सभी उत्पादों का आयात वित्त वर्ष 2022-23 में 49 .7 अरब अमरीकी डॉलर से 25 प्रतिशत घटकर वित्त वर्ष 2023-24 में 37 .3 अरब अमरीकी डॉलर हो गया.

भीषण गर्मी से यात्रा में आई कमी

डीजल की मांग घटी, जून में बिक्री में 4% की आई गिरावट

एजेंसी । नयी दिल्ली

देश के कुछ हिस्सों में भीषण गर्मी के कारण यात्रा में कमी आने से जून में डीजल की मांग में गिरावट आई है. ईंधन की बिक्री, जो परंपरागत रूप से चुनाव के दौरान बढ़ जाती है, इस वर्ष प्रवृत्ति के विपरीत रही है तथा मासिक आधार पर इसमें गिरावट आ रही है. यह गिरावट अब आम चुनाव के समाप्त होने के बाद भी जारी है. डीजल की बिक्री एक से 15 जून के दौरान पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 3.9 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह 39.5 लाख टन रह गई है.

देश में सबसे ज्यादा खपत वाले ईंधन की मांग में अप्रैल में 2.3

प्रतिशत और मार्च में 2.7 प्रतिशत की गिरावट आई थी. मई में इसमें 1.1 प्रतिशत की गिरावट आई थी. चुनाव प्रचार के अलावा, गर्मी की फसल कटाई के मौसम तथा चिलचिलाती गर्मी के कारण कारों में एयर कंडीशनिंग की मांग बढ़ जाती है, जिससे ईंधन की खपत बढ़नी चाहिए थी. हालांकि इस साल यह रुझान उलट गया है. पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मार्च के मध्य में दो रुपये प्रति लीटर की कमी की गई.

ब्रीफ खबरें

दक्षिणी चीन में बाढ़ व भूस्खलन से नौ मरे

बीजिंग। दक्षिणी चीन में मंगलवार को भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलनों से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गयी और कई गांवों में बिजली ठप होने के साथ-साथ फसलें बर्बाद हो गयीं. इस बीच, देश के उत्तरी हिस्से को सूखे का सामना करना पड़ रहा है. तटीय प्रांत फुजियान की वुपिंग काउंटी में मूसलाधार बारिश के कारण चार लोगों की मौत हो गयी और दो अन्य लोग लापता हो गये. रविवार अपराह्न से तेज बारिश शुरू हुई और बीते 24 घंटे की अवधि के दौरान 372.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गयी.

इक्वाडोर में भूस्खलन के बाद आठ की मौत

रियो वर्डे (इक्वाडोर)। मध्य इक्वाडोर में भूस्खलन के बाद कम से कम आठ लोगों की मौत हो गयी और लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका के मद्देनजर बचाव दलों तथा स्थानीय लोगों ने सोमवार को खोज अभियान चलाया. इक्वाडोर के अनेक हिस्सों में बीते सप्ताहांत हुई भारी बारिश से काफी तबाही हुई लेकिन बानोस के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हुए, जहां रविवार को एक पहाड़ी का हिस्सा ढह गया और बाढ़ में कुछ मकान तथा वाहन बह गए. इक्वाडोर के जोखिम प्रबंधन कार्यालय ने यह जानकारी दी.

ईरान में अस्पताल में आग लगने से नौ मरे

तेहरान। ईरान के उत्तरी हिस्से में स्थित एक अस्पताल में आग लग गई, जिसमें नौ मरीजों की मौत हो गई. सरकारी मीडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी. सरकारी टेलीविजन ने बताया कि राजधानी तेहरान से उत्तर-पश्चिम में लगभग 330 किलोमीटर (लगभग 205 मील) दूरस्थ शहर के कायम अस्पताल में स्थानीय समयानुसार कल देर रात एक बज कर करीब तीस मिनट पर आग लग गई, जिसमें छह महिलाओं और तीन पुरुषों की मौत हो गई.

मालदीव में भारतीय श्रमिक की मौत

माले। मालदीव की राजधानी में एक प्रमुख पुल की मरम्मत के दौरान एक भारतीय श्रमिक की गिरने के कारण मौत हो गई. पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी. मई के बाद से देश में कार्यस्थल पर दुर्घटना में किसी भारतीय नागरिक की मौत की यह दूसरी घटना है. पुलिस ने मृतक की पहचान के तौर पर सिर्फ इतना ही बताया कि वह भारतीय नागरिक था. और कोई विवरण नहीं दिया गया है. समाचार पोर्टल के अनुसार सोमवार रात को सिनामाले पुल पर मरम्मत कार्य के दौरान चक्कर आ जाने के कारण श्रमिक पुल से गिर गया था.

वायनाड में उम्मीदवार उतारेगी भाकपा

तिरुवनंतपुरम। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने मंगलवार को कहा कि वह वायनाड लोकसभा उपचुनाव में प्रियंका गांधी वाद्रा के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारेगी. भाकपा के प्रदेश सचिव बिनॉय विश्वम ने संवाददाताओं से कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) में शामिल भाकपा के पास वायनाड लोकसभा सीट है और उसका उम्मीदवार उपचुनाव में चुनाव लड़ेगा. उन्होंने कहा, "इसमें संदेह क्या है? भाकपा और एलडीएफ ऐसा कुछ नहीं करेंगे जो भारतीय जनता पार्टी के अनुकूल हो.

राष्ट्रपति जो बाइडन की चुनावी वर्ष में नई योजना से लाखों लोगों को राहत मिलने की संभावना

पांच लाख अप्रवासियों को मिल सकती है अमेरिकी नागरिकता

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन चुनावी वर्ष में एक व्यापक कदम उठा रहे हैं जिससे अब तक बिना किसी वैध स्थिति के देश में रह रहे लाखों अप्रवासियों को राहत मिल सकती है और उनको अमेरिकी नागरिकता मिलने का रास्ता साफ हो सकता है. इस कदम को महीने की शुरुआत में सीमा पर उनके द्वारा अपनायी गई आक्रामक नीति को संतुलित करने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है. उनके आक्रामक रुख ने कई डेमोक्रेटिक सांसदों को नाराज कर दिया था. अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस ने मंगलवार को घोषणा की कि बाइडन प्रशासन आने वाले महीनों में कानूनी स्थिति के बिना रह रहे अमेरिकी नागरिकों के कुछ जीवनसाथियों को स्थायी निवास और अंततः नागरिकता के लिए आवेदन करने की अनुमति देगा. वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, इस कदम से पांच लाख से अधिक अप्रवासी लाभान्वित हो सकते हैं. नागरिकता प्राप्त करने के लिए, एक अप्रवासी सोमवार को पूरी हुई अवधि तक कम से कम 10 वर्षों से अमेरिका में रह रहा हो तथा उसका किसी अमेरिकी नागरिक से विवाह होना चाहिए. यदि किसी अर्हता प्राप्त अप्रवासी का आवेदन स्वीकृत हो जाता है, तो उसके पास ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने के लिए तीन वर्ष का समय होगा, तथा उसे अस्थायी कार्य परमिट प्राप्त होगा और इस बीच उसे निर्वासन से सुरक्षा मिलेगी.

गर्मियों के अंत तक आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी

नाम न बताने की शर्त पर प्रस्ताव के बारे में संवाददाताओं को जानकारी देने वाले वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, लगभग 50,000 गैर-नागरिक बच्चे, जिनके माता-पिता में से एक अमेरिकी नागरिक हैं, भी संभावित रूप से इसी प्रक्रिया के लिए पात्र हो सकते हैं. इस बात की कोई आवश्यकता नहीं है कि दंपति को कितने समय तक विवाहित रहना चाहिए, और सोमवार के बाद कोई भी पात्र नहीं होगा. अधिकारियों के अनुसार, इसका मतलब यह है कि 17 जून 2024 के बाद किसी भी समय 10 साल की अवधि तक पहुंचने वाले अप्रवासी इस कार्यक्रम के लिए पात्र नहीं होंगे. वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि उनका अनुमान है कि गर्मियों के अंत तक आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी, तथा आवेदन शुल्क अभी निर्धारित नहीं किया गया है.

ममता बनर्जी ने भाजपा सांसद से कूच बिहार में मुलाकात की

एजेंसी। कूच बिहार

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सदस्य 'अनंत महाराज' ऊर्फ नगेंद्र राय से मंगलवार दोपहर कूच बिहार स्थित उनके आवास पर मुलाकात की. राय राजबंगशी समुदाय के नेता हैं. राय ने चकचका पैलेस में पारंपरिक गमछा और 'गुवा पान' के साथ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का स्वागत किया. राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तौर पर देखी जा रही दोनों नेताओं की यह बैठक करीब 35 मिनट तक चली. राय के आवास पर जाने से पहले ममता ने जिला मुख्यालय में स्थित मदन मोहन मंदिर में पूजा-अर्चना की. ममता सोमवार की शाम कूच बिहार पहुंची थी. इससे पहले वह सिलीगुड़ी स्थित उत्तर बंगाल चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल गयी थी जहां उन्होंने कंचनजंघा एक्सप्रेस हादसे के पीड़ितों के साथ मुलाकात की. लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा से कूच बिहार सीट छीन ली है. तृणमूल प्रत्याशी जगदीश चंद्र बर्मा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी वरिष्ठ भाजपा नेता निशीथ प्रमाणिक को करीब 40,000 वोटों से हराया. चुनाव नतीजों ने इन अटकलों को जन्म दिया कि क्या क्षेत्र के राजबंगशी समुदाय के एक बड़े हिस्से पर रॉय के प्रभाव को देखते हुए नए राजनीतिक समीकरण बन रहे हैं.

मोदी ने किसान सम्मान निधि योजना की 17 वीं किस्त हस्तांतरित करते हुए कहा

अब तो मां गंगा ने भी मुझे गोद ले लिया, मैं यहीं का हो गया हूं

एजेंसी। वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें तीसरी बार लोकसभा भेजने के लिए वाराणसी के लोगों का आभार जताते हुए मंगलवार को कहा, 'अब तो मां गंगा ने भी मुझे जैसे गोद ले लिया है, मैं यहीं का हो गया हूं.' उन्होंने यह बात यहां मिर्जामुराद के मेंहदीगंज में आयोजित किसान सम्मान सम्मेलन कही. इसी दौरान प्रधानमंत्री ने बटन दबाकर देश भर के 9.26 करोड़ किसानों के खाते में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 17 वीं किस्त के तहत 20 हजार करोड़ से ज्यादा की राशि हस्तांतरित की.

प्रधानमंत्री मोदी ने किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए भोजपुरी भाषा में अपने भाषण की शुरुआत की. उन्होंने कहा कि 'चुनाव जीतले के बाद आज हम पहली बार बनारस आयल हईं. काशी के जनता जनार्दन के हमार प्रणाम.' मोदी ने कहा कि 'बाबा विश्वनाथ और मां गंगा के आशीर्वाद से काशीवासियों के असीम स्नेह से मुझे तीसरी बार देश का प्रधान सेवक बनने का सौभाग्य मिला है.' उन्होंने कहा 'काशी के लोगों ने मुझे लगातार तीसरी बार अपना प्रतिनिधि चुन कर धन्य कर दिया है. अब तो मां गंगा ने भी मुझे जैसे गोद ले लिया है, मैं यहीं का हो गया हूं.' मोदी ने हाल में हुए लोकसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि इस चुनाव ने देश के लोकतंत्र की विशालता, सामर्थ्य एवं व्यापकता तथा भारत में लोकतंत्र के जड़ों की गहराई को दुनिया के सामने पूरे सामर्थ्य के साथ प्रस्तुत किया. किसान सम्मान सम्मेलन में मंगलवार को जब प्रधानमंत्री पहुंचे तब उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, राज्य के उप मुख्यमंत्री द्वय केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक, राज्य के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी समेत कई प्रमुख नेताओं ने उनका स्वागत किया. मोदी को योगी ने कंधे पर हल लिए किसान का एक स्मृति चिन्ह प्रदान किया. तीन किसान... रमेश साहनी, उदयभानु सिंह और लालबहादुर राम ने प्रधानमंत्री का किसानों की तरफ से स्वागत किया.

खास बातें

- 9.26 करोड़ किसानों के खाते में 20 हजार करोड़ ट्रांसफर
- सम्मान सम्मेलन में सीएम व राज्यपाल भी रहे उपस्थित

किसानों को कोई प्रसाद नहीं दे रहे प्रधानमंत्री यह उनका वैध अधिकार : कांग्रेस महासचिव

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' योजना की 17वीं किस्त जारी किए जाने से पहले इसकी खबरों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर मंगलवार को निशाना साधते हुए कहा कि यह किसानों को 'प्रसाद' नहीं दिया जा रहा, बल्कि यह उनका वैध अधिकार है. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि गत नौ जून को 'एक तिहाई प्रधानमंत्री' ने जैसे ही पदभार संभाला, तब खबरें थीं कि जिस पहली फाइल पर प्रधानमंत्री ने हस्ताक्षर किए हैं, वह 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' की 17वीं किस्त जारी करने से संबंधित है. रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'आज फिर खबरों का वही शीर्षक सब जगह है – 'एक तिहाई' प्रधानमंत्री 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' की 17वीं किस्त जारी करेंगे. इस तरह सुर्खियों को 'रिसाइकल' किया जाता है.' कांग्रेस नेता ने कहा, 'नॉन बायोलॉजिकल' प्रधानमंत्री किसानों को कोई प्रसाद नहीं दे रहे हैं. यह उनका वैध अधिकार और हक है.' प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा किया. लगातार तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनका पहला वाराणसी दौरा था. सरकार के एक बयान के अनुसार, इस प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए, मोदी प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के तहत लगभग 9.26 करोड़ लाभार्थी किसानों के लिए 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की किस्त जारी करेंगे.

मोदी सरकार ने रेलवे को 'बर्बाद' किया, अश्विनी वैष्णव इस्तीफा दें

एजेंसी। नयी दिल्ली

- कांग्रेस अध्यक्ष बोले-कंचनजंघा एक्सप्रेस दुर्घटना के मद्देनजर रेल मंत्री को पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं

सरकार पर भारतीय रेलवे को "बर्बाद" करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कांग्रेस ने कंचनजंघा एक्सप्रेस दुर्घटना के मद्देनजर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के इस्तीफे की मांग की और कहा कि उन्हें पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है. विपक्षी दल ने मोटरसाइकिल पर पीछे बैठकर दुर्घटना स्थल पर पहुंचने के लिए वैष्णव पर कटाक्ष करते हुए पूछा कि वह रेल मंत्री हैं या "रील मंत्री". कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जब भी कोई रेल दुर्घटना होती है, मोदी सरकार के रेल मंत्री कैमरों की चकाचौंध में घटनास्थल पर पहुंचते हैं और ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे सब कुछ ठीक है. कांग्रेस अध्यक्ष ने पूछा, "नरेंद्र मोदी जी, हमें बताएं कि किसे जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए, रेल मंत्री को या आपको?" खरगे ने सरकार से सात सवाल पूछे और जवाब मांगे. उन्होंने पूछा कि बालासोर जैसी बड़ी दुर्घटना के बाद, बहुचर्चित "कवच" ट्रेन टक्कर रोधी प्रणाली का दायरा एक किलोमीटर भी क्यों नहीं बढ़ाया गया? कांग्रेस अध्यक्ष ने पूछा, "रेलवे में करीब तीन लाख पद खाली क्यों हैं, पिछले 10 सालों में उन्हें क्यों नहीं भरा गया. एनसीआरबी (2022) की रिपोर्ट के अनुसार, 2017 से 2021 के बीच ही रेल दुर्घटनाओं में 1,00,000 लोगों की मौत हुई है! इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा." उन्होंने कहा कि रेलवे बोर्ड ने स्वयं स्वीकार किया है कि मानव बल की भारी कमी के कारण इंजन चालकों का लंबे समय तक काम करना दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या का मुख्य कारण है. पूछा कि इन पदों को क्यों नहीं भरा गया?

2014-23 के बीच 1,117 रेल हादसे हुए हैं यानी हर तीन दिन में एक हादसा : श्रीनेत

यहां अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि जहां तक मध्यम वर्ग, निम्न मध्यम वर्ग और गरीबों का सवाल है, रेलवे शायद परिवहन का सबसे पसंदीदा साधन है, क्योंकि यह परिवहन का सबसे किफायती साधन है. उन्होंने पिछले साल जून में बालासोर में हुए रेल हादसे और सोमवार को हुए हादसे की तस्वीरें दिखाते हुए पूछा कि इस दौरान क्या बदलाव आया है. श्रीनेत ने बताया कि 2014-23 के बीच 1,117 रेल हादसे हुए हैं, यानी हर तीन दिन में एक हादसा. श्रीनेत ने कहा, "इसकी नैतिक जिम्मेदारी कौन लेगा? हमने पहले भी रेल मंत्रियों को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा देते हुए देखा है, लेकिन हमारे यहां एक ऐसे मंत्री हैं जो विपत्ति और त्रासदी के समय भी रील बनाने का मौका नहीं छोड़ते.

रेल दुर्घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 10

सिलीगुड़ी। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में हुए रेल हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है. एक अधिकारी ने कहा कि सोमवार सुबह दुर्घटना के बाद आठ शवों को सरकारी उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल लाया गया था. वहीं, दो घायलों की इलाज के दौरान मौत हो गई. डीन डॉक्टर संदीप सेनगुप्ता ने 'पीटीआई- वीडियो' को बताया, "मृतकों में छह साल की एक बच्ची भी शामिल है, जिसे "गंभीर हालत" में अस्पताल में भर्ती कराया गया था.लड़की के पैरों में फ्रैक्चर था और उसके शरीर में कुछ अंदरूनी चोट थी. उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई."

निखिल गुप्ता पर अब अमेरिका की अदालत में चलेगा मुकदमा

- देश अपने नागरिकों को नुकसान पहुंचाने की कोशिशों को बर्दाश्त नहीं करेगा : अटॉर्नी जनरल

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका में एक सिख अलगाववादी की सुपारी देकर हत्या कराने की साजिश में शामिल होने के आरोपी भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को अब अमेरिका की एक अदालत में मुकदमे का सामना करना पड़ेगा. अटॉर्नी जनरल मेरिक गार्लैंड ने कहा कि देश अपने नागरिकों को नुकसान पहुंचाने की कोशिशों को बर्दाश्त नहीं करेगा. गुप्ता (53) को न्यूयॉर्क में खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश में शामिल होने के आरोप में अमेरिका सरकार के अनुरोध पर 30 जून, 2023 को चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया गया था. उसे गत 14 जून को अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया था. गुप्ता के अटॉर्नी जेफ्री चाबरोवे के अनुसार, सोमवार को उसे मैनहट्टन संघीय अदालत में मजिस्ट्रेट न्यायाधीश जेम्स कॉट के समक्ष पहली पेशी के तहत प्रस्तुत किया गया. गार्लैंड ने कहा, 'यह प्रत्यर्पण स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि न्याय विभाग अमेरिकी नागरिकों को चुप कराने या उन्हें नुकसान पहुंचाने के प्रयासों को बर्दाश्त नहीं करेगा.'

ऊंट का पैर काटने के आरोप में छह गिरफ्तार

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में चारे की तलाश में एक खेत में घुसे ऊंट का पैर काटने के आरोप में जमींदार और उसके पांच नौकरों को गिरफ्तार किया गया है. पिछले सप्ताहांत संघर जिले के मुंड जमराव गांव में ऊंट का दाहिना पैर काटने के बाद कटे हुए पैर को हाथ में लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट को लेकर सोशल मीडिया पर काफी हंगामा हुआ और पशु अधिकार संगठनों तथा लोगों ने सरकार से जमींदार के खिलाफ इस क्रूर कृत्य के लिए कार्रवाई की मांग की थी. पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी दुबई से ऊंट के लिए कृत्रिम पैर की व्यवस्था कर रहे हैं.

थाईलैंड दक्षिण-पूर्वी एशिया में ऐसा कानून लागू करने वाला पहला देश बना

थाईलैंड में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने वाले विधेयक को मंजूरी

एजेंसी। बैंकॉक

थाईलैंड की नेशनल असेंबली (संसद) के उच्च सदन 'सीनेट' ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने वाले एक विधेयक को मंगलवार को भारी बहुमत के साथ मंजूरी प्रदान कर दी. इसके साथ ही थाईलैंड दक्षिण-पूर्वी एशिया में ऐसा कानून लागू करने वाला पहला देश बन गया है. सीनेट में विधेयक पर हुए मतदान के दौरान 152 सदस्य मौजूद थे, जिनमें से 130 सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में मतदान किया जबकि चार सदस्यों ने इसके खिलाफ मतदान किया. सीनेट के 18 सदस्यों ने मतदान की प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया.

अब इस विधेयक को थाईलैंड के राजा महा वजिरालोंगकोर्न की औपचारिक स्वीकृति मिलने की आवश्यकता है, जिसके बाद इसे सरकारी राजपत्र में प्रकाशित किया जाएगा. सरकारी राजपत्र 120 दिनों के भीतर एक तिथि निर्धारित करेगा जब विधेयक कानून के रूप में लागू हो जाएगा. ताइवान और नेपाल के बाद थाईलैंड, समलैंगिक विवाह को अनुमति देने वाला एशिया का तीसरा देश बन जाएगा. विवाह समानता विधेयक, किसी भी लिंग के विवाहित साथियों को पूर्ण कानूनी, वित्तीय और चिकित्सा अधिकार प्रदान करता है. इस विधेयक को अप्रैल में पिछले संसदीय सत्र के समापन से ठीक पहले संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा ने पारित कर दिया था.

77 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को दिया गया नल जल का कनेक्शन

नयी दिल्ली। देश में अब तक करीब 77 प्रतिशत या 14.88 करोड़ ग्रामीण परिवारों को 'नल जल कनेक्शन' उपलब्ध कराये जा चुके हैं.. आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है. जल जीवन मिशन के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार देश में कुल 19.31 करोड़ ग्रामीण परिवार हैं. आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 19,31,21,778 ग्रामीण परिवारों में से अब तक कुल 14,88,16,184 परिवारों को नल के पानी का कनेक्शन प्रदान किया जा चुका है. देश के 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) ने ग्रामीण क्षेत्रों में 'नल जल कनेक्शन' का 100 प्रतिशत कवरेज हासिल कर लिया है.

सेलिब्रिटी ब्रांड रैंकिंग रिपोर्ट शाहरुख तीसरे स्थान पर, भारत की अन्य हस्तियां सूची में पीछे खिसकीं

रणवीर सिंह को पीछे छोड़ विराट बने सबसे बड़े 'सेलिब्रिटी' ब्रांड

एजेंसी। मुंबई

क्रिकेट खिलाड़ी विराट कोहली 2023 में 22.79 करोड़ अमेरिकी डॉलर के ब्रांड मूल्य के साथ भारत के सबसे मूल्यवान 'सेलिब्रिटी' बन गए हैं. सलाहकार कंपनी क्रॉल ने एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कोहली ने रणवीर सिंह को पीछे छोड़ते हुए 2022 के 17.69 करोड़ डॉलर के ब्रांड मूल्य के मुकाबले 29 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की. रणवीर सिंह 20.31 करोड़ डॉलर के ब्रांड मूल्य के साथ दूसरे स्थान पर रहे.

इससे पिछले साल वह पहले स्थान पर थे. क्रॉल की सेलिब्रिटी ब्रांड मूल्यांकन रिपोर्ट 2023 के अनुसार कोहली की ब्रांड मूल्य अब भी 2020 के 23.77 करोड़ डॉलर के स्तर तक नहीं पहुंच पाया है. 'जवान' और 'पठान' जैसी फिल्मों की सफलता पर सवार होकर 58 वर्षीय अभिनेता शाहरुख खान 2023 में ब्रांड मूल्य के लिहाज से तीसरे स्थान पर रहे. इस दौरान उनका कुल ब्रांड मूल्य 12.07 करोड़ डॉलर था. खान का ब्रांड मूल्य 2022 में 5.57 करोड़ डॉलर था, और वह इस सूची में दसवें स्थान पर थे. मूल्यांकन सलाहकार सेवाओं के लिए फर्म के प्रबंध निदेशक अविरल जैन ने कहा कि खान 2020 के बाद पहली बार भारत के शीर्ष पांच ब्रांड सेलिब्रिटी बने हैं. खान की इस जोरदार बढ़त के कारण अन्य हस्तियां सूची में पीछे खिसक गई हैं. इसमें अक्षय कुमार 2022 के तीसरे स्थान से 2023 में चौथे स्थान पर आ गए हैं. उनका ब्रांड मूल्य 11.17 करोड़ डॉलर था. इसी तरह आलिया भट्ट 10.11 करोड़ डॉलर के ब्रांड मूल्य के साथ चौथे से पांचवें स्थान पर खिसक गईं. दीपिका पादुकोण 2023 में 9.6 करोड़ डॉलर के साथ छठे स्थान पर रहीं. हाल ही में क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने वाले एम एस धोनी 9.58 करोड़ डॉलर के ब्रांड मूल्य के साथ सूची में सातवें स्थान पर रहे. सचिन तेंदुलकर 9.13 करोड़ डॉलर के ब्रांड मूल्य के साथ सूची में आठवें स्थान पर बने हुए हैं. सलमान खान इस सूची में दससें स्थान पर हैं. शीर्ष 25 सेलिब्रिटी का कुल ब्रांड मूल्य 2023 में 1.9 अरब डॉलर रहा, जो सालाना आधार पर 15.5 प्रतिशत अधिक है. शीर्ष 25 सेलिब्रिटी में अभिनेत्री कियारा आडवाणी और कैटरीना कैफ भी शामिल हैं.

लघु फिल्म 'कर्नल कलसी' मुंबई फिल्म महोत्सव में होगी प्रदर्शित

मुंबई। अमेरिकी सेना के एक सिख अधिकारी की धार्मिक भेदभाव के खिलाफ लड़ाई पर आधारित भारतीय-अमेरिकी लघु फिल्म "कर्नल कलसी" का प्रीमियर 20 जून को मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में किया जाएगा. कलसी के पिता भारतीय वायु सेना में सेवारत थे और दादा ब्रिटिश सेना में थे. अमेरिका की सेना में भर्ती के लिए प्रशिक्षण के दौरान उनकी धार्मिक पहचान कोई मुद्दा नहीं रही, लेकिन जब अफगानिस्तान में तैनाती का समय आया तो उनसे अपने बाल और दाढ़ी कटवाने को कहा गया, क्योंकि इससे "एस्प्रिट डे कोर" (यूनिट की भावना) में बाधा उत्पन्न होती. सिख धर्म में बाल और दाढ़ी रखना धार्मिक पहचान का हिस्सा है. बाल और दाढ़ी कटवाने के आदेश के बाद कलसी ने अमेरिकी सेना पर अपने संवैधानिक अधिकार को बरकरार रखने के लिए मुकदमा दायर किया.

'पुष्पा-2: द रूल' छह दिसंबर को होगी रिलीज

मुंबई। अल्लू अर्जुन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पुष्पा 2 : द रूल' अब छह दिसंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी. निर्माताओं ने इसकी घोषणा की. सुकुमार द्वारा निर्देशित 'पुष्पा 2 : द रूल' अर्जुन की 'पुष्पा 1 : द राइज'' की कड़ी में बनने वाली दूसरी फिल्म है. ' 'पुष्पा 1 : द राइज' दिसंबर 2021 में रिलीज हुई थी और बहुत बड़ी 'ब्लॉकबस्टर' साबित हुई थी. निर्माता कंपनी 'मैत्री मूवी मेकर्स' ने सोमवार शाम को 'एक्स' पर एक पोस्ट में फिल्म की नयी रिलीज तारीख की जानकारी साझा की. पहले फिल्म को 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज करने की जानकारी सामने आई थी.

चुनावों में ईवीएम नहीं, मतपत्रों का इस्तेमाल हो : जगन मोहन

एजेंसी। अमरावती

युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की जगह मतपत्रों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए. आंध्र प्रदेश में हाल ही में हुए विधानसभा और लोकसभा चुनावों में करारी हार के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि लगभग हर उन्नत लोकतंत्र में मतपत्रों का इस्तेमाल होता है.

रेड्डी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'दुनिया भर में लगभग हर उन्नत लोकतंत्र में चुनावों में ईवीएम का नहीं, बल्कि मतपत्रों का इस्तेमाल किया जाता है.' आंध्र प्रदेश में विपक्ष के नेता ने कहा कि हमारे (भारत) लोकतंत्र की सच्ची भावना को बनाए रखने के लिए 'हमें भी उसी (डाक मतपत्रों) की ओर बढ़ना चाहिए.' उन्होंने कहा, 'जैसे कि न्याय न केवल होना चाहिए, बल्कि दिखना भी चाहिए कि न्याय हुआ है उसी प्रकार लोकतंत्र भी न केवल कायम रहना चाहिए, बल्कि ऐसा दिखना भी चाहिए.' आंध्र प्रदेश में हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में वाईएसआरसीपी को केवल 11 विधानसभा सीट और चार लोकसभा सीट पर ही संतोष करना पड़ा. तेलुगु देशम पार्टी, भारतीय जनता पार्टी और जनसेना वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने विधानसभा की 175 में से 164 सीट पर जीत हासिल की और लोकसभा की 25 सीट में से 21 को अपने नाम किया.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)